शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 107 | गुवाहाटी | गुरुवार, 10 नवंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

छात्रा की मौत के बाद ग्रामीणों ने किया हंगामा पेज 3
जापान की मेजबानी में शुरू हुआ क्वाड देशों का नौसैनिक अभ्यास मालाबार पेज 4
मुख्यमंत्री योगी ने बनाया पूरे प्रदेश को उत्तम प्रदेश : हेमा मालिनी पेज 5
अलवर के मलाखेड़ा में होगी राहुल की सबसे बड़ी जनसभा, तैयारियां शुरू पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

कच्चा पात्र कच्चे पात्र से टकराकर टूट जाता है।

– आचार्य चाणक्य

श्रीमंत शंकरदेव कला क्षेत्र का रजत जयंती वर्षोत्सव

शंकरदेव की जीवन-यात्रा से जुड़े स्थान पर एक नामघर बनेगा : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। राजधानी गुवाहाटी के पांजाबाड़ी स्थित श्रीमंत शंकरदेव कला क्षेत्र का रजत जयंती वर्ष समारोह बुधवार को एकदिवसीय कार्यक्रम के तहत मनाया गया। पूर्वोत्तर भारत के सांस्कृतिक केंद्र श्रीमंत शंकरदेव कला क्षेत्र के 25 वर्ष पूरे होने पर आज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ध्वजारोहण, मृदंगिया गयान-बयान कलाकारों व संस्कृति कर्मियों के साथ बड़ा जुलूस निकाला गया। समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम आंदोलन के शहीदों के बलिदान के बदले असम समझौते पर हस्ताक्षर हुए। उसी समझौते के अनुसार कलाक्षेत्र बना था। मुख्यमंत्री ने उल्लेख किया कि डॉ. भवेंद्रनाथ सैकिया ने 1986 में कला क्षेत्र की योजना तैयार की थी। उल्लेखनीय है कि राज्यपाल भीष्म नारायण सिंह ने शंकरदेव कला क्षेत्र की आधारशिला रखी। तत्कालीन राष्ट्रपति के.आर. नारायणन ने 09 नवंबर, 1998 को कला क्षेत्र का उद्घाटन किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने स्वयं तत्कालीन मुख्यमंत्री हितेश्वर सैकिया को इसे बनाने के लिए बहुत मेहनत करते देखा। पूर्व मुख्यमंत्री प्रफुल्ल कुमार महंत, तरुण गोगोई, सर्वानंद सोनोवाल ने भी इस कलाक्षेत्र में बहुमूल्य योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के पौराणिक दर्शन व संस्कृति पर खतरा मंडरा रहा है। हमने इस संदेह को दूर करने और परंपरा को बचाने व संरक्षित करने के उपाय किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य मंत्रिमंडल में बिजली व पुलिस विभाग पर कई अहम फैसले

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य मंत्रिमंडल की साप्ताहिक बैठक बुधवार को जनता भवन (असम सचिवालय) में हुई। बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। कैबिनेट की बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री पीयूष हजारिका ने बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने बिजली क्षेत्र में उत्कृष्टता, पुलिस प्रशिक्षण में सेवानिवृत्त सैन्य कर्मी, बिजली के नुकसान से निपटने, वेतन में समानता और एसीएस और एपीएस अधिकारियों की पदोन्नति सहित कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर निर्णय लिए गए। आज की कैबिनेट में असम पुलिस को और मजबूत करने के मकसद से निर्णय लिए गए। बैठक के निर्णय के अनुसार असम पुलिस में 34 सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों को अतिरिक्त पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

गडकरी तीन दिवसीय दौरे पर गुवाहाटी में

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी बुधवार को गुवाहाटी पहुंचे। केंद्रीय मंत्री असम के तीन दिवसीय दौरे पर आए हैं। बोरझार हवाई अड्डे पर केंद्रीय मंत्री का स्वागत -शेष पृष्ठ दो पर

रंजन गोगोई को लेकर याचिका एससी से खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को उस जनहित याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें सरकार द्वारा पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई को राज्यसभा में नामित करने को इस आधार पर चुनौती दी गई थी कि वह उसके लिए योग्य नहीं थे। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस अभय एस. ओका की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह पब्लिसिटी इंटरेस्ट लिटिगेशन है। याचिकाकर्ता के वकील सतीश एस. कांबिए ने कहा कि पूर्व प्रधान न्यायाधीश राज्यसभा में नामित किए जाने के योग्य नहीं थे। इस पर पीठ ने कहा कि योग्यता का फैसला कौन करेगा? आप? क्षमा कीजिए, इस याचिका में कोई मेरिट नहीं है। आप किस्मत वाले हैं कि हम आप पर कोई जुर्माना नहीं लगा रहे हैं। संवेदनशील अयोध्या विवाद समेत कई अहम फैसले सुनाने वाली पीठों की अध्यक्षता कर चुके जस्टिस रंजन गोगोई को सरकार ने 16 मार्च, 2020 को राज्यसभा में नामित किया था। उसी दिन सरकार ने इस आशय की अधिसूचना भी जारी कर दी थी। वह पहले पूर्व प्रधान न्यायाधीश हैं जिन्हें सरकार ने राज्यसभा में नामित किया है। उनसे पहले पूर्व प्रधान न्यायाधीश रंगनाथ मिश्र भी राज्यसभा के सदस्य रहे थे, लेकिन इसके लिए उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था।

न्यूज गैलरी

चोरी हुई बालाजी की मूर्ति तमिलनाडु में जब्त

चेन्नई। कर्नाटक में मांड्या के एक मंदिर में चोरी हुई भगवान बालाजी की एक प्राचीन मूर्ति तमिलनाडु के गोबीचेट्टीपलायम में एक घर से जब्त कर लिया गया है। राज्य अपराध जांच विभाग (सीआईडी) की मूर्ति शाखा ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। मूर्ति शाखा पुलिस ने बताया कि मध्य जोन के अतिरिक्त पुलिस उपाधीक्षक बालमुरुगन की देखरेख में इंस्पेक्टर इलांगो के नेतृत्व में जांच अभियान चलाया गया। आईडल विंग पुलिस ने कहा कि पुलिस कर्मियों ने अपने आप को तस्कर बताया था, जिसके बाद बालाजी मूर्ति की प्रतिमा बरामद की गई। -शेष पृष्ठ दो पर

टीवी चैनलों को सीधा प्रसारण के लिए नहीं लेनी होगी पूर्व अनुमति

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारत में टीवी चैनलों के अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग के 2022 के दिशानिर्देशों को मंजूरी दी है। सरकार द्वारा जारी ये दिशानिर्देश टीवी चैनलों के लिए प्रसारण कार्यप्रणाली को और ज्यादा आसान बनाया गया है। गैर समाचार कार्यक्रम के सीधा प्रसारण के लिए कोई पूर्व अनुमति नहीं लेनी होगी। राष्ट्र व जनहित में प्रसारित होने वाली सामग्री को लेकर -शेष पृष्ठ दो पर

डीवाई चंद्रचूड़ सुप्रीम कोर्ट के 50वें प्रधान न्यायाधीश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश जस्टिस धनंजय यशवंत चंद्रचूड़ भारत के 50वें प्रधान न्यायाधीश बन गए हैं। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में पद की शपथ दिलाएंगी। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ 10 नवंबर, 2024 तक इस पद पर रहेंगे। उन्होंने जस्टिस उदय उमेश ललित का स्थान लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने पर डॉ. न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ को बधाई दी। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने 1982 में दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून की डिग्री हासिल -शेष पृष्ठ दो पर

फेसबुक-वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम से 11 हजार कर्मचारी निकाले गए

नई दिल्ली। फेसबुक, वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक ने अपने 11 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। कंपनी के 18 साल के इतिहास में पहली बार इतनी बढ़ी संख्या में कर्मचारियों की छंटनी हुई है। कर्मचारियों को निकालने का ऐलान कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने किया। उन्होंने इसकी वजह गलत फैसलों से रेवेन्यू में आई गिरावट को बताया। मार्क ने कहा कि आज मैं मेटा के इतिहास में किए कुछ सबसे कठिन फैसलों के बारे में बताने जा रहा हूं। हमने अपनी टीम साइज में करीब 13 फीसदी कटौती करने का फैसला किया है। इससे 11 हजार से अधिक प्रतिभाशाली कर्मचारियों की नौकरी जाएगी। हम खर्च में कटौती करके और क्यू1 तक हायरिंग फ्रीज को बढ़ाकर ज्यादा कुशल कंपनी बनने के लिए कदम उठा रहे हैं। मार्क जुकरबर्ग ने प्रभावित एम्प्लॉइज के लिए खेद भी जताया और फैसले के साथ-साथ कंपनी इस जगह पर कैसे पहुंची, इसकी पूरी जिम्मेदारी ली। उन्होंने लिखा कि मैं इन फैसलों और हम यहां कैसे पहुंचे इसकी जवाबदेही लेना चाहता हूं। मुझे पता है कि यह सभी के लिए कठिन है और खास तौर पर जो मेरे इस फैसले से प्रभावित हुए है उनके लिए मुझे खेद है। इससे पहले -शेष पृष्ठ दो पर

संजय राउत जेल से बाहर, अस्पताल में होंगे भर्ती

मुंबई। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत को आज मुंबई की पीएमएलए अदालत द्वारा पात्रा चावल भूमि घोटाला मामले में जमानत मिलने के बाद आर्थर रोड जेल से रिहा कर दिया गया। राउत को शाम करीब 7 बजे जेल से रिहा किया गया। जेल से निकलने के बाद राउत को अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। मुंबई की एक विशेष अदालत ने पात्रा *चॉल* पुनर्विकास परियोजना से जुड़े कथित धनशोधन के मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत को बुधवार को जमानत दे दी थी। हालांकि शिवसेना नेता ने बताया कि उन्हें जेल से निकलने के बाद अस्पताल ले जाया जाएगा। संजय राउत के भाई सुनील राउत ने बताया कि संजय राउत की तबीयत ठीक नहीं है। जेल से छूटने के बाद वे उद्धव ठाकरे से मिलेंगे। इसके अलावा कुछ और जगहों पर भी जाएंगे। जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। बता दें कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) से संबंधित मामलों की सुनवाई के लिए नामित विशेष न्यायाधीश एम.जी. देशपांडे ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद राउत को जमानत दे दी थी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राज्यसभा सदस्य राउत को इस साल जुलाई में -शेष पृष्ठ दो पर

हिमाचल के फाइनल सर्वे में *आप* साफ

शिमला। हिमाचल प्रदेश में चुनाव होने में कुछ ही दिन शेष हैं। ऐसे में प्रदेश में सियासी गलियारे में हलचल बढ़ गई है। यहां सभी पार्टियां वोटरों को लुभाने के लिए कई वादे किए हैं। ऐसे में प्रदेश की जनता का मूड जानने के लिए उससे पहले जनता का मन जानने के लिए सूत्र ने सी-वोटर के साथ मिलकर एक फाइनल ओपिनियन पोल किया है। इस सर्वे में जनता ने अपनी राय रखी है। दर्वे के मुताबिक, प्रदेश में कड़ा मुकाबला होते नजर -शेष पृष्ठ दो पर

केरल में मुख्यमंत्री और राज्यपाल में बढ़ी तकरार

तिरुवनंतपुरम। पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने केरल में विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में राज्य के राज्यपाल को बदलने के लिए एक अध्यादेश लाने का फैसला किया है, जिसके कुछ घंटों बाद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने बुधवार को मुख्यमंत्री की भाषा को आतंकवादी की भाषा के रूप में वर्णित किया। खान ने एक मीडिया आउटलेट से बातचीत के दौरान कहा कि उन्होंने मुझे निशाना बनाया और इसलिए मैं अपने मामले पर फैसला नहीं लूंगा। मुझे अभी तक अध्यादेश नहीं मिला है। एक बार जब मैं इसे प्राप्त कर लूंगा तो इसे पढूंगा और इसे राष्ट्रपति को भेजूंगा। आतंकवादी की परिभाषा वह है जो अपनी राजनीतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए बल का उपयोग करता है। विजयन ने कहा है कि मुझे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। यह एक आतंकवादी की भाषा है। मैं परिणाम भुगतने और बताने के लिए तैयार हूं ताकि वह अपनी योजनाओं पर अमल कर सकें। खान ने आगे कहा कि राजनीति में अपने शुरुआती दिनों से ही विजयन राजनीतिक हिंसा का सहारा लेते रहे हैं। खान ने कहा कि कैसे विजयन ने एक हत्या के आरोपी को बाहर लाने के लिए हिंसा का सहारा लिया। -शेष पृष्ठ दो पर

सीएए-एनआरसी का इस्तेमाल कर रही भाजपा : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आने वाले गुजरात के विधानसभा चुनावों को देखते हुए नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर का इस्तेमाल कर रही है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने यह भी कहा कि वह अपने राज्य में सीएए को कभी भी लागू नहीं होने देंगी। बनर्जी ने भगवा खेमे पर राज्य की मांग उठाकर पश्चिम बंगाल में अलगाव (उत्तर बंगाल की मांग) को बढ़ावा देने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वह कभी राज्य के विभाजन की अनुमति नहीं देंगी। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि जब भी कोई चुनाव आता है, भाजपा सीएए और एनआरसी को लागू करने की बात करती है। इस साल के अंत में गुजरात विधानसभा चुनाव होने हैं और लोकसभा चुनाव सिर्फ डेढ़ साल दूर हैं, इसने फिर से सीएए के मुद्दे को भड़काना शुरू कर दिया है। -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर की एलिजाबेथ देवी की संपत्ति जब्त

करुणानिधि के तत्कालीन सचिव पर भी ईडी का एक्शन

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा पीएमएलए 2002 के तहत दायर आवेदन के पालन में विशेष न्यायालय (पीएमएलए) इंफाल पूर्व, मणिपुर ने आरोपी के. एलिजाबेथ देवी को मनी-लॉन्ड्रिंग के अपराध में शामिल पाए जाने पर उनकी अचल संपत्ति की जब्ती (मूल्य: 11.54 लाख रुपए) का आदेश पारित किया है। ईडी ने मणिपुर पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर एलिजाबेथ देवी, के. प्रेमजीत सिंह और के. सनाजाओबा देवी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच शुरू की जो प्रतिबंधित चरमपंथी संगठन पीपुल रिवोल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलीपाक (प्रीपैक) के सक्रिय सदस्य थे। ईडी ने कहा कि जांच से पता चला कि आरोपी व्यक्ति सार्वजनिक और व्यापारिक समुदाय से जबरन वसूली में शामिल थे और इसने प्रतिबंधित संगठन प्रीपैक के लिए टैक्स के नाम पर जबरन वसूली की और इस अवैध धन में से अपने नाम पर संपत्तियां भी अर्जित कीं। वहीं, एक अन्य मामले में ईडी ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री एम करुणानिधि के तत्कालीन सचिव राजमणिक्कम ने जीडीक्यू के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

केंद्रीय गृहमंत्री ने आंतरिक सुरक्षा पर आईबी अधिकारियों के साथ की समीक्षा

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को यहां देशभर के इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारियों की एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और देश की आंतरिक सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। बैठक में काउंटर टेररिज्म, कट्टरवाद से खतरे, साइबर सुरक्षा संबंधित मुद्दों, सीमा से जुड़े पहलुओं और राष्ट्र की अखंडता और स्थिरता को सीमा पार से विरोधी तत्वों के खतरों सहित राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन व्यापक विचार विमर्श हुआ। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार सुरक्षा के सभी पहलुओं को मजबूत कर राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध है और पिछले 8 वर्षों में देश की आंतरिक सुरक्षा को पुख्ता करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। शाह ने कहा कि आज़ादी से अब

तक देश में शांति बनाए रखने में बिना किसी यश के गुमनाम तरीके से आईबी ने बेहद अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि हमारी लड़ाई आतंकवाद के साथ-साथ इसके सपोर्ट सिस्टम के साथ भी है, जब तक हम इन दोनों के खिलाफ सख्ती से नहीं लड़ते तब तक आतंकवाद पर जीत हासिल नहीं हो सकती। केंद्रीय गृह मंत्री ने राज्यों की आतंकवाद-रोधी और ड्रग्स-रोधी ऐजेंसियों के बीच संपर्क बढ़ाने और सूचना साझा करने की प्रक्रिया को और सुदृढ़ बनाने की ज़रूरत पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद पर काबू पाने के लिए उसके फायनेंशियल और लॉजिस्टिकल सपोर्ट सिस्टम को खत्म करने की ज़रूरत है। गृह मंत्री ने कहा कि हमें देश की तटीय सुरक्षा को भी अभेद्य बनाना होगा और इसके लिए सबसे छोटे और सबसे आईसोलेटेड पोर्ट पर भी हमारी पैनी नजर होनी चाहिए। शाह ने कहा कि नारकोटिक्स न सिर्फ देश की युवा पीढ़ी को बर्बाद करता है, बल्कि इससे कमाया गया पैसा, देश की आतंरिक सुरक्षा को भी प्रभावित करता है, इसीलिए इसके समूल नाश के लिए हमें साथ मिलकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि सीमापार से ड्रोन के माध्यम से हो रही मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए हमें ड्रोन-विरोधी तकनीक का अधिकतम उपयोग करना होगा।

बौद्ध सम्मेलन में देवी-देवताओं को नहीं मानने की शपथ पर आक्रोश

रायपुर (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में सोमवार को आयोजित राज्यस्तरीय बौद्ध सम्मेलन में हिंदू देवी-देवताओं को नहीं मानने की शपथ दिलाए जाने पर हिंदू संगठनों ने बुधवार को आक्रोश जताते हुए कलेक्टर और एसपी को ज्ञापन सौंपकर प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की है। केंद्रीय जनजातीय मामलों की राज्यमंत्री रेणुका सिंह ने इस वीडियो को ट्वीट करते हुए राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज में हिंदू विरोध चरम पर है। यहां हिंदू आस्था पर खुलेआम प्रहार किया जा रहा है और कांग्रेस की राजनांदगांव महापौर हिंदू धर्म के विरुद्ध शपथ ले रही हैं। कोई सनातन विरोधी कार्यक्रम हो और कांग्रेस से उसके तार ना जुड़ें, ऐसा हो सकता है क्या? राजनांदगांव की महापौर हेमा देशमुख ने सोशल मीडिया पर सफाई देते हुए कहा है कि वे वहां बतौर अतिथि जरूर मौजूद थीं, लेकिन उन्होंने न तो हाथ उठाया और न ही शपथ ली। सम्मेलन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सम्मेलन का आयोजन शिवनाथ नदी तट पर मोहारा ऑक्सीजोन में किया गया था। इस वीडियो में दिख रहा है कि बौद्ध भंते लोगों को गौरी, गणपति और हिंदू धर्म के किसी भी देवी-देवताओं को नहीं मानने और ना ही उनकी कभी भी पूजा करने की शपथ दिला रहे हैं। शपथ लेने वाले लोगों के बीच में राजनांदगांव की महापौर हेमा सुदेश देशमुख भी दिख रही हैं। कार्यक्रम में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के पोते भीमराव यशवंत राव अंबेडकर भी शामिल हुए थे। कांग्रेस के नेता शपथ लेने के दौरान मंच पर खड़े थे। इस बौद्ध सम्मेलन में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह, पूर्व सांसद मधुसूदन यादव, राजगामी संपदा न्यास के अध्यक्ष विवेक वासनिक समेत कई जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए थे। हालांकि भाजपा नेता डॉ. रमन सिंह और मधुसूदन यादव वहां से तुरंत निकल गए थे। भाजपा सांसद संतोष पांडेय ने निशाना साधते हुए कहा कि राजगामी संपदा न्यास के अध्यक्ष पद पर आसीन विवेक वासनिक को तत्काल इस्तीफा दे देना चाहिए। जिले में भगवान जगन्नाथ, राधा-कृष्ण समेत कई प्राचीन मंदिर हैं, जिन्हें पूरी संस्कारधानी पूजती है। ऐसे में ये शपथ दिलाकर यहां के सौहार्द्रपूर्ण माहौल को बिगाड़ने की कोशिश की गई है।

तमिलनाडु से लापता महिला गुवाहाटी में बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के भरलुमुख पुलिस की टीम और तमिलनाडु पुलिस ने संयुक्त रूप से अभियान चलाते हुए तमिलनाडु के त्रिची से गायब हुई एक महिला को मालीगांव से बरामद किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि एक संयुक्त अभियान में, भरलुमुख थाना की पुलिस टीम और तमिलनाडु की पुलिस टीम मालीगांव से गायब हुई महिला को बरामद किया गया। इस संबंध में तमिलनाडु के समरुसाम्पेटी थाने में केस नंबर 335/2022 के तरह प्राथमिकी दर्ज है। पुलिस महिला को वापस घर ले जाने की कार्रवाई शुरू की है।

नीरव मोदी को भारत लाने का रास्ता साफ

लंदन। भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी को भारत लाने का रास्ता साफ होता दिख रहा है। उसे वापस लाने के लिए भारतीय एजेंसियों ने सरकारी और कानूनी स्तर पर अर्जी दायर की थी। इनमें कहा गया था कि नीरव ने भारत के बैंकिंग सिस्टम के साथ फ्रॉड किया है, इसलिए उसे कानूनी प्रक्रिया के लिए भारतीय एजेंसियों के हवाले किया जाए। लंदन में ऐश-ओ-आराम की जिंदगी गुजार रहे इस भगोड़े ने अपने बचाव में कई तर्क दिए। नीरव ने यहां तक कहा कि वो भारतीय कानून का सामना करने को तैयार है, लेकिन उसे भारतीय एजेंसियों के हवाले न किया जाए। जब निचली अदालत ने उसे भारत को सौंपने का फैसला किया तो उसने हाईकोर्ट का रुख किया और अब हाईकोर्ट ने भी उसकी पिटीशन खारिज कर दी है। नीरव ने पिटीशन में कहा था कि भारत में जेलों की हालत बेहद खराब है और वहां उसे जान का खतरा भी हो सकता है। इसके जवाब में भारतीय एजेंसियों ने लंदन की अदालत को विस्तार से जानकारी दी और बताया कि नीरव सिर्फ बचने का रास्ता खोज रहा है। अदालत ने इसी आधार पर उसे भारत के हवाले करने का आदेश सुनाया है। अदालत ने कहा कि नीरव को भारत के हवाले करने का फैसला न तो नाइंसाफी है और न ही इसे किसी दबाव के तौर पर लिया जाना चाहिए। हाईकोर्ट में अपील खारिज होने के बाद अब नीरव मोदी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर सकता है। यह याचिका उसे हाईकोर्ट का फैसला आने के 14 दिनों के अंदर करनी होगी। हालांकि इसमें पेंच यह है कि सुप्रीम कोर्ट में कोई अपील तभी की जा सकती है जब हाईकोर्ट यह कह दे कि मौजूदा केस आम लोगों के लिए अहम है। अगर सुप्रीम कोर्ट से भी नीरव मोदी को राहत नहीं मिलती है तो वह यूरोपीयन कोर्ट ऑफ ह्यूमन राइट्स (ईसीएचआर) के रूल 39 की मदद ले सकता है। इस नियम के तहत कोर्ट कुछ अंतरिम उपाय लागू करता है। यह नियम तभी लागू होता है जब मामले में बहुत जल्दी बहुत बढ़ी क्षति होने की आशंका हो। यानी अगर अपील करने वाले व्यक्ति की जिदंगी को खतरा हो या अमानवीय बर्ताव किए जाने की आशंका हो तभी यूरोपीयन कोर्ट ऑफ ह्यूमन राइट्स प्रत्यर्पण को रोक सकता है। हालांकि आगे जो भी हो, मार्च 2019 से लंदन के वॉन्ड्सवर्थ जेल में कैद नीरव अभी यहीं रहेगा। बता दें कि इससे पहले मई 2020 में लंदन के वेस्टमिंस्टर कोर्ट में नीरव के प्रत्यर्पण पर सुनवाई हुई थी। करीब 9 महीने की सुनवाई के बाद फरवरी 2021 में वेस्टमिंस्टर कोर्ट ने नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण करने को मंजूरी दे दी थी। कोर्ट ने तब कहा था कि नीरव पर जो आरोप हैं, उसके जवाब उन्हें भारत की अदालत में देने चाहिए। महाराष्ट्र के प्रिजन डिपार्टमेंट ने पहले ही लंदन की वेस्टमिंस्टर कोर्ट में बैरक नंबर-12 के बारे में जानकारी साझा कर दी थी। प्रिजन डिपार्टमेंट ने बताया था कि नीरव मोदी को जहां रखा जाएगा, वो जगह हाई सिक्योरिटी वाली होगी और वहां उसे मेडिकल फैसिलिटी भी मिलेगी। अगस्त 2020 में वेस्टमिंस्टर कोर्ट ने बैरक नंबर-12 का वीडियो भी देखा था। इसके बाद ही कोर्ट ने नीरव को भारत लाने की मंजूरी दी। कोर्ट ने कहा है कि नीरव मोदी बैरक नंबर-12 में पूरी तरह से सेफ रहेगा। नीरव की दलील थी कि उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं है और अगर उसे भारत भेजा जाता है, तो वो सुसाइड कर लेगा। इस पर भी कोर्ट ने कहा कि बैरक नंबर-12 में नीरव के सुसाइड करने के चांस नहीं हैं, क्योंकि वहां उसकी हेल्थ का पूरा ख्याल रखा जाएगा। नीरव मोदी पर मेहुल चौकसी के साथ मिलकर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से करीब 14 हजार 500 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। फरवरी में ब्रिटेन की वेस्टमिंस्टर कोर्ट ने मोदी के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दी थी। इस फैसले के खिलाफ उसने लंदन हाईकोर्ट में अपील की है। भारत लाए जाने के बाद उसे मुंबई की आर्थर रोड जेल की बैरक नंबर-12 में रखा जाएगा।

पृष्ठ एक का शेष

शंकरदेव की जीवन-यात्रा ...

सांस्कृतिक क्षेत्र में शंकरदेव कला क्षेत्र का अहम स्थान है। असम की कला संस्कृति पर सुनियोजित हमला शुरू हो गया है। मियां संग्रहालय इसका उदाहरण है। वह शक्तियां बिहू को भी विकृत करने की कोशिश कर रही हैं। हम अपने पारंपरिक संगीत का उपयोग अन्य धर्मों को बढ़ावा देने के लिए कर रहे हैं। ऐसे हमलों के कारण दुनिया की कई संस्कृतियां लुप्त हो गईं। ऐसे हमलों को रोकने और भाषा व संस्कृति की रक्षा के लिए कलाक्षेत्र समुदाय को और अधिक प्रयास करने चाहिए। शंकरदेव कला क्षेत्र के रजत जयंती समारोह में बोलते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि माधवदेव कलाक्षेत्र, प्रतिमा पांडेय के घर को बनाए गए संग्रहालय की जिम्मेदारी भी कला क्षेत्र को सौंपी गई है। कला क्षेत्र मधुपुर सत्र (मठ) के लिए भी काम करेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि शंकरदेव की जीवन यात्रा से जुड़े हर स्थान पर एक नामघर बनाया जाएगा। इस अवसर पर असम सरकार के मंत्री विमल बोरा, अतुल बोरा, श्रीमंत शंकरदेव समाज के उपाध्यक्ष जितुल सोनोवाल, सचिव सुदर्शन ठाकुर, असम सरकार की सांस्कृतिक सचिव लया मदुरी, वरिष्ठ पत्रकार धीरेंद्रनाथ चक्रवर्ती, नृत्याचार्य जतिन गोस्वामी और प्रख्यात कलाकार नानी बोरपुजारी आदि उपस्थित थे।

सीएए-एनआरसी का ...

बनर्जी ने कृष्णानगर में टीएमसी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि क्या भाजपा तय करेगी कि कौन नागरिक हैं और कौन नहीं? मटुआ इस देश के नागरिक हैं। राजनीतिक रूप से ताकवर मटुआ समुदाय की उत्पत्ति पूर्वी बंगाल (वर्तमान बांग्लादेश) में हुई थी। उनमें से कई नॉर्थ 24 परगना और नादिया जिलों में रहते हैं। टीएमसी सुप्रीमो ने आगे कहा कि भाजपा राज्य के उत्तरी हिंस्सों में राजवंशी और गोरखाओं को भड़काकर पश्चिम बंगाल में अलगाववाद को बढ़ावा दे रही है। हम पश्चिम बंगाल के विभाजन की अनुमति कभी नहीं देंगे।

राज्य मंत्रिमंडल में ...

अधीक्षक (प्रशिक्षण) के रूप में नियुक्त किया जाएगा। इससे पुलिस बटालियनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को मजबूती मिलेगी। मंत्रिमंडल ने एसीएस और एपीएस अधिकारियों के वेतन, पदोन्नति में समानता लाने के लिए दोनों सेवाओं के अधिकारियों के वेतन और पदोन्नति (चुनाव ग्रेड स्तर तक) में समानता लाने को भी मंजूरी दी। बिजली नुकसान से निपटने के लिए प्रदेश में 58 लाख स्मार्ट मीटर लगाने की स्वीकृति दी गई है। कई स्थानों पर स्मार्ट मीटर लगाने का काम पहले से ही चल रहा है। पुराने और नए दोनों स्मार्ट मीटर एक महीने तक लोगों के घरों में रहेंगे। बिल ज्यादा होने पर पुराना स्मार्ट मीटर उठाया जाएगा। मंत्रिमंडल ने बिजली क्षेत्र के विकास के लिए 7 परियोजनाओं के लिए संशोधित प्रशासनिक अनुमोदन और योजना के तहत चल रही 3 परियोजनाओं हाटसिंगमारी, सालाकाटी और बरपेटा में 3 पावर ग्रिड परियोजनाओं के लिए व्यापार विकास निधि (टीडीएफ) से एईजीसीएल के पास उपलब्ध 756.76 करोड़ रुपए को भी मंजूरी दी है। इसके माध्यम से पावर ब्लॉकों के विकास से 30 लाख ग्राहक लाभान्वित होंगे।

गडकरी तीन दिवसीय...

किया गया। एयरपोर्ट से कामाख्या मंदिर पहुंचकर नितिन गडकरी ने पूजा-अर्चना की। केंद्रीय मंत्री ने होटल रेडिसन ब्लू में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक से पहले मुख्यमंत्री ने गडकरी को गुलदस्ता व असमिया गमछा भेंट कर स्वागत किया।

डीवाई चंद्रचूड़ सुप्रीम...

की थी। शुरुआत में उनकी रुचि अर्थशास्त्र यानी इकोनामिक्स में थी, लेकिन कानून का एक लेक्चर उनको इतना पसंद आया कि उन्होंने तय कर लिया कि वे अब कानून की पढ़ाई करेंगे और इसमें ही अपना करियर बनाएंगे। आगे चलकर उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से कानून की पढ़ाई की और पोस्ट ग्रेजुएशन करने के लिए हार्वर्ड विश्वविद्यालय चले गए, जहां उन्हें ज्यूरिडकल साइंस में डाक्टरेट की उपाधि मिली। डी वाई चंद्रचूड़ के पिता का नाम यशवंत विष्णु चंद्रचूड़ है। वे भारत के सबसे लंबे समय (7 वर्ष) तक चीफ जस्टिस रहे। वह 22 फरवरी, 1978 से 11 जुलाई, 1985 तक प्रधान न्यायाधीश थे। इसके पहले, वे सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जज रहे। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को 39 साल की उम्र में ही सीनियर एडवोकेट का तमगा मिल गया था। आमतौर पर बाम्बे हाईकोर्ट में 40 वर्ष से कम आयु में किसी को यह दर्ज नहीं मिलता। अमेरिका से भारत लौटने पर उन्होंने बाम्बे हाईकोर्ट में वकालत करनी शुरू की। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ को क्रिकेट काफी पसंद है। उनकी संगीत में भी गहरी रुचि है। उनके पिता की भी शास्त्रीय संगीत में गहरी रुचि थी। जस्टिस चंद्रचूड़ को पुस्तकें पढ़ना भी काफी पसंद है।

फेसबुक-वॉट्सऐप और...

मंगलवार को जुकरबर्ग ने कंपनी के सैकड़ों एग्जीक्यूटिव्स के साथ मीटिंग की थी। वॉल स्ट्रीट जनरल की एक रिपोर्ट के मुताबिक जुकरबर्ग इस मीटिंग में निराश दिखाई दिए थे। उन्होंने बताया था, छंटनी में ज्यादा संख्या रिक्रूटिंग और बिजनेस टीम के एम्प्लॉइज की होगी। सितंबर 2022 के अंत तक मेटा में 87,314 कर्मचारी थे। मार्क ने कहा कि कोविड की शुरुआत में, दुनिया तेजी से ऑनलाइन हो गई और ई-कॉमर्स के बढ़ने से रेवेन्यू में इजाफा हुआ। कई लोगों ने प्रिडिक्ट किया कि यह बढ़ोतरी स्थायी होगी जो महामारी खत्म होने के बाद भी जारी रहेगी। मैंने भी यही सोचा, इसलिए मैंने अपने इन्वेस्टमेंट में बढ़ोतरी करने का फैसला लिया। दुर्भाग्य से, यह मेरी अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा। न केवल ऑनलाइन कॉमर्स पहले के ट्रेंड पर लौट आया है, बल्कि मैक्रोइकोनॉमिक डाउनटर्न, कॉम्पिटिशन और कम विज्ञापन के कारण रेवेन्यू मेरी अपेक्षा से कम हो गया है। मुझसे ये गलती हुई और मैं इसकी जिम्मेदारी लेता हूं। इस नए माहौल में, हमें और अधिक पूंजी कुशल बनने की जरूरत है। हमने संसाधनों को हाई प्रायोरिटी ग्रोथ एरिया में शिफ्ट कर दिया है। एआई डिस्कवरी इंजन, एडवर्टाइजमेंट और बिजनेस प्लेटफॉर्म और मेटावर्स के लिए हमारा लॉन्ग टर्म विजन है। हमने बिजनेस की लागत में कटौती की है, जिसमें बजट कम करना, भत्तों को कम करना और रियल एस्टेट फुट प्रिंट को कम करना शामिल है। हम अपनी एफिशिएंसी बढ़ाने के लिए टीमों का पुनर्गठन कर रहे हैं। लेकिन ये उपाय अकेले हमारे खर्चों को हमारी रेवेन्यू ग्रोथ के अनुरूप नहीं लाएंगे, इसलिए मैंने लोगों को जाने देने का कठिन निर्णय भी लिया है। मार्क ने कहा कि यह एक दुखद क्षण है, और इसके आसपास कोई रास्ता नहीं है। जो लोग जा रहे हैं, उन्हें मैं फिर से धन्यवाद देना चाहता हूं। आपकी कड़ी मेहनत के बिना हम आज जहां हैं वहां नहीं होते, और मैं आपके योगदान के लिए आभारी हूं। सितंबर 2022 के अंत तक मेटा में 87,314 कर्मचारी थे। मेटा वर्तमान में वॉटेसऐप, इंस्टाग्राम और फेसबुक सहित दुनिया के कुछ सबसे बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का मालिक है। हालांकि कंपनी मेटावर्स पर अपना खर्च बढ़ा रही है। मेटावर्स एक आभासी दुनिया है जहां यूजर अपने स्वयं के अवतार बना सकते हैं। लॉ अडॉप्टेशन रेट और महंगे आर एंड डी के कारण कंपनी को लगातार घाटा हुआ है। छंटनी से कंपनी का वित्तीय संकट कुछ हद तक कम होने की उम्मीद है। पिछले महीने के अंत में, मेटा ने दिसंबर क्वार्टर के रेवेन्यू आउट लुक की घोषणा की थी। कंपनी ने कहा था कि अगले साल मेटावर्स में इन्वेस्टमेंट के कारण उसे काफी नुकसान होगा। इस जानकारी के सामने आने के बाद से कंपनी के शेयरों की कीमत में भारी गिरावट आई है। मेटा का शेयर इस साल 70 फीसदी से ज्यादा टूट चुका है। मंगलवार को ये 96.47 डॉलर पर बंद हुए थे। हालांकि मेटा के सीईओ जुकरबर्ग ने निवेशकों से ब्रांड में विश्वास करने के लिए कहा। उन्होंने दावा किया कि जो कंपनी के साथ बना रहेगा उन्हें उसका फायदा जरूर मिलेगा। वर्चुअल रियलिटी के नेक्स्ट लेवल को मेटावर्स कहा जाता है। आसान शब्दों में कहा जाए तो मेटावर्स एक तरह की आभासी दुनिया है। इस तकनीक से आप वर्चुअल आईडेंटिटी के जरिए डिजिटल वर्ल्ड में एंटर कर सकेंगे। यानी एक पैरेलल वर्ल्ड जहां आपकी अलग पहचान होगी। उस पैरेलल वर्ल्ड में आप घूमने, सामान खरीदने से लेकर, इस दुनिया में ही अपने दोस्तों-रिश्तेदारों से मिल सकेंगे। भविष्य में इस टेक्नोलॉजी के एडवांस वर्जन से चीजों को छूने और स्मेल करने का अहसास कर पाएंगे। मेटावर्स शब्द का सबसे पहले इस्तेमाल साइंस फिक्शन लेखक नील स्टीफेन्सन ने 1992 में अपने नोबेल *स्नो क्रैश* में किया था। एलन मस्क ने ट्विटर को खरीदने के साथ ही दुनिया भर में कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है। ट्विटर के कुल 7,500 स्टाफ में से करीब आधे को निकाल दिया गया है। भारत में ट्विटर के 200 से ज्यादा कर्मचारियों थे, जिनमें में से ज्यादातर को निकाल दिया है। इंजीनियरिंग, सेल्स, मार्केटिंग और कम्युनिकेशन टीमों में छंटनी की गई है। ट्विटर के कर्मचारियों को तीन तरह के ईमेल भेजे हैं। एक ईमेल उन लोगों के लिए है जिन्हें निकाला नहीं गया है, एक उन लोगों के लिए है जिन्हें निकाल दिया गया है जबकि एक मेल उन लोगों के लिए है जिनकी नौकरी अभी भी अधर में है। छंटनी पर मस्क ने कहा था कि जब कंपनी को रोजाना 40 लाख डॉलर (32.77 करोड़ रुपए) का नुकसान हो रहा है, तो हमारे पास कर्मचारियों को हटाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। जिन्हें भी निकाला गया है, उन्हें 3 महीने का सेवरेंस दिया गया है, जो कि कानूनी तौर पर दिए जाने वाले अमाउंट से 50 फीसदी ज्यादा है।

संजय राउत जेल से ...

उपनगरीय गोरेगांव में पात्रा *चॉल* के पुनर्विकास में कथित वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार किया था। राउत को जमानत दिए जाने के बाद ईडी ने शुक्रवार तक जमानत आदेश नहीं देने की अपील की। हालांकि अदालत ने ईडी की अर्जी खारिज कर दी। तब ईडी ने कहा कि वह बंबई उच्च न्यायालय में जमानत आदेश को निरस्त करने की गुहार लगाएगी और इस पर स्थगन के लिए अंतरिम आदेश की मांग करेगी।

केरल में मुख्यमंत्री और ...

उन्होंने विजयन के बारे में इन सभी का पता लगाने के लिए थोड़ा शोध किया यह पता लगाने के लिए कि वह कौन है। केरल के राज्यपाल ने कहा कि कुलपतियों की नियुक्ति के संबंध में सुप्रीम कोर्ट का फैसला बहुत स्पष्ट है जैसा कि पश्चिम बंगाल के मामले में देखा गया था। उस मामले में यह स्पष्ट था कि यूजीसी के दिशानिर्देश प्रभावी होंगे। बता दें केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा कि विश्वविद्यालयों में कुलपति योग्यता के आधार पर नहीं बल्कि पार्टी (सीपीआईएम) की सिफारिश पर नियुक्त होते हैं इसलिए ख्र्स्न उन्हें नियंत्रित करता है। केरल के राज्यपाल ने कहा कि वे हर समय विश्वविद्यालयों के मामले में दखल दे रहे थे, जिससे मैं नाराज था। हस्तक्षेप विश्वविद्यालयों के विकास से संबंधित नहीं था। यह ज्यादातर विभिन्न पदों पर बैठे माकपा नेताओं के रिश्तेदारों के बारे में था।

मणिपुर की एलिजाबेथ...

मानदंडों का उल्लंघन करते हुए अपने बेटे आर दुर्गाशंकर को भूखंड आवंटित किया था। उनमें से तीन की अपराध की कुल आय में से 14.86 करोड़ रुपए, 14.23 करोड़ रुपए की चल और अचल संपत्तियों को जब्त किया गया है। ईडी ने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है। तमिलनाडु के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी के राजमणिक्कम के बेटे पूर्व आईपीएस अधिकारी एस जफर सैत की पत्नी और एक रियल एस्टेट डेवलपर की संपत्ति को मनी लॉन्ड्रिंग रोधी कानून के तहत कुर्क किया गया है। मामला सरकारी भूखंडों के आवंटन में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। राजमणिक्कम ने दिवंगत मुख्यमंत्री एम करुणानिधि के सचिव के रूप में कार्य किया था। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) द्वारा 2011 में नौकरशाहों सहित सात व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी से उपजा है। तमिलनाडु पुलिस के पूर्व महानिरीक्षक एस जफर सैत की पत्नी परवीन जाफर के खिलाफ अनंतिम आदेश जारी किया गया है; प्रवर्तन निदेशालय ने एक बयान में कहा कि राजमणिक्कम के बेटे आर दुर्गाशंकर और चेन्नई के लैंडमार्क कंस्ट्रक्शन के मालिक टी उदयकुमार हैं। ईडी ने एम एस जफर सैत, पूर्व आईजी पुलिस (खुफिया विंग) तमिलनाडु पुलिस सहित 7 लोगों के खिलाफ सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग जांच शुरू की है।

चोरी हुई बालाजी ...

शुरुआती जांच में पता चला की बालाजी की मूर्ति मांड्या में एक मंदिर के पुजारी ने कुछ साल पहले चुराई थी और एक वकील को बेच दी थी। पूछताछ के बाद वकील ने कबूला कि मूर्ति, मंदिर के पुजारी ने पैसों के बदले में मूर्ति देने का सौदा किया था। बता दें कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इस मूर्ति की कीमत करोड़ रुपए की है। वकील ने बताया कि पुजारी की आर्थिक स्थिति बेहद खराब थी और उस पैसों की जरूरत थी। कर्नाटक पुलिस ने जांच पूरी कर चार्जशीट दाखिल कर दी है। बता दें कि जब्त की गई मूर्ति का वजन 22.8 किलोग्राम, ऊंचाई 58 सेमी और चौड़ाई 31 है। मूर्ति मिलने के बाद डीजीपी सी सिलेंद्र बाबू ने आईडल विंग की टीम की सराहना की है। बता दें कि ये मूर्ति काफी पुरानी थी और इसे कुंबकोणम की अतिरिक्त मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया।

टीवी चैनलों का सीधा ...

भारतीय टेलीपोर्ट विदेशी चैनलों को अपलिंक कर सकते हैं। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने इससे पहले 2011 में दिशानिर्देश जारी किए थे। प्रेस कांफ्रेंस करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सचिव अपूर्व चंद्रा ने कहा कि सी बैंड के अलावा फ्रीक्वेंसी बैंड में अपलिंक करने वाले टीवी चैनलों को अनिवार्य रूप से अपने सिग्नल को एन्क्रिप्ट करने की आवश्यकता होती है। एक चैनल को केवल एक टेलीपोर्ट/उपग्रह की तुलना में एक से अधिक टेलीपोर्ट की सुविधाओं का उपयोग करके अपलिंक किया जा सकता है। एक टेलीपोर्ट ऑपरेटर भारत के बाहर डाउनलिंक होने के लिए एक विदेशी चैनल को अपलिंक कर सकते हैं। आज जारी हुए नए दिशानिर्देशों के अनुसार एक चैनल को एक यूनिट से दूसरी यूनिट में स्थानांतरित करने के लिए कुछ प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। गैर-समाचार सामग्री के लिए लाइव कार्यक्रमों के लाइव प्रसारण के लिए अनुमति लेने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया है। केवल लाइव टेलीकास्ट होने वाले कार्यक्रमों का पूर्व पंजीकरण आवश्यक होगा। विदेशों में सामग्री को डाउनलिंक करने के लिए विदेशी चैनलों को अपलिंक करने के लिए भारतीय टेलीपोर्ट की अनुमति नहीं थी, जबकि विदेशी चैनलों को नए दिशानिर्देशों में विदेशों में डाउनलिंक होने के लिए भारत से अपलिंक करने की अनुमति है। एक समाचार एजेंसी को वर्तमान में एक साल के मुकाबले 5 साल की अवधि के लिए अनुमति मिल सकती है।

हिमाचल के फाइनल...

आ रहा है। पोल के मुताबिक, 47 प्रतिशत लोगों का मानना है कि राज्य में एक बार फिर से भाजपा सरकार बनाएगी। जबकि, 43 प्रतिशत लोगों ने कहा है कि राज्य में कांग्रेस की जीत निश्चित है। इसके अलावा तीन प्रतिशत जनता को लगता है कि आप राज्य में सरकार बना सकती है। वहीं दो को अन्य के आसार नजर आते हैं। एक फीसदी जनता ने त्रिशंकु सरकार की आशंका जताई है। वहीं, चार प्रतिशत लोगों ने इस सवाल का जवाब पता नहीं में दिया है।

स्वर्वेद भाष्य

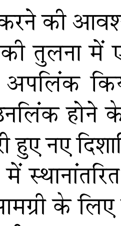

चतुर्थ मंडल **चतुर्थ अध्याय**

(ज्ञान)

जो वस्तू जैसा रहे, तैसा वाको जान।
रूप बोध निर्भ्रान्त है, संशयहिन सज्ञान॥ 03॥

शब्दार्थ : (वस्तू) पदार्थ (निर्भ्रान्त) भ्रमरहित।

भाष्य : जो वस्तु जिस रूप में है, उसको उसी रूप में संशयरहित निर्भ्रांत जानना ज्ञान है।

नित्य अनित्य सम्बन्ध का, जड़ चेतन अरु भेद।
परिणामी कूटस्थ का, कारण कारज वेद॥ 04॥

शब्दार्थ : (नित्य) जिसका कोई कारण न हो (अनित्य) जिसका कारण हो (जड़) ज्ञान रहित तत्व (चेतन) ज्ञानवान (परिणामी) विकारशील (कूटस्थ) एक स्वरूप से रहने वाला (कारण) द्रव्य (कार्य) गुण (वेद) जानना।

भाष्य : जड़ और चेतन दो प्रकार के पदार्थ होते हैं। चेतन आत्मा का जड़-प्रकृति से अनित्य संबंध है। जीव और ब्रह्म का नित्य संबंध है। जड़ पदार्थ परिणामी कार्यशील होता है, उसमें परिणाम, विकार होता है इसलिए प्रकृति परिणामी नित्य है। कारण से कार्य होने वाले सभी तत्व परिणामी, अनित्य हैं। चेतन पदार्थ का रूपांतर नहीं होता है, वे एकरूप से रहते हैं इसलिए जीव और ब्रह्म दोनों कूटस्थ नित्य हैं। त्रिगुणात्मिका प्रकृति अनेक स्वरूपों को धारण करती है। कार्य तत्व विनाशशील होता है इसलिए परिणाम, विकार वाली प्रकृति परिणामी, नित्य है। प्रकृति जड़ है और जीव एवं ब्रह्म दोनों चेतन कूटस्थ हैं। प्रकृति-आत्मा का संबंध भोग्य-भोक्तृत्व, द्रष्टा-दृश्य, स्व-स्वामी भाव है और जीव-ब्रह्म का संबंध उपास्य-उपासक, ध्येय-ध्योता एवं आधार-आधेय का है।

छात्रा की मौत के बाद ग्रामीणों ने किया हंगामा

शिवसागर (हिंस)। शिवसागर जिलांतर्गत डिमौ के खरिहाट चाय बागान के पास एक छात्रा की गड्ढे में डूबने की वजह से मौत हो गई। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने जमकर हंगामा किया। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार को नौवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक छात्रा की मौत ईंट भट्ठा के मालिक द्वारा खोदे गए गड्ढे में डूबने की वजह से हो गई। रानी बरुवा नामक छात्र की अचानक मौत की खबर मिलते ही मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने शव को गड्ढे से बाहर निकाल कर जमकर हंगामा किया। स्थानीय लोगों ने ईंट भट्ठा के मालिक को घटनास्थल पर आने के लिए दबाव बनाया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर डिमौ राजस्व चक्र अधिकारी और डिमौ पुलिस की टीम पहुंची।

पुलिस और राजस्व चक्र अधिकारी के सामने स्थानीय लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन करते हुए ईंट भट्टा के मालिक को घटनास्थल पर बुलाने के लिए दबाव बनाते रहे। स्थानीय लोगों का कहना था कि जब तक ईंट भट्टे का मालिक मौके पर नहीं आता है तब तक मृत बच्ची के शव को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस को नहीं सौंपा जाएगा। राजस्व चक्र अधिकारी और पुलिस उग्र भीड़ को समझाकर हालात का शांत कराया। पुलिस ने छात्रा के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

रेलवे की एसी के पुर्जे चुराने वाला चोर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के पलटन बाजार पुलिस की टीम ने रेलवे का एयर कंडीशन (एसी) मशीन के पुर्जे चुराने के आरोप में एक चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि पलटन बाजार थाना की पुलिस टीम ने मोरीगांव जिला के जगीरोड निवासी पंकज दास को रेलवे से एयर कंडीशनर मशीन के पुर्जे चुराते हुए पकड़े जाने के बाद गिरफ्तार कर लिया। आगे की कानूनी कार्रवाई करने के लिए पलटन बजार पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित को आरपीएफ को सौंप दिया। आरपीएस ने आगे की जांच के लिए जीआरपी को सौंप दिया। जीआरपी इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार चोर से पूछताछ कर रही है।

चोरी के बाइक समेत पति-पत्नी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के हाथीगांव पुलिस ने बाइक चोरी मामले में पति-पत्नी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि हातीगांव थाना की पुलिस टीम ने अशरफुल अली और उसकी पत्नी साजिदा बेगम को घोरमारा से बाइक की चोरी करने के आरोप में छयगांव से गिरफ्तार किया है। तकनीकी विश्लेषण के माध्यम से 24 घंटे से भी कम समय में पुलिस ने चोरी के मामले को सुलझाते हुए पति-पत्नी को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही चोरी की बाइक को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है। पुलिस पहले से दर्ज प्राथमिकी के आधार पर गिरफ्तार पति-पत्नी से सघन पूछताछ कर रही है।

बांग्लादेश की सीमा में बंधक बने 13 श्रमिक भागकर पहुंचे घर

कामरूप (हिंस)। भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती इलाके में बंधक बनाकर रखे गए 13 श्रमिक किसी तरह अपनी जान बचाकर अपने घर तक पहुंचने में सफल रहे। श्रमिकों ने बताया कि सरकार उपाधिधारी एक व्यक्ति उन्हें सिलचर में काम दिलाने का भरोसा देकर ले गया था। जब हम वहां पहुंचे तो हमें भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती काफी दुर्गम इलाके में बंधक बनाकर रखा गया। श्रमिक ने बताया कि सरकार उपाधिधारी व्यक्ति ने सभी श्रमिकों को गुवाहाटी से ट्रेन के जरिए बदरपुर रेलवे स्टेशन तक ले गया था। बदरपुर से सभी को वाहन के जरिए बांग्लादेश सीमावर्ती इलाके में ले गया और बंधक बना कर रखा गया। श्रमिकों ने बताया कि सभी 13 श्रमिक किसी तरह अपनी जान बचाकर 2 दिनों तक बिना खाना खाए छुपते-छुपाते अपने घर पहुंचे। घर पहुंचे सभी 13 श्रमिक कामरूप (ग्रामीण) जिला के रंगिया और बरपेटा जिला के रहने वाले बताये गये हैं। घटना के संबंध में श्रमिक द्वारा दर्ज करायी गई शिकायत के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पूसीरे ने ग्राहक इंटरफेस में सुधार के लिए उठाया कदम

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) माल परिवहन में सुधार और बेहतर ग्राहक इंटरफेस प्रदान करने के लिए कई पहल कर रही है। ऐसी पहल में अक्तूबर के दौरान जावक और आवक दोनों माल परिवहन के संचालन के लिए कुछ और स्टेशनों को खोला गया है। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची डे ने बुधवार को बताया कि ग्राहक इंटरफेस में सुधार एवं माल ढुलाई को और अधिक बढ़ाने के लिए लमडिंग मंडल के अधीन मयनारवन्द स्टेशन को 01 अक्तूबर से स्टोन चिप्स और बोल्डर परिवहन के जावक लोडिंग के लिए खोला गया है। तिनसुकिया मंडल के अधीन नामरूप स्टेशन को 10 अक्तूबर से तीन महीने की अवधि के लिए जावक कोयला परिवहन के संचालन के लिए खोला गया है। रंगिया मंडल के अधीन चापराकाटा स्टेशन को 13 अक्तूबर से कोयला, पीओएल, पशुधन, विस्फोटक और क्रेन खेप को छोड़कर जावक और आवक दोनों माल परिवहन के संचालन के लिए खोल दिया गया है। अलीपुरद्वार मंडल के अधीन हासीमारा स्टेशन को 14 अक्तूबर से आवक ऑटोमोबाइल परिवहन के संचालन के लिए खोल दिया गया है। इससे पहले इसे कोयला, पीओएल, पशुधन, विस्फोटक, क्रेन खेप और कंटेनर परिवहन के संचालन को छोड़कर जावक और आवक दोनों माल परिवहन के संचालन के लिए खोला गया था। इसके अलावा लमडिंग मंडल के अधीन कमलाजारी स्टेशन को 28 अक्तूबर से जावक लोहा और स्टील खेप (क्रेनखेप) के संचालन के लिए खोल दिया गया है। लमडिंग मंडल के अधीन तेतेलिया स्टेशन को 31 अक्तूबर से छह महीने की अवधि के लिए जावक ऑटोमोबाइल परिवहन के संचालन के लिए खोल दिया गया है। दोनों स्टेशनों को पहले पीओएल, पशुधन, विस्फोटक और क्रेनखेप को छोड़कर कोयले सहित सभी जावक और आवक माल परिवहन को संचालन करने के लिए खोला गया था।

डेंगू का बढ़ा प्रकोप, आठ दिन में 551 लोग संक्रमित

गुवाहाटी (हिंस)। असम में डेंगू का प्रकोप बढ़ने से लगातार पीड़ितों की संख्या में वृद्धि हो रही है। पिछले दिनों में 1 से 8 नवंबर तक डेंगू संक्रमितों की कुल संख्या 551 हो गई। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार कार्बी आंग्लांग जिला में डेंगू के सबसे अधिक 478, कामरूप (मेट्रो) जिला में 29, होजाई, कामरूप (ग्रामीण), नलबाड़ी, शोणितपुर और तिनसुकिया में तीन-तीन मामले किए गए हैं। इसके अलावा बंगाईगांव, कछार, दरंग, धेमाजी, डिब्रुगढ़, डिमा हसाउ, ग्वालपाड़ा, करीमगंज, नगांव और शिवसागर में दो-दो मामले तथा बिश्वनाथ, चराईदेव, गोलाघाट, जोरहाट, लखीमपुर, मोरीगांव, उदालगुड़ी और पश्चिम कार्बी आंग्लांग में एक-एक मामले सामने आए। कार्बी आंग्लांग में डेंगू के सबसे अधिक मामले को देखते हुए यहां स्वास्थ्य विभाग की टीम ने डेरा डाल रखा है। डेंगू से कुल तीन मरीजों की अब तक मौत हो चुकी है, जिसमें एक मरीज की नवंबर तथा दो मरीजों की मौत अक्तूबर महीने में हुई थी। उल्लेखनीय है कि इसी साल जनवरी में कार्बी आंग्लांग में डेंगू का प्रकोप हुआ था। आमतौर पर पहले गुवाहाटी में राज्य का 70-90 फीसदी हिस्सा डेंगू से प्रभावित होता है, लेकिन इस बार आश्चर्यजनक रूप से सबसे अधिक मरीज कार्बी आंग्लांग जिले में सामने आए हैं।

मायुमं की कामाख्या शाखा का कानूनी सेवा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच कामाख्या शाखा ने कानूनी सेवा दिवस के उपलक्ष में फैंसी बाजार मे कानूनी सेवा शिविर का आयोजन किया। जिसमें असंगठित क्षेत्र में काम करने के लिए कानूनी सेवाएं (लीगल सर्विसेस टू दी वर्क्स इन अनऑर्गेनाइज सेक्टर) विषय पर राहगीरों ,वेंडर एवं श्रमिकों को जागरूक किया एवं उनके कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया। इस शिविर में कामरूप जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण ने भी भूमिका निभाई। कार्यक्रम मे नगर निगम पार्षद प्रमोद स्वामी और पान बाजार थाना ट्रैफिक इंचार्ज नृपेन सईकिया भी उपस्थित थे। शाखा अध्यक्ष प्रेमलता सिंघानिया ने बताया कि नागरिकों को अपने कानूनी अधिकार को प्रयोग में लाने के लिए उन्हें जागरूक करना हमारा मुख्य उद्देश्य है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा कुछ मुफ्त कानूनी सेवा प्रदान करने का प्रावधान रखा गया है। इसकी जानकारी भी आज के शिविर में दी गई।

शाखा कोषाध्यक्ष और अधिवक्ता खुशबू वर्मा ने लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि महिला, बच्चे, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के सदस्य, औद्योगिक श्रमिक, बड़ी आपदा जैसे बाढ़, हिंसा, सुखा, भूकंप, औद्योगिक आपदा के शिकार लोग विकलांग व्यक्ति, हिरासत में रखे गए लोग ऐसे लोग जिनकी वार्षिक आय तीन लाख से अधिक नहीं है एवम् अवैध मानव व्यापार के शिकार पीड़ित व्यक्ति को कोर्ट द्वारा मुफ्त कानूनी सेवा दी जाती है। पार्षद प्रमोद स्वामी और ट्रैफिक इंचार्ज नितिन सैकिया ने भी कानूनी सलाह के बारे में संबोधन दिया इस कार्यक्रम की संयोजिका सीमा शर्मा तथा सह संयोजिका पायल वर्मा थी।कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व शाखा अध्यक्ष मीना पोद्दार, उपाध्यक्ष योगिता अग्रवाल, सह सचिव स्नेहल बिदासरीया के अलावा गुलाब दुग्गड, किरण अग्रवाल उपस्थित थी। शाखा सचिव इंदु पारीक ने सभी को धन्यवाद ज्ञापन दिया।

आठ करोड़ से अधिक कीमत की हेरोइन बरामद, तीन गिरफ्तार

एजल (हिंस)। मिजोरम पुलिस ने वार ऑन ड्रग्स के तहत अभियान चलाकर भारी मात्रा हेरोइन बरामद कर नाबालिग समेत तस्करी के तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि बुधवार सुबह लुंगलेई जिला विशेष शाखा (डीएसबी) की टीम ने तल्वांग पुल-पुकपुई के बीच अभियान चलाया। इस दौरान खुपखानकुल (25) और हौदेइचिन (25) के कब्जे से 1.747 किग्रा हेरोइन जब्त की गई। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में जब्त की गई हेरोइन की कीमत 8.735 करोड़ रुपए आंकी गई है। गिरफ्तार दोनों आरोपित चम्फाई जिला के बेंगथर तलंगनुम के रहने वाले हैं। दोनों आरोपितों के साथ एक किशोर भी गिरफ्तार किया गया है। लुंगलेई थाना में इस संबंध में यू/एस 21(सी)/29 एनडी एंड पीएस एक्ट आर/डब्ल्यू सेक्शन 78 जेजे एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

विश्वनाथ महाविद्यालय में नवागत समारोह आयोजित

विश्वनाथ (विभास)। विश्वनाथ महाविद्यालय छात्र एकता सभा के सौजन्य से रंगारंग कार्यक्रम के साथ आज नवागत स्वागत सभा का आयोजन किया गया। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. चिंतामणि शर्मा ने कॉलेज का झंडा फहराकर कार्यक्रम की शुरुआत की। शहीद तर्पण कॉलेज शिक्षक समूह के अध्यक्ष व शैक्षिक मामलों के अधिकारी डॉ .अरुण चालिहा ने किया। इसके बाद सभी छात्रों को लेकर बैठक आयोजित की गई। इसके बाद विश्वनाथ महाविद्यालय के छात्र एकता सभा के महासचिव कुशल शर्मा की संचालित सभा में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. चिंतामणि शर्मा ने सभा की अध्यक्षता की। गुवाहाटी विश्वविद्यालय छात्र कल्याण निदेशक डॉ. रंजन कुमार काकति ने जीवन में लक्ष्य निर्धारित करने वाले सभी नए छात्रों को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित किया और उनसे उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया। उन्होंने सभी छात्रों को केवल नौकरी-उन्मुख न होकर उद्योगमुखी मन तैयार करने की अपील की है।

विश्वविद्यालय प्रबंधन संघ के अध्यक्ष कुकिल हजारिका ने बैठक में भाग लिया और छात्रों से अपने सभी प्रयासों को दिखाने और सफलता प्राप्त करने के अपने प्रयासों को जारी रखने का आग्रह किया। विश्वविद्यालय शिक्षक समूह के अध्यक्ष डॉ. अरुण चालिहा ने महाविद्यालय को छात्रों के उत्तरण के लिए मंच कहकर संबोधित करते हुए कहा इस उत्तरण को प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य, चरित्र और निरंतर अध्ययन की आवश्यकता होगी। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में रंगापाड़ा कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अश्विनी कुमार डेका उपस्थित थे। इस आयोजन में गुवाहाटी विश्वविद्यालय में आयोजित युवा उत्सव में भाग लेने वाले और विभिन्न पुरस्कार हासिल करने वाले सभी छात्रों को सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त संशोधन 2023 के तहत फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित

दक्षिण कामरूप/रंगिया/होजाई/धुबड़ी (विभास)। देशभर के साथ-साथ आज कामरूप निर्वाचन जिला में भी वर्ष 2023 की पहली जनवरी को आधार तिथि के रूप में लेते हुए फोटोयुक्त प्रारूप मतदाता सूची का आधिकारिक रूप से प्रकाशन किया गया। इस उपलक्ष्य में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा एक संबाद मेल का आयोजन किया गया। कामरूप जिला के एकीकृत उपायुक्त कार्यालय के सभागार में आयोजित इस संबाद मेल का संबोधन जिला के अतिरिक्त उपायुक्त ध्रुबज्योति दास और कामरूप के निर्वाचन अधिकारी मानसज्योति बोरा ने किया। उल्लेखनीय है कि आज प्रारूप मतदाता सूची के प्रकाशन से लेकर आगामी आठ दिसंबर तक दावा-आपत्तियां दाखिल की जा सकती है और आगामी 26 दिसंबर तक दावों और आपत्तियों के मुद्दों का निष्पादन किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची आगामी 5 जनवरी 2023 को जारी की जाएगी। मालूम हो कि कामरूप निर्वाचन क्षेत्र में चार विधानसभा क्षेत्र हैं जिनमें बोको, छयगांव, पलाशबाड़ी और हाजो शामिल हैं। आज जारी मसौदा मतदाता सूची के अनुसार बोको विधानसभा क्षेत्र में 1.15 फीसदी, छयगांव विधानसभा क्षेत्र में 1.26 फीसदी, पलाशबाड़ी विधानसभा क्षेत्र में 00.63 फीसदी और हाजो विधानसभा क्षेत्र में 1.24 फीसदी मतदाताओं की वृद्धि हुई है। जिले में कुल मतदाताओं की संख्या में 1.09 फीसदी मतदाताओं की वृद्धि हुई है। **रंगिया** से हमारे संवाददाता के अनुसार निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार देश के विभिन्न निर्वाचन क्षेत्र के साथ रंगिया जिला निर्वाचन क्षेत्र में भी फोटोयुक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त संशोधन, 2023 के तहत आज मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया गया। इस मौके पर रंगिया के महकमाधिपति कार्यालय के सभागार में एक बैठक का आयोजन कर रंगिया के महकमाधिपति तथा जिला निर्वाचन अधिकारी जावीर राहुल सुरेश ने यह मसौदा सूची प्रकाशित की। रंगिया महकमा निर्वाचन अधिकारी नील हरित कौशिक की उपस्थिति में जिला निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत 56 नंबर कमलपुर और 57 नंबर रंगिया विधानसभा क्षेत्र के मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया गया। इस मौके पर जिला निर्वाचन अधिकारी जावीर राहुल ने बताया कि प्रकाशित मसौदा सूची में जिला के अंतर्गत कुल मतदाताओं की संख्या 375061 है जिसमें 56 नंबर कमलपुर में कुल 178472 मतदाताओं का नाम शामिल है इसमें से पुरूष मतदाताओं की संख्या 90793 और महिला मतदाताओं की संख्या 87679 है। दूसरी ओर 57 नंबर रंगिया विधानसभा क्षेत्र में कुल 196589 मतदाताओं में 99121 पुरूष मतदाता और 97468 महिला मतदाता शामिल है। उन्होंने बताया कि मसौदा सूची में जिला निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत 80 साल से अधिक उम्र के कुल 3493 मतदाता है तथा 18 से 19 वर्ष के 2589 मतदाताओं के नाम शामिल है। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने फोटोयुक्त मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त संशोधन के कार्यक्रम के बारे में बताते हुए कहा कि मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन आज किया गया है। तथा आपत्ति और दावा दाखिल करने की अंतिम तिथि 8 दिसंबर, दावा और आपत्ति के निष्पादन की अंतिम तिथि 26 दिसंबर तथा मतदाता की अंतिम सूची का प्रकाशन 5 जनवरी 2023 को किया जाएगा। बैठक में रंगिया महकमा की निर्वाचन अधिकारी नील हरित कौशिक सहित महकमा निर्वाचन विभाग के कई अधिकारी, रंगिया तथ्य व जनसंयोग विभाग के अधिकारी, स्थानीय कई पत्रकार, विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि सहित बहुत से गणमान्य लोग उपस्थित थे। **होजाई** से हमारे संवाददाता के अनुसार होजाई जिला अधिकारी सिमनत कुमार दास एवं चुनाव अधिकारी जांगफर रंगपी के नेतृत्व में आज 2023 मतदाता मसौदा तालिका प्रकाशित कर सभा को संबोधित करते हुए जिला अधिकारी ने विभिन्न राजनीतिक दल कांग्रेस, भाजपा, लोक रक्षा पार्टी, असम गण परिषद तथा संवाददाताओं को सम्बोधित करते हुए जानकारी दी कि 2022 वोटर तालिका के अनुसार जमुनामुख विधानसभा क्षेत्र में पूरुष वोटर 115640 और महिला वोटर 109282, होजाई 91 नं. विधानसभा क्षेत्रों में पूरुष मतदाता 135672और महिला मतदाता 130611,लामडींग 92 नं. विधानसभा में कुल पूरुष मतदाता 108851 और महिला मतदाता कि संख्या 104866 है। होजाई जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों कि कुल मतदाता संख्या 704932 है। जो कि 2023 कि वर्तमान मतदाता मसौदा तालिका संख्या में मतदाताओं कि वृद्धि देखने को मिली ज्ञात हो कि 2023 मतदाता खचरा में जमुनामुख 90 नं, होजाई 91नं, लामडींग 92 नं विधानसभा में मतदाता संख्याओं में आंशीक रुप से वृद्धि हुई है जमुनामुख विधानसभा क्षेत्र में पूरुषो कि संख्या 118422 और महिलाओं कि संख्या 112018, थर्डजेंढर संख्या 6, होजाई विधानसभा क्षेत्र में पूरुषो कि संख्या 137835 महिला कि संख्या 133436, थर्डजेंढर संख्या 4 है तथा लामडींग विधानसभा क्षेत्रों में पुरषों कि संख्या 110758 साथ ही महिला कि संख्या 107145 एवं थर्डजेंढर संख्या 1 है। कुल जिला स्तर मतदाता संख्या 719625 है साथ ही संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि 2023 खचरा मतदाता तालिका में डी. वोटर संख्या जमुनामुख विधानसभा क्षेत्र में 304, होजाई विधानसभा क्षेत्र में 1638, लमडींग विधानसभा क्षेत्र में 335 मतदाता डी. वोटर है। उक्त सभा में राजनीतिक दल के ओर से सभा में उपस्थित रहे कांग्रेस के जिला सचिव नुर हुसैन, लोक रक्षा पार्टी अध्यक्ष राज गुप्ता, होजाई जिला लोक रक्षा पार्टी किसान मोर्चा के सभापति राजकिशोर भगत, असम गण परिषद के जिला सचिव महेंद्र दास सहित कई लोग उपस्थित रहे। **धुबड़ी** से हमारे संवाददाता के अनुसार भारत के निर्वाचन आयोग के निर्देश के अनुसार सभी विधानसभा क्षेत्र के साथ धुबड़ी, गौरीपुर और गोलकगंज विधानसभा क्षेत्र का भी फोटो युक्त वोटर तालिका के विशेष संशोधन प्रक्रिया आज से शुरू हो गया। धुबड़ी जिला उपायुक्त तथा जिला निर्वाचन अधिकारी दिवाकर नाथ ने आज जिला उपायुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित एक बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में धुबड़ी निर्वाचन जिला के तीनों विधानसभा क्षेत्र के लिए मतदाता सूची प्रकाशित किया। इस दौरान संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर उपायुक्त ने कहा कि आगामी 5 जनवरी 2023 को फाइनल मतदाता प्रकाशित प्रकाशित किया जाएगा। इसके लिए जनता आगामी 8 दिसंबर तक किसी भी आपत्ति को निर्दिष्ट फॉर्म के द्वारा आवेदन कर सकेंगे तथा आगामी 26 दिसंबर तक सभी आपत्तियों को सुधार किया जाएगा। आज प्रकाशित मतदाता सूची के अनुसार धुबड़ी विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाता 198159 हैं। इसमें पुरुषों की संख्या 101509 और महिलाओं की संख्या 96647 एवं तृतीय लिंग के 3 और *डी* वोटर 1921 शामिल हैं। वहीं गौरीपुर विधानसभा क्षेत्र में कुल 211177 मतदाता हैं जिसमें पुरुष 108739 और महिला 102436 एवं तृतीय लिंग के 2 और डी वोटर 2145 शामिल हैं। इसी तरह गोलकगंज विधानसभा क्षेत्र में कुल वोटरों की संख्या 206636 हैं, जिसमें पुरुष 106923 तथा महिला 99710 और तृतीय लिंग के 3 एवं *डी* वोटर 2350 हैं। इन तीनों विधानसभा क्षेत्र में कुल 615972 हैं। धुबड़ी निर्वाचन जिला में कुल 732 वोटर केंद्र हैं जिसमें धुबड़ी में 242 , गौरीपुर में 254 और गोलकगंज 236 है। आज संवाददाताओं से बातचीत करते हुए जिला उपायुक्त ने बताया कि धुबड़ी निर्वाचन जिले में कुल 87.35 प्रतिशत वोटरों को आधार कार्ड के साथ जोड़ा गया है।

20 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थ के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

एजल (हिंस)। मिजोरम पुलिस के नारकोटिक विभाग और असम राइफल ने संयुक्त रूप से अभियान चलाकर लोंगलाई जिला से भारी मात्रा में प्रतिबंधित मादक पदार्थ के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान लोंगलाई जिला के सियाइचुक इलाके से बीते मंगलवार को 70000 नशीला टेबलेट सहित दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। जब्त प्रतिबंधित पदार्थ का वजन 6 किलो 37 ग्राम बताया गया है। नशीला टेबलेट के अलावा पुलिस ने 342 ग्राम हेरोइन भी बरामद किया है। गिरफ्तार दोनों तस्कर मारुति कार के जरिए मादक पदार्थ की तस्करी कर रहे थे। हेरोइन को 25 साबुनदानी के अंदर छिपाकर लाया गया था। जब किए गए मादक पदार्थ की कीमत लगभग 20 करोड़ रुपए आंकी गई है। इस मामले में गिरफ्तार दोनों तस्करों को कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस को सौंप दिया गया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान सांगसुंगा और मारुति कार चालक लालहिम पूईया के रूप में की गई है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर तस्करों से सघन पूछताछ कर रही।

No. DMCH/ 23789

NOTICE

The following tenders are available for dounload at
http://dhubrimedicalcollege.in/

1. The Tender for the work — Printing and Supply of Formats, Banners for Dhubri Medical College & Hospital on Rate Contract Basis. Notice No. DCH/HMC/19-20/Printing/ 23770 Dt-07/11/2022.
2. The Tender for the work — Contract of Parking Stand at Dhubri Medical College & Hospital. Notice No. DMC&H/Accounts/Parking/22-23/ 23769 Dt- 07/11/2022

Principal cum Chief Superintendent
Dhubri Medical College & Hospital
Dhubri, Assam

-- Janasanyog /C/13566/22

जापान की मेजबानी में शुरू हुआ क्वाड देशों का नौसैनिक अभ्यास मालाबार

- भारत के युद्धपोत शिवालिक और कमोर्टा, पी-8आई विमान समुद्री युद्धाभ्यास में दिखाएंगे ताकत
- उद्घाटन समारोह में शामिल हुए भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के नौसैन्य अधिकारी

नई दिल्ली, (हि.स.)। चीन को हमेशा से परेशान करने वाला क्वाड समूह के देशों का बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास मालाबार बुधवार को जापान के योकोसुका में भव्य समारोह के साथ शुरू हो गया। जापान की मेजबानी में इस सालाना नौसैन्य अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए भारतीय नौसेना के दो युद्धपोत आईएनएस शिवालिक और कमोर्टा जापान में हैं। भारत के पी-8आई टोही विमान भी समुद्री युद्धाभ्यास में हिस्सा लेंगे। क्वाड्रीलैटरल सिक्योरिटी डायलॉग (क्यूयूएडी-क्वाड) समूह के चार देशों के इस संयुक्त अभ्यास को हिंद-प्रशांत में चीन की बढ़ती नौसैनिक शक्ति के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा कवच के रूप में देखा जा रहा है। जापान समुद्री आत्मरक्षा बल (जेएमएसडीएफ) की ओर से प्रमुख जहाज जेएस ह्यूगा पर एक उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। भारतीय नौसेना की ईस्टर्न फ्लीट के कमांडर रियर एडमिरल संजय भल्ला ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया, जिसमें आईएनएस शिवालिक और कामोर्टा के चालक दल शामिल थे। जापानी नौसेना के कमांडर इन चीफ वाइस एडमिरल युसा हिदेकी, यूएस नेवी सेवेंथ फ्लीट के कमांडर वाइस एडमिरल कार्ल थॉमस और ऑस्ट्रेलियन फ्लीट के कमांडर रियर एडमिरल जोनाथन अर्ली ने भी अपनी-अपनी नौसेनाओं के कर्मियों के साथ समारोह में भाग लिया। चारों देशों के साथ मालाबार अभ्यास का यह 26वां संस्करण नवंबर तक होगा। भारतीय नौसेना के दो युद्धपोत आईएनएस शिवालिक और कमोर्टा 02 नवम्बर को ही जापान पहुंच गए थे। भारत के पी-8आई समुद्री टोही विमान भी मालाबार युद्धाभ्यास में हिस्सा लेंगे। इस साल मालाबार एक्सरसाइज का मुख्य उद्देश्य एंटी-सबमरीन वॉरफेयर ड्रिल है।

भारत के इन दोनों जहाजों ने 06 नवम्बर को जापानी अंतरराष्ट्रीय फ्लीट रिव्यू (आईएफआर) में भी भाग लेकर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर चुके हैं। भारतीय नौसेना के बैंड और मार्चिंग दल ने अन्य नौसेनाओं के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया। पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर जापान गए नौसेनाध्यक्ष एडमिरल आर हरि कुमार भी आईएफआर में शामिल हुए थे। नौसेना प्रमुख ने 07-08 नवंबर को योकोहामा में 18वीं पश्चिमी प्रशांत नौसेना संगोष्ठी (डब्ल्यूपीएनएस) में पर्यवेक्षक के रूप में हिस्सा लिया। चारों देशों के वरिष्ठ नौसेना अधिकारियों ने योकोसुका में आईएफआर से संबंधित कार्यक्रमों में भाग लेकर उच्च स्तरीय द्विपक्षीय रक्षा संबंधों पर चर्चा की है।

आरटीआई के दुरूपयोग से सावधान रहने की आवश्यकता : लोक सभा अध्यक्ष

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कहा कि सूचना का अधिकार कानून (आरटीआई) ने सूचना के त्वरित आदान प्रदान एवं पारदर्शिता के साथ भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया है, किंतु इसके दुरुपयोगों से भी सावधान रहने की आवश्यकता है। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज विज्ञान भवन में आयोजित केन्द्रीय सूचना आयोग के 15 वें वार्षिक अधिवेशन के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की तथा सभा को सम्बोधित किया। इस अवसर पर बिरला ने केन्द्रीय सूचना आयोग की सराहना करते हुए कहा कि जन कल्याण एवं पारदर्शिता के मूल्यों का परिचय देते हुए सूचना आयोग ने सूचना का अधिकार अधिनियम द्वारा लोकतंत्र को सशक्त किया है। उन्होंने आगे कहा कि 75 वर्ष की लोकतान्त्रिक यात्रा में देश ने सामाजिक आर्थिक परिवर्तन के नए कीर्तिमान स्थापित किये हैं। विधि निर्माण का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि जन कल्याण के मूल्यों तथा जनादेश के आधार पर केंद्र एवं राज्य स्तर पर विधि संस्थाओं ने जनता को अधिकार दिलाने में व्यापक कार्य किया है और शासन-प्रशासन की जवाबदेही एवं पारदर्शिता सुनिश्चित की है। लोकसभा अध्यक्ष ने सूचना का अधिकार अधिनियम से आने वाले व्यापक परिवर्तन का उल्लेख करते हुए सूचित किया कि इ गवर्नेंस, सूचना के त्वरित आदान प्रदान एवं ग्रामीण स्तर तक आने वाली पारदर्शिता ने भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया है तथा विधि शासन को मजबूत किया है। उन्होंने आगे कहा की प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन में भ्रष्टाचार मुक्त भारत की बड़ी भूमिका है, जो कि जन भागीदारी के आधार पर सुनिश्चित की जा रही है। बिरला ने जनता के शासन प्रशासन पर बढ़ते विश्वास का उल्लेख करते हुए कहा कि आरटीआई से जुड़े त्वरित जानकारी एवं पारदर्शी कार्यान्वयन से जनता का विश्वास सशक्त हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार भ्रष्टाचार मुक्त भारत की दिशा में उठे कदम से पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति को लाभ मिला है। अपने सम्बोधन में बिरला ने आरटीआई के दुरुपयोग से सावधान रहने पर जोर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि आरटीआई दाखिल करने वाले की मंशा का अध्ययन करना आवश्यक है तथा ऐसे कदमों से और अधिक पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकती है। अंत में उन्होंने आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य पर आयोजित इस अधिवेशन में सभी हितधारकों को सार्थक चर्चा संवाद के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विज्ञान प्रधान मंत्री कार्यालय, कार्मिक, जनशिकायत एवं पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने भी भाग लिया। मुख्य सूचना आयुक्त यशवर्धन कुमार सिन्हा ने स्वागत सम्बोधन प्रस्तुत किया।

संघ प्रमुख भागवत 14 नवंबर को करेंगे दिलीप सिंह जूदेव की प्रतिमा का अनावरण

रायपुर, (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत छत्तीसगढ़ के जशपुर में 14 नवंबर को दिवंगत दिलीप सिंह जूदेव की आदमकद प्रतिमा का अनावरण करेंगे। डॉ. भागवत के आगमन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गयी हैं। अनावरण कार्यक्रम में एक लाख लोगों के एकत्रित होने का अनुमान है। दिवंगत जूदेव भाजपा के कद्दावर नेता रहे हैं और जशपुर इलाके में घर वापसी कार्यक्रम के जनक माने जाते हैं। गुजरात के नर्मदा जिले के केवड़िया में स्थित 182 मीटर ऊंची स्टैच्यू आफ यूनिटी बनाने वाले प्रसिद्ध मूर्तिकार राम सुतार ने ही दिलीप सिंह जूदेव की मूर्ति बनाई है। संघ के स्थानीय पदाधिकारियों के अनुसार सरसंघचालक डॉ. भागवत 13 नवम्बर की शाम को जशपुर आ जाएंगे। इस अवसर पर वे जशपुर में कई कार्यक्रमों में शामिल होंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार 13 नवंबर को जशपुर आगमन के अगले दिन 14 नवंबर को दोपहर 12 बजे सरसंघचालक बिरसामुंडा चौक पर भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे। यहां से शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें जनजाति समाज के लोगों के साथ शहरवासी शामिल होंगे। शोभायात्रा बिरसामुंडा चौक से निकलकर शहर की मुख्य सड़क से होते हुए कार्यक्रम स्थल रणजीता स्टेडियम के पास पहुंचेगी। डॉ. भागवत रणजीता स्टेडियम तिराहे पर बनी दिलीप सिंह जूदेव की आदमकद प्रतिमा का अपराह्न 02 बजे अनावरण करेंगे। इसके बाद डॉ. भागवत वनवासी कल्याण आश्रम की तरफ आयोजित जनजाति गौरव दिवस कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। अपराह्न 2:30 से 4:30 बजे के बीच यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। शाम को कल्याण आश्रम परिसर में लगने वाली संघ की शाखा में डॉ. भागवत शामिल होंगे।

मुंबई में तकनीकी खराबी से लोकल ट्रेन का आवागमन प्रभावित

मुंबई, (हि. स.)। तकनीकी खराबी की वजह से बुधवार को मुंबई की 'लाइफ लाइन' मध्य और पश्चिम रेलवे की लोकल ट्रेनों का आवागमन प्रभावित हो गया है। लोकल ट्रेनें काफी देरी से चल रही हैं। इस रेल यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पश्चिम रेलवे में अंधेरी और जोगेश्वरी के बीच सिग्नल सिस्टम में खराबी के कारण यह नौबत आई है। पश्चिम रेलवे की तकनीकी टीम खराबी दूर करने का प्रयास कर रही है। इस खराबी की वजह से दोनों रूट पर अप और डाउन फास्ट लोकल ट्रेनों को धीमी गति से चलाया जा रहा है। पश्चिम रेलवे के प्रवक्ता ने कहा कि कोशिश की जा रही है कि जल्द से जल्द स्थिति सामान्य हो। मध्य रेलवे में कल्याण ओर सीएसएमटी स्टेशन के बीच तकनीकी खराबी की वजह लोकल ट्रेन सेवा प्रभावित है। सुबह से गाड़ियां आधे घंटे से ज्यादा देरी से चल रही हैं। मध्य रेलवे के प्रवक्ता ने बताया कि जल्द ही लोकल सेवा नार्मल कर ली जाएगी।

जी20 लोगो पर राजनीति, कांग्रेस ने कहा, मोदी-भाजपा खुद को बढ़ावा देने का कोई मौका नहीं गंवाएंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत की अध्यक्षता में जी20 के लोगो में कमल के इस्तेमाल की कांग्रेस ने आलोचना की है। पार्टी ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा बेशर्मी के साथ खुद को बढ़ावा देने का कोई मौका नहीं गंवाते हैं। जयराम रमेश ने ट्वीट कहा कि 70 साल पहले पंडित नेहरू ने कांग्रेस के झंडे को भारत का झंडा बनाने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। अब, भारत के जी20 के अध्यक्ष पद के लिए भाजपा का चुनाव चिन्ह आधिकारिक लोगो बन गया है। यह स्तब्ध करने वाला है। हम जानते हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा बेशर्मी से खुद को बढ़ावा देने का कोई मौका नहीं गंवाएंगे।

लोगो पर हो रही राजनीति पर केन्द्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को प्रधानमंत्री मोदी को ध्यान से सुनना चाहिए कि कमल जी20 लोगो का हिस्सा क्यों है। यह भारत की प्राचीन विरासत, विश्वास और विचार का प्रतीक है - ऐसे कठिन समय में आशा का प्रतीक। यह युद्ध से मुक्ति के लिए भगवान बुद्ध का संदेश और हिंसा की स्थिति में महात्मा गांधी का समाधान है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को जी20 अध्यक्षता के दौरान इसका लोगो और थीम जारी किया था। इस लोगो में जी20 के नीचे कमल बना हुआ है। वहीं भाजपा का चुनाव चिन्ह भी कमल का फूल है।

डीसीडब्ल्यू ने सामूहिक बलात्कार की पीड़िता के परिवार की सुरक्षा मामले में स्वतः संज्ञान लिया

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने सामूहिक बलात्कार की 19 वर्षीय पीड़िता के परिवार की सुरक्षा मामले में स्वतः संज्ञान लिया है । लड़की छावला, दिल्ली की निवासी थी और उसका 2012 में कुतुब विहार से अपहरण कर लिया गया था। उसका मृत शरीर अपहरण के तीन दिन बाद हरियाणा में क्षत-विक्षत अवस्था में पाया गया था। बेरहमी से हत्या करने से पहले लड़की के साथ अत्यंत क्रूरता की गयी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया, उसकी आंखों में तेजाब डाला गया, उसके गुप्तांगों में कांच की बोतल डाली गई, उसे सिगरेट और लोहे की रॉड से जलाया गया और अंत में उसकी हत्या कर दी गई। 2014 में निचली अदालत ने आरोपित व्यक्तियों को दोषी ठहराया और उन्हें मौत की सजा दी। उच्च न्यायालय दिल्ली ने भी इस मामले को दुर्लभतम मामला मानते हुए फैसले को बरकरार रखा। सर्वोच्च न्यायालय ने मामले की जांच और परीक्षण पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है और कुछ अन्य चूकों के साथ अपर्याप्त साक्ष्य और अनुचित जांच का हवाला देते हुए सभी तीन अभियुक्तों को बरी कर दिया है। दिल्ली पुलिस को जारी नोटिस में डीसीडब्ल्यू ने कहा है कि मामला बेहद संवेदनशील है और इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि अपराधी खुले घूम रहे हैं, मृतक लड़की के परिवार के सदस्यों को तुरंत उच्च स्तरीय सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। डीसीडब्ल्यू ने पुलिस से मामले में की गई कार्रवाई की रिपोर्ट मांगी है और पुलिस से पीड़िता के परिवार के सदस्यों को मुहैया कराई गई सुरक्षा की जानकारी देने को कहा है। दिल्ली पुलिस को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए अन्य कदमों के बारे में 48 घंटों में डीसीडब्ल्यू को सूचित करने के लिए भी कहा गया है। स्वाति मालीवाल ने कहा, ह्लमैं उस जघन्य अपराध और मामले की प्रगति से बहुत दुखी हूं, जिसके कारण अंततः मृतका और उसके परिवार को न्याय से वंचित होना पड़ा।

दिल्ली एनसीआर, उत्तर-पूर्वोत्तर राज्यों में महसूस किए गए भूकंप के तेज झटके, नेपाल में 6 लोगों की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेपाल में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.9 मापी गई है। भूकंप की वजह से हुए हादसों में अब तक 6 लोगों की मौत हो चुकी है। इससे पहले 6.3 की तीव्रता वाला भूकंप आया था। भूकंप के ताबड़तोड़ झटके आने के बाद से लोगों में दहशत फैल गई है। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर और पूर्वी भारत के कुछ हिस्सों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। नेपाल के नेशनल सिस्मोलॉजिकल सेंटर के अनुसार, पिछले 24 घंटे में 2 बार भूकंप आ चुके हैं, जबकि एक बार आफ्टरशॉक महसूस किया गया है। नेपाल के नेशनल सिस्मोलॉजिकल सेंटर के मुताबिक, नेपाल में पिछले 24 घंटे में दो बार भूकंप आ चुका है। इसके साथ ही एक बार आफ्टरशॉक भी महसूस किए गए हैं। एसएससी के अनुसार भूकंप के ये झटके सुदूर पश्चिमी क्षेत्र में महसूस किए गए हैं। भूकंप जनित हादसों में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। देश की राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में आधी रात के बाद 1:57 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए थे। नेपाल में 3:15 बजे भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। दिल्ली-एनसीआर के साथ ही उत्तर प्रदेश और बिहार के कुछ इलाकों में भी धरती में कंपन महसूस किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट कर कहा लखनऊ, नोएडा सहित प्रदेश के कई हिस्सों में भूकंप के तेज झटके देर रात महसूस किए गए। मैं सभी प्रदेशवासियों एवं बिहारवासियों के सकुशल होने की प्रभु श्री राम से कामना करता हूं! शुरूआत में नेपाल के डोती जिले में भूकंप के कारण एक मकान जमींदोज होने की वजह से 3 लोगों के मारे जाने की खबर सामने आई थी। इसके बाद अधिकारियों ने बताया कि प्राकृतिक आपदा में पश्चिमी नेपाल में 5 लोगों की मौत हो गई है।

पंजाब में आनंद मैरिज एक्ट लागू

- हिंदू एक्ट के अंतर्गत सर्टिफिकेट मान्य नहीं

चंडीगढ़ (ईएमएस)। पंजाब सरकार ने गुरुनानक देव जी के 553 वें प्रकाश पर्व पर पंजाब में आनंद मैरिज एक्ट को पूर्ण रूप से लागू किए जाने की घोषणा की है। सिख समुदाय के लोग अपने विवाह का मैरिज सर्टिफिकेट आनंद मैरिज एक्ट के तहत प्राप्त कर सकेंगे। यह घोषणा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने, मंगलवार को केशगढ़ साहिब में की। मुख्यमंत्री ने कहा गुरुद्वारा साहिब से जारी सर्टिफिकेट को अब प्रमाणित माना जाएगा। पंजाब में 2016 में शिरोमणि अकाली दल की सरकार ने इस एक्ट का नोटिफिकेशन जारी किया था। लेकिन नियम नहीं बनने से यह है पंजाब में लागू नहीं किया गया था। अब इस एक्ट को लागू करने का काम भगववंत सिंह मान की सरकार कर दिया है। पंजाब के एडवोकेट फूला सिंह ने कहा कि एक्ट से सिखों को अलग पहचान मिलेगी। अभी तक सिखों की शादी के जो सर्टिफिकेट जारी होते हैं।

वह हिंदू एक्ट के अंतर्गत जारी होते हैं। अब आनंद मैरिज एक्ट के तहत जारी होंगे। इससे अब सिखों की अलग पहचान हो सकेगी।

सीमा की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने में सेना की भूमिका को रक्षा मंत्री ने सराहा

नई दिल्ली, (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दिल्ली में चल रही आर्मी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस के तीसरे दिन भारतीय सेना के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बातचीत की। उन्हें सेना के शीर्ष नेतृत्व ने मौजूदा उभरती सुरक्षा और प्रशासनिक चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। रक्षा मंत्री ने देश के सबसे भरोसेमंद संगठनों में से एक भारतीय सेना के प्रति देश के नागरिकों के विश्वास को दोहराया। उन्होंने देश की सीमाओं की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने के अलावा जरूरत पड़ने पर नागरिक प्रशासन को सहायता देने में सेना की भूमिकाओं को सराहा। सेना के कमांडर राष्ट्र की सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए 06 नवम्बर से नई दिल्ली में इकठ्ठा हुए हैं। इस दौरान भारतीय सेना का शीर्ष नेतृत्व मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य और वर्तमान सुरक्षा तंत्र के लिए चुनौतियों के सभी पहलुओं पर व्यापक विचार-विमर्श कर रहा है। इसी आधार पर भारतीय सेना के लिए भविष्य की रूपरेखा तय की जानी है। इसके अलावा सम्मेलन में संगठनात्मक पुनर्गठन, रसद, प्रशासन, मानव संसाधन प्रबंधन, स्वदेशीकरण के माध्यम से आधुनिकीकरण और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को शामिल करने से संबंधित मुद्दों पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। इसी क्रम में सम्मेलन के तीसरे दिन आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय सेना के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ बातचीत की। उन्हें भारतीय सेना की भविष्य के लिए जरूरतों और योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। रक्षा मंत्री ने देश के सबसे भरोसेमंद और प्रेरक संगठनों में से एक भारतीय सेना के प्रति नागरिकों के विश्वास को दोहराया। राजनाथ सिंह ने देश की सीमाओं की रक्षा करने और आतंकवाद से लड़ने के अलावा नागरिक प्रशासन की सहायता करने में सेना की निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। रक्षा मंत्री ने उच्च स्तर की परिचालन तैयारियों और क्षमताओं के लिए रक्षा बलों की सराहना की, जिसका अनुभव उन्होंने हमेशा सीमावर्ती क्षेत्रों की अपनी यात्राओं के दौरान किया है। उन्होंने प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों सहित नागरिक उद्योगों के सहयोग से विशिष्ट प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए सेना के प्रयासों और 'स्वदेशीकरण के माध्यम से आधुनिकीकरण' या 'आत्म-निर्भरता' के उद्देश्य की दिशा में प्रगति की भी सराहना की। रक्षा मंत्री ने सुरक्षा और राष्ट्रीय संप्रभुता सुनिश्चित करने के लिए उच्च परिचालन तत्परता बनाए रखने के लिए भारतीय सेना की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें भारतीय सेना और उसके नेतृत्व और पूर्ण विश्वास और भरोसा है। उन्होंने कहा कि हमें किसी भी परिचालन आकस्मिकताओं के लिए तैयार रहना चाहिए, इसलिए परिचालन की तैयारी हमेशा अपने उच्च स्तर पर होनी चाहिए।

एमसीडी चुनावों में जीतने के लिए आम आदमी पार्टी ने विधायकों को दिए टिप्स

नई दिल्ली (ईएमएस)। आम आदमी पार्टी ने अपने विधायकों को निर्देश दिया कि वे दिल्ली के हर नागरिक से जुड़ें और गंभीरता से उनकी समस्याओं को सुनें। पार्टी ने एमसीडी चुनाव को लेकर मंगलवार को 'कूड़े पर जनसंवाद' अभियान की शुरूआत की। साथ ही कचरे के निस्तारण में कुप्रबंधन का आरोप लगाते हुए भाजपा पर निशाना साधा। पार्टी ने कहा भाजपा दिल्ली को कूड़ेदान में बदलना चाहती है। पार्टी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि उसने अपने सभी विधायकों को जनसंवाद अभियान की निगरानी करने और कचरे की समस्या पर लोगों में जागरूकता फैलाने निर्देश दिए हैं। बैठक में 250 वार्डों में होने वाले चुनाव के लिए पदाधिकारियों को विभिन्न स्तरों पर जिम्मेदारियां सौंपी गईं। उपमुख्यमंत्री सिसोदिया और पार्टी की राज्य इकाई के संयोजक गोपाल राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्टी की विकेंद्रीकृत रणनीति और एमसीडी से जुड़े अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। पार्टी ने 'कूड़े पर जनसंवाद' अभियान के दौरान लोगों में दिल्ली में कचरे के ढेर को लेकर जागरूकता पैदा करने का निर्देश दिया। बैठक में दिल्ली में प्रतिदिन 500 से अधिक जनसंवाद बैठकें आयोजित करने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। सभी कार्यकताओं को निर्देश दिया गया कि वे जमीनी स्तर पर दिल्ली वासियों से जुड़ें और उनकी समस्याओं पर गौर करें। पार्टी की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक 20 नवंबर तक दिल्ली के 13,682 बूथों में से हर एक पर जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन होगा। 4 दिसंबर को होने वाले निकाय चुनावों को मोटे तौर पर भाजपा, आप और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबले के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली नगर निगम चुनावों में उतरने के लिए भाजपा को 15,000 से अधिक दावेदारों के नाम की सिफारिश और बायोडाटा मिले हैं। मालूम हो कि एमसीडी के 250 वार्डों के लिए चुनाव चार दिसंबर को होगा जबकि मतों की गिनती सात दिसंबर को होगी। पार्टी सूत्रों का कहना है कि पर्यवेक्षकों की टीमों ने दो दिन तक स्थानीय भाजपा नेताओं के साथ बैठकें करके संभावित उम्मीदवारों के बारे में जानकारी जुटाई है।

मुख्यमंत्री योगी ने बनाया पूरे प्रदेश को उत्तम प्रदेश: हेमा मालिनी

मथुरा, (हि.स.)। सांसद हेमामालिनी ने आझई गांव में बुधवार को आयोजित एक जनसभा में कहा कि जिले के विकास के साथ-साथ पूरे उत्तर प्रदेश के विकास का पूरा श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है। उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने वाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ही है, जिन्होंने सर्वाधिक विकास उत्तर प्रदेश में करवाया है। छाता तहसील के आझई गांव में बुधवार पूर्वान्ह प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस्कॉन वेदांता द्वारा बनाए गए कृष्ण बलराम मंदिर का लोकार्पण एवं उद्घाटन फीता काटकर किया। डेयरी प्लांट का भी उदघाटन उनके हाथ हुआ है। डेयरी प्लांट में 25 हजार दूध प्रतिदिन उत्पादित होगा। इस दौरान आयोजित सभा का सम्बोधन सांसद हेमा मालिनी ने राधे-राधे और हरे कृष्ण महामंत्र के जप के साथ किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सनातन संस्कृति की स्थापना में बहुत योगदान दिया है। मथुरा-वृंदावन में विकास हो रहा है। जल्द ही यमुना शुद्धिकरण का काम शुरू होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस्कॉन से मेरा 30 से अधिक साल का नाता है। इस्कॉन के भक्तों ने ही ब्रज का पहली बार दर्शन करवाया और लीलाओं की जानकारी दी। नृत्य प्रस्तुतियों में मैं श्रीकृष्ण की लीलाओं को अभिनय के रूप में उतारने की कोशिश करती हूं।

आज कान्हा की धरा पर पहली बार महारास करेंगी हेमा - सांसद, फिल्म अभिनेत्री और प्रख्यात नृत्यांगना हेमामालिनी पहली बार कान्हा की धरा पर महारास प्रस्तुत करेंगी। उनके द्वारा अभिनीत ब्रज कार्तिक रास महोत्सव का आयोजन बुधवार को जवाहरबाग में होगा। मंगलवार को सीएम योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में महारास होना था, लेकिन वर्षा के कारण कार्यक्रम स्थगित करना पड़ा। बुधवार को यह कार्यक्रम शाम सात बजे से होगा। मुंबई के कलाकारों के साथ प्राकृतिक छटा के बीच हेमा मालिनी जब भगवान श्रीकृष्ण, राधा और उनके गोपिकाओं के प्रिय महारास का मंचन करेंगी।

डेंगू के बढ़ते प्रकोप और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

वाराणसी, (हि.स.)। शहर में डेंगू के बढ़ते प्रकोप और स्वास्थ्य व्यवस्था में लापरवाही के विरोध में बुधवार को कांग्रेस के कार्यकताओं ने दुर्गाकुंड कबीर नगर स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय का घेराव कर जमकर प्रदर्शन किया। कार्यकताओं के प्रदर्शन की जानकारी पाते ही पुलिस अफसर भी मौके पर पहुंच गये। कार्यकताओं ने प्रदर्शन के बाद अपनी मांगों का ज्ञापन सीएमओ के प्रतिनिधि अफसर को सौंपा। इस दौरान प्रदर्शन में शामिल पूर्व विधायक और कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष अजय राय ने प्रदेश सरकार पर जमकर निशाना साधा। पूर्व विधायक अजय राय ने आरोप लगाया कि कोविड काल में जैसे इंजेक्शन के लिए मारामारी थी, वैसे ही आज प्लेटलेट्स के लिए लूट मची है। उन्होंने कहा कि डेंगू के मरीजों के लिए सरकारी अस्पतालों में जगह नहीं है और प्राइवेट अस्पतालों में लूट मची है। यह हालात केवल वाराणसी की ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश की है। सरकारी व्यवस्थाएं ध्वस्त हो गई हैं। कार्यकताओं ने दुगार्कुंड पुलिस चौकी से सीएमओ कार्यालय तक पदयात्रा कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसमें महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे,पूर्व जिलाध्यक्ष प्रजानाथ शर्मा आदि भी शामिल रहे।

सीतापुर सड़क हादसे में हुई दो लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री योगी ने जताया दुख

सीतापुर, (हि.स.)। जिले में हुए सड़क हादसे में लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपनी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने सीतापुर में सड़क हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है। इसके साथ ही जिलाधिकारी और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर जाकर राहत कार्य को युद्धस्तर पर कराने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय है कि रामकोट थाना क्षेत्र के लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राज्यमार्ग-24 पर एक सड़क हादसा हुआ। हादसे में बाइक सवार दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि कार बेकाबू होकर पुल की रेलिंग तोड़ती हुई 40 फीट नीचे नदी में जा गिरी। कार में सवार महिला सहित दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नए मतदाता बनने के लिए चुनाव आयोग ने निकाला वॉकाथन

-लखनऊ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रों ने की भागीदारी

लखनऊ, (हि.स.)। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में नए मतदाता बनने और मतदान सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर चुनाव आयोग ने बुधवार को राजधानी लखनऊ में वॉकाथन का आयोजन किया। लखनऊ विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रों ने भी इसमें भागीदारी की। मतदान सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार कराने एवं जनजागरुकता के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर आज प्रातः सात बजे लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम से अटल चौक हजरतगंज तक उप्र मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा वॉकाथन का आयोजन किया गया। इस पदयात्रा में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी चंद्रशेखर एवं कार्यालय के अन्य अधिकारियों, जिला प्रशासन के अधिकारीयों, लखनऊवासियों एवं बड़ी संख्या में नवयुवकों ने प्रतिभाग किया। इस वॉकाथन से मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया गया।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट में औचक निरीक्षण किया, कई कर्मचारी अनुपस्थित मिले

-सीआरए सेक्शन में कर्मचारियों को अनुपस्थित देख अनुशासनात्मक कार्यवाही का दिया निर्देश,बोले,कर्मचारी समय से कार्यालय आयें

वाराणसी, (हि.स.)। जिलाधिकारी एस राजलिंगम बुधवार को पूर्वाह 10 बजे कलेक्ट्रेट में धमक पड़े। कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर कलेक्टर कार्यालय पहुंचे जिलाधिकारी ने औचक निरीक्षण के दौरान एक-एक कर सभी कार्यालय में जाकर जांच की। डीएम ने कर्मचारियों से उनके पद व कार्य के बारे में पूछताछ की। कार्यालय में साफ सफाई की व्यवस्था देख कर नाराजगी जताई और मौके पर नाजिर से सफाई पर कई सवाल दाग दिए जिसका वे जवाब नहीं दे सके। नजारत के रिकॉर्ड रूम का मुआयना करते हुए ईआरके से रिकार्ड सम्बन्धी बस्तों के रख रखाव और उसपर जमी धूल पर सवाल भी पूछे। बस्तों पर लगे लेबल को देख कर तीस साल पुराने रिकार्डस का डिस्पोजल/बीड आउट कराने का निर्देश एडीएम फाइनेंस को दिया और राजस्व रिकार्ड के डिजिटलाइजेशन कराने को कहा। कलेक्ट्रेट कार्यालय का भ्रमण करते उनकी नजर टूटी हुई कुर्सी ,लकड़ी को बरामदे रखे स्थान पर पड़ गई। इस पर जिलाधिकारी नाराज हुए और पूछा कि ये यहां पर क्यों पड़ा है? बेकार है तो डिस्पोज क्यों नहीं हुआ। कलेक्ट्रेट स्थित जन्म-मृत्यु रिकॉर्ड रूम पहुंचे डीएम ने निरीक्षण के दौरान बस्ता खुलवा कर अभिलेखों को देखा। इसके पश्चात अभिलेखागार फौजदारी दोयम का निरीक्षण किया। आरआरके से राजस्व रिकार्ड की नकल देने की प्रक्रिया में लगने वाले समय और अर्जेंट नकल देने की फीस आदि के बारे में सवाल-जवाब किया। एडीएम फाइनेंस को रिकॉर्ड के बेहतर रखरखाव के बारे में प्लान तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने डिप्टी कलेक्टर राजस्व के कार्यालय का निरीक्षण किया जहां पर पेशकार के अनुपस्थित रहने पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सीआरए सेक्शन के काशी नाथ, आशा अफजल, उमेश, प्रणय भट्टाचार्य, बेचू व नेहा बहादुर बिल क्लर्क दिनेश, आनन्द तिवारी के अनुपस्थित रहने पर इन सबके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए। निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने लोक शिकायत अनुभाग का जायजा लिया। इसके अतिरिक्त अपर जिलाधिकारी प्रोटोकॉल, एडीएम सिटी, सीआरओ, रजिस्ट्री, एसीएम प्रथम,एसीएम द्वितीय कार्यालय का भी निरीक्षण किया। डीएलआरसी कार्यालय का निरीक्षण करने के बाद रिकार्ड रूम में चकबन्दी बस्तों के रखरखाव का भी जायजा लिया। जिलाधिकारी ने कार्यालयों के निरीक्षण के समय टूटी कुर्सी पर बैठ कर काम करते कर्मचारियों को देख कर कहा कि टूटी कुर्सी पर बैठ कर काम करने से वैसे ही आपके आचार विचार होंगे, यह अच्छी बात नहीं है। इसका ध्यान रखें। निरीक्षण के दौरान एडीएम सिटी, एडीएम फाईनेंस, एसीएम व अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

यूपी कालेज में छात्रों ने हंगामा कर दिया धरना, मजार में निर्माण कार्य का विरोध

- मौके पर पहुंचे पुलिस अफसर, छात्रों को समझाया

वाराणसी, (हि.स.)। यूपी कालेज परिसर स्थित मजार में निर्माण कार्य के विरोध में बुधवार को छात्रों ने मुख्य गेट बंद कर जमकर धरना दिया। छात्रों के विरोध प्रदर्शन और धरना की जानकारी पर शिवपुर पुलिस के साथ अफसर भी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गये। अफसरों ने छात्रों को समझाने बुझाने के बाद कालेज का मुख्य गेट खोलवाया। इस दौरान छात्रसंघ के महामंत्री कुश सिंह और उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह के नेतृत्व में छात्रों ने अफसरों को अपनी मांगों का ज्ञापन भी सौंपा। धरना दे रहे छात्रों का आरोप था कि शिक्षण संस्थान में जबरदस्ती कुछ अराजक तत्व एक छोटी सी मजार को मस्जिद का रूप देने के लिए आये दिन ईंट, बालू, सीमेंट इकठ्ठा करते है। और रात्रिकाल में निर्माण का कार्य करते है। छात्रों ने कई बाद इस कार्य पर उन्हें टोका तो वे मारपीट पर उतर जाते हैं। कालेज प्रशासन को भी इसकी सूचना दी गई है। कालेज के सुरक्षा कर्मियों ने भी रोक टोक किया तो अराजक तत्वों ने उनसे भी झगड़ा किया। रोक टोक के बावजूद आज फिर अराजक तत्वों ने रात्रि में ट्रैक्टर से ईंट,बालू,सीमेंट गिराया। छात्रों ने आरोप लगाया कि फिर विरोध करने पर मामले को साम्प्रदायिक रूप देने की कोशिश की गईं। छात्रों ने जिलाधिकारी और पुलिस कमिश्नर से मांग किया कि इस मामले की जांच कराकर अराजक तत्वों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जाय।

स्वास्थ्य मंत्री की पत्नी मानगो नगर निगम में मेयर पद का लड़ेंगी चुनाव

जमशेदपुर (हि.स.)। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता की पत्नी सुधा गुप्ता जमशेदपुर के मानगो नगर निगम में मेयर पद का चुनाव लड़ेगी। इसका खुलासा उन्होंने खुद मानगो में हुए कार्यक्रम के दौरान किया है। उन्होंने कहा कि वे मानगो की जनता की सेवा कर रहे है और वे व्यस्त है इसलिए उनकी पत्नी अब मेयर बनकर लोगों की सेवा करेगी। जनता इसकी मालिक है कि किसे मेयर बनाना है और किसे नहीं। इधर, स्थानीय लोगों में इस बात का रोष है कि मेयर मानगो का ही होना चाहिए, ताकि वह स्थानीय लोगों की समस्या से रूबरू हो सके जबकि स्वास्थ्य मंत्री की पत्नी कदमा की रहने वाली है। इसका भी जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वे जब इधर के है तो उनकी पत्नी भी इधर की ही है।

चतरा पुलिस पर पथराव मामले में 300 अज्ञात पर प्राथमिकी दर्ज

चतरा, (हि.स.)। चतरा पुलिस पर पथराव और मारपीट मामले में सदर थाना में 90 नामजद समेत 300 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। ड्यूटी के दौरान पुलिसकर्मी पर जानलेवा हमला करने, वाहनों को क्षतिग्रस्त कर लूटपाट करने समेत कई अन्य आरोप हैं। मामले में वायरल वीडियो के आधार पर पुलिस ने चार दर्जन लोगों को गिरफ्तार किया है। चतरा एसपी राकेश रंजन ने बताया कि दोषी बख्शे नहीं जाएंगे। उन्होंने आम लोगों से गैर कानूनी मामलों में संलिप्त नहीं होने की अपील की है। मामले की अनुसंधान के बाद प्राथमिकता के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। एसपी और एसडीपीओ घायल एएसआई और जवानों से मिलने सदर अस्पताल पहुंचे। सिविल सर्जन डॉ श्याम नंदन सिंह को बेहतर इलाज का निर्देश दिया गया। गंभीर रूप से जख्मी एएसआई शशिकांत ठाकुर को हजारीबाग रेफर कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि सदर थाना क्षेत्र के चंगेर गांव में बीते मंगलवार सुबह एक ऑटो की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गयी जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद वाहन लेकर भाग रहे चालक को ग्रामीणों ने पकड़कर बंधक बना लिया, जिसे छुड़ाने पहुंची पुलिस के साथ भी ग्रामीणों की झड़प हो गई। आक्रोशित भीड़ ने कथित तौर पर एक एएसआई की वर्दी उतरवाकर जमकर पिटाई की। बाद में ग्रामीणों को समझाने पहुंचे वरिष्ठ अधिकारियों पर भी कथित तौर पर हमला किया और पुलिस वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना में पुलिसकर्मियों समेत कई ग्रामीण घायल हुए हैं।

विशेष मतदाता सूची संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत निकाली गई साईकल रैली

रामगढ़, (हि.स.)। मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत बुधवार को रामगढ़ में साइकिल रैली निकाली गई। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा के निर्देश पर "पेडल फॉर पार्टिसिपेटिंग इलेक्शन" विषय पर साइकिल रैली एवं "स्टेप फॉर पार्टिसिपेटिंग इलेक्शन" विषय पर वकाथोन का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त माधवी मिश्रा, उप सचिव, मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग प्रदीप कुमार, वन प्रमंडल पदाधिकारी वेद प्रकाश कंबोज, अनुमंडल पदाधिकारी मोहम्मद जावेद हुसैन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी एनी रिंकू कुजुर, अंचल अधिकारी सुधीर कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने साइकिल रैली एवं वकाथोन में हिस्सा लिया। साइकिल रैली अनुमंडल कार्यालय से शुरू हो कर बस स्टैंड होते हुए सुभाष चौक एवं सुभाष चौक से बस स्टैंड होते हुए अनुमंडल कार्यालय तक गया। रैली संपन्न होने के उपरांत उपायुक्त माधवी मिश्रा ने मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत सभी को जानकारी देते हुए कहा कि जो भी नए मतदाताओं ने अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है वे अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य जुड़वाएं। वहीं उन्होंने विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान किए जाने वाले कार्यो के संबंध में सभी को विस्तार से जानकारी दी। मौके पर उपायुक्त ने सभी से अपने अपने फोन पर वोटर हेल्पलाइन ऐप डाउनलोड करने को कहा। उसके माध्यम से निर्वाचन की प्रक्रिया को समझने एवं उसमें अपने योगदान को सुनिश्चित करने की अपील की। साथ ही उपायुक्त ने कहा कि सभी मतदाता अपना मतदाता पहचान पत्र आधार कार्ड से अवश्य लिंक कराएं। साथ ही उन्होंने आधार कार्ड को मतदाता सूची से लिंक करने संबंधित अफवाहों को भी दूर किया। कार्यक्रम के दौरान अनुमंडल पदाधिकारी सह निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी मोहम्मद जावेद हुसैन ने सभी को विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम, आधार कार्ड को मतदाता सूची से लिंक करने की प्रक्रिया सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान उपायुक्त, वन प्रमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारियों ने आधार कार्ड को मतदाता पहचान पत्र से लिंक करने के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए आयोजित सेल्फी कैंपेन में भी हिस्सा लिया।

सीएम ने पंचायती राज विभाग के पदाधिकारियों को दिया नियुक्ति पत्र, 425 पदों पर नियुक्ति पत्र वितरण किया गया

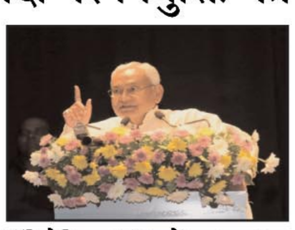

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग के नवचयनित सहायक प्राध्यापक (असैनिक) एवं पंचायती राज विभाग के प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों क नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग के 5 नवचयनित सहायक प्राध्यापक (असैनिक) एवं पंचायती राज विभाग के 5 प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि ये खुशी की बात है कि आज विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग के 281 नवचयनित सहायक प्राध्यापक (असैनिक) तथा पंचायती राज विभाग के 144 प्रखण्ड पंचायत राज पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र दिया गया है। कुल 425 पदों पर नियुक्ति पत्र वितरण किया गया। सभी लोगों ने विस्तार से सब कुछ बता दिया है। आज उप मुख्यमंत्री श्री तेजस्वी प्रसाद यादव जी का जन्मदिन भी है, मैं उनके जन्मदिन पर उन्हें बधाई और शुभकामनायें देता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग के द्वारा हमलोगों ने हर जिले में एक-एक अभियंत्रण महाविद्यालय और 48 पॉलिटेक्निक संस्थानों का प्रावधान कर दिया है। लगभग सभी जगह निर्माण कार्य पूर्ण है और पढ़ाई की जा रही है। पहले इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए लोगों को बाहर जाना पड़ता था। उन्होंने कहा कि जब हम केंद्र में मंत्री थे और विभिन्न राज्यों में जाते थे तो वहां के इंजीनियरिंग कॉलेजों में बड़ी संख्या में बिहार के छात्र दिखते थे। अब सब लोगों को बिहार में ही इंजीनियरिंग की पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध हो गयी है। उन्होंने कहा कि अभियंत्रण महाविद्यालय में अभी 337 शिक्षक कार्यरत हैं। 2241 और पद स्वीकृत किया गया है। 398 पदों का चयन हुआ है जिसमें से आज 281 लोगों को नियुक्ति पत्र दिया गया। 687 पदों पर साक्षात्कार चल रहा है। जितने और लोगों की बहाली की जरुरत है उनकी बहाली जल्दी ही की जाएगी। डॉक्टर इंजीनियर पुलिस सहित अन्य विभागों में जितनी बहाली की जरुरत होगी वो शीघ्र पूरी की जायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायती राज विभाग द्वारा पंचायत सरकार भवन का सभी जगहों पर निर्माण किया जा रहा है। हमने पंचायत सरकार भवन बनवाकर केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की तरह ही पंचायतों में पंचायत सरकार का नामकरण किया। यहां भी जो बडाली होनी है उसकी भी स्वीकृति दी जा चुकी है। सभी पंचायतों में सारा काम किया जा रहा है। हर स्तर पर लोगों की बहाली की जानी है। हमारी इच्छा है कि सब काम अच्छे ढंग से हो जाए। उन्होंने कहा कि हमारी मांग पर 15वें वित्त आयोग ने जिला, प्रखण्ड और पंचायत स्तर पर पंचायती राज संस्थाओं एवं नगर निकाय संस्थाओं के लिये राशि का प्रावधान किया है। हमलोग राज्य सरकार की तरफ से भी जो फंड है उसको इन तीनों स्तर पर दे रहे हैं ताकि किसी भी प्रकार से काम करने में दिक्कत न हो। हम चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा बच्चे-बच्चियां पढ़ें और आगे बढ़ें। पहले की स्थिति से आज बच्चे-बच्चियों की स्थिति में काफी बदलाव आया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में विकास के कई काम किये जा रहे हैं। हर घर बिजली, हर घर तक नल का जल, पक्की नली गली का निर्माण, हर घर शौचालय का निर्माण किया गया है।

राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन ने दी परिवार नियोजन और नियमित टीकाकरण पर जोर

भागलपुर, (हि.स.)। राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन के तहत समीक्षा बैठक का आयोजन आज सदर अस्पताल के सभागार में बुधवार को किया गया। इसमें परिवार नियोजन कार्यक्रम और नियमित टीकाकरण पर विस्तार से चर्चा की गई। चर्चा में सिविल सर्जन डॉ. उमेश शर्मा, जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार चौधरी और डीपीएम फैजान आलम अशर्फी सम्मिलित हुए। चर्चा में परिवार कल्याण कार्यक्रमों के प्रति जनपद के शहरी क्षेत्रों में जागरूकता के अथक प्रयासों के बावजूद लोगों में इसके प्रति सकारात्मक सोच का विकास हो और परिवार कल्याण कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए निजी अस्पताल की प्रतिभागिता बढ़ाने पर बात हुई। टीकाकरण को बढ़ावा देने पर बात हुई। डेंगू की जांच को बढ़ावा देने पर चर्चा की गई और यूपीएचसी पर सभी प्रकार की जांच उपलब्ध कराने के लिए कहा गया। सभी यूपीएचसी को पैथोलॉजी सर्विसेस को सुचारू रूप से चलाने के लिए कहा गया।

सिविल सर्जन डॉ. उमेश शर्मा ने कहा कि समीक्षा बैठक के दौरान परिवार नियोजन और नियमित टीकाकरण के साथ-साथ अन्य मुद्दों पर भी चर्चा की गई। खासकर अभी के समय में डेंगू के बढ़ते मामलों को देखने हुए सभी प्रभारियों को इस पर फोकस करने के लिए कहा गया। सभी अर्बन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर डेंगू से लेकर अन्य जांच की व्यवस्था चालू करने के लिए कहा गया। जिला प्रतिरक्षण पदाधिकारी डॉ. मनोज कुमार चौधरी ने बताया कि बैठक के दौरान नियमित टीकाकरण पर भी जोर देने के लिए कहा गया। समीक्षा के दौरान शहर में डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए अधिक से अधिक संख्या में जांच को बढ़ाने की बात हुई। साथ ही डेंगू से बचाव के लिए और क्या-क्या किया जा सकता है उस पर विस्तृत जानकारी दी गई। बैठक में मौजूद सभी प्रभारियों को आदेश दिया गया कि वह फील्ड में जाकर काम करें। वस्तुस्थिति को देखें और उसके अनुसार अपना काम करें। बैठक में पीएसआई-इंडिया के प्रतिनिधि नवीन राय, यूएनडीपी से संदीप व अन्य सहयोगी डेवलपमेन्ट पार्टनर ने प्रमुखता से प्रतिभाग किया।

संपादकीय

गरीब सवर्णों को भी आरक्षण

गरीब सवर्णों को 10 फीसदी आरक्षण जारी रहेगा। सर्वोच्च अदालत की पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने भी यह फैसला दिया है। संसद के दोनों सदनों में जो 103वां संविधान संशोधन पारित किया गया था, संविधान पीठ ने भी 3-2 के बहुमत से उस पर मुहर लगा दी है। बेशक देश के निवर्तमान प्रधान न्यायाधीश जस्टिस यूयू ललित ऐसे आरक्षण से असहमत रहे और जस्टिस रवीन्द्र भट्ट ने भी इसे संविधान के मूल ढांचे के खिलाफ माना, लेकिन जस्टिस दिनेश माहेश्वरी, जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी, जस्टिस जेबी पारदीवाला का निर्णय था कि गरीब सवर्णों को भी आरक्षण मिलना चाहिए। संसद के फैसले को सकारात्मक रूप से देखना चाहिए। हालांकि तीन न्यायाधीशों का यह भी मानना था कि आरक्षण की व्यवस्था अनंतकाल तक नहीं चलनी चाहिए। आरक्षण पर नए सिरे से विचार किया जाना चाहिए। जो आरक्षणधारी वर्ग सम्पन्न हो चुके हैं और आर्थिक-सामाजिक विषमताओं से उबर चुके हैं, उन्हें आरक्षण त्याग देना चाहिए। जनवरी, 2019 में संसद में पारित किए गए संविधान संशोधन के जरिए अनुच्छेद 15 और 16 में पार्ट (6) जोड़ा गया था, जो गरीब सवर्णों के लिए 10 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित करता है। अब संविधान पीठ के फैसले के बाद ओबीसी के लिए 27 फीसदी, दलितों के लिए 15 फीसदी, जनजाति के लिए 7.5 फीसदी, विशेष दिव्यांगों को 4 फीसदी और गरीब सवर्णों को 10 फीसदी आरक्षण मिलाकर कुल 63.5 फीसदी हो गया है। शिक्षा और नौकरियों में देश के सामान्य वर्ग के लिए 36.5 फीसदी स्थान ही उपलब्ध होंगे। संविधान पीठ में यह विचार भी उभरा था कि सवर्णों के आरक्षण के बाद 'समता के अधिकार' का नियम भी ध्वस्त हो सकता है, क्योंकि ऐसे आरक्षण की कोई 'लक्ष्मण-रेखा' तय नहीं की गई है। यह व्यवस्था भी अधिकतम 50 फीसदी आरक्षण के नियम से अलग है, लिहाजा सवर्णों के लिए आरक्षण बढ़ाया भी जा सकता है। बहरहाल देश ने सर्वोच्च अदालत के 'बहुमती फैसले' पर खुशी जताई है। कई जगह ढोल-नगाड़े भी बजाए गए हैं और मिष्ठान्न बांटे गए हैं, लेकिन आरक्षण के ऐसे महत्त्वपूर्ण फैसले के बाद एक नई संविधान पीठ ऐसे विमर्श की शुरुआत करे कि आरक्षण की व्यवस्था की परिधियां क्या होनी चाहिए? आरक्षण कोई मौलिक अधिकार नहीं है। संविधान सभा में बहस के बाद तय किया गया था कि आज़ादी के बाद 10 साल तक आरक्षण जारी रखा जाए, ताकि आर्थिक और सामाजिक तौर पर पिछड़ी जमातों की असमानताएं खत्म की जा सकें। सरकारें आती रहीं और आरक्षण की अवधि बढ़ाई जाती रही। आजादी के 75 साल में जिन जातियों और तबकों को आरक्षण का लाभ मिलता रहा है और वे आईएएस, आईपीएस आदि बनकर अथवा निदेशक सरीखे शीर्ष पदों पर सरकार में बरकरार रहे हैं, वे आज भी आरक्षण का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। वे आर्थिक-सामाजिक ही नहीं, राजनीतिक तौर पर भी सशक्त और समृद्ध हुए हैं, लेकिन वे और उनकी पीढियां आज भी आरक्षण से चिपकी हैं। अब आरक्षण राजनीति का धारदार हथियार बन चुका है। हालांकि आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत कई बार दोहरा चुके हैं कि आरक्षण की नीति की समीक्षा की जाए, लेकिन चुनावों में प्रधानमंत्री मोदी भी हुंकार भर यकीन दिलाने की कोशिश करते रहे हैं कि आरक्षण समाप्त नहीं किया जाएगा। दूसरी तरफ सवर्णों में ऐसी जातियां और जमातें हैं कि जो आर्थिक रूप से विपन्न हैं, लेकिन उन्हें आरक्षण का कोई कोटा नसीब नहीं है। उस संदर्भ में 10 फीसदी आरक्षण का संविधान संशोधन पारित करवा मोदी सरकार ने ऐतिहासिक काम किया था। इस मुद्दे पर कुछ दलों को छोड़ कर शेष सभी पार्टियां सहमत दिखती हैं कि आरक्षण आर्थिक आधार पर तय किया जाना चाहिए।

> संसद के फैसले को सकारात्मक रूप से देखना चाहिए। हालांकि तीन न्यायाधीशों का यह भी मानना था कि आरक्षण की व्यवस्था अनंतकाल तक नहीं चलनी चाहिए। आरक्षण पर नए सिरे से विचार किया जाना चाहिए। जो आरक्षणधारी वर्ग सम्पन्न हो चुके हैं और आर्थिक-सामाजिक विषमताओं से उबर चुके हैं, उन्हें आरक्षण त्याग देना चाहिए। जनवरी, 2019 में संसद में पारित किए गए संविधान संशोधन के जरिए अनुच्छेद 15 और 16 में पार्ट (6) जोड़ा गया था, जो गरीब सवर्णों के लिए 10 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित करता है। अब संविधान पीठ के फैसले के बाद ओबीसी के लिए 27 फीसदी, दलितों के लिए 15 फीसदी, जनजाति के लिए 7 .5 फीसदी, विशेष दिव्यांगों को 4 फीसदी और गरीब सवर्णों को 10 फीसदी आरक्षण मिलाकर कुल 63 .5 फीसदी हो गया है।

कुछ अलग

चुनावी सीजन में प्रभु का आगमन

अबके भी जब उन्हें पता चला कि मेरे यहां की आबोहवा हद से अधिक प्रदूषित हो चुकी है तो वे अपने फेफड़ों की इम्युनिटी चेक करने मेरे यहां आ पहुंचे। उनका भी मेरी ही तरह मानना है कि जो समय समय पर प्रदूषित जगहों पर रह लिया जाए तो इससे बीमार होने के खतरे कम हो जाते हैं। बहुधा ज्यादा शुद्ध आबोहवा भी सौ बीमरियों को अप्रत्यक्ष में निमंत्रण देती है। अबके वे आए तो अपने यहां दूसरे प्रदूषणों के साथ साथ चुनावी प्रदूषण भी चला था। या कि मेरा इलाका चुनाव के प्रदूषण की गंभीर चपेट में था। इसलिए मैं अबके उन्हें सही ढंग से अटेंड भी नहीं कर पा रहा था। दूसरी पार्टी के वर्कर मुझे अपनी ओर से पूरा बहला फुसला मान अपना घोषणापत्र थमा कर जाते तो तीसरी पार्टी के आ जाते। जिन नेताओं को पहले मैं घेरने की कोशिश करता था, अब वे मुझे घेरे हुए। जिन नेताओं के आगे पीछे पहले मैं घूमा करता था, अब वे मेरे आगे पीछे घूमते हुए। जब मेरे आराध्य को लगा कि मेरे पास अबके उनसे बात करने को भी फुर्सत नहीं तो मौका पाकर उन्होंने मुझसे पूछ ही लिया, 'भक्त ये क्या! आजकल तो तुम बहुत व्यस्त चल रहे हो! हर कोई तुम्हारे आगे गिड़गिड़ा रहा है, अपना पेट खुजला रहा है। पहले तो तुम चौबीसों घंटे मेरे आगे बैठ कुछ न कुछ मांगते ही रहते थे। कभी कहते थे कि जो आलू सस्ते हो जाएं तो मैं सवा पांच रुपए का प्रसाद चढ़ाऊं। कभी कहते थे कि जो पेट्रोल डीजल सस्ते हो जाएं तो मैं सवा दस रुपए का प्रसाद चढ़ाऊं। कभी कहते थे कि जो तुम्हारे बेटे को रोजगार मिल जाए तो पहली पगार मेरे चरणों में चढ़ाऊं। पर आजकल तो तुम खुद ही...। क्या तुम्हारी सब समस्याएं खत्म हो गईं हैं आजकल? ये कौन हैं जो दिन में दस दस बार आकर तुम्हारे आगे गिड़गिड़ा रहे हैं? इतने तो तुम भी मेरे आगे हाथ नहीं जोड़ते, जितने ये तुम्हारे आगे हाथ जोड़ रहे हैं? कहीं मेरी जगह लेने की तैयारी तो नहीं भक्त?' 'क्षमा! प्रभु! क्षमा! मैं तो विशुद्ध वोटरी जीव हूं, वोट पाना ही मेरा कर्म है। हर जन्म में मैं वोटरी जीव ही रहूंगा। बहल फुसल हर बार अपने पांव पर कुल्हाड़ी मारना मेरा धर्म है। चुनाव का सीजन है प्रभु! बस, सब इसीलिए हो रहा है। जैसे ही चुनाव खत्म होंगे, जीतने वाले जीत सत्ता सुख भोगते अपने विकास में जुट जाएंगे। और फिर हमें उन्हें पहले की तरह ढूंढने को एड़ी चोटी का जोर लगाना होगा, पर वे मिले न मिलेंगे।' 'ये आकर सब तुम्हें क्या दे रहे हैं?' 'अपने अपने घोषणापत्र !' 'घोषणापत्र बोले तो?' 'विकास की छलिया गारंटी! कि जो वे जीत गए तो मेरे लिए कागज में लिखा सब करेंगे, कि जो वे जीत गए तो मेरे लिए कागज पर लिखा सब करेंगे', मेरे जले मुंह से यह सुन मेरे आराध्य ने कोने में घोषणापत्रों के लगे ढेर से एक घोषणापत्र उठाया और उसे बांचने जांचने लगे। कुछ देर तक घोषणापत्र बांचने जांचने के बाद वे मेरे घर के, गांव के अंदर बाहर चारों ओर घूम घूमकर पता नहीं क्या देखने लगे। फिर लंबी सांस लेकर बोले, 'वाह! कितना गजब का घोषणापत्र! लगता है अब तुम्हें स्वर्ग की जरूरत नहीं रहेगी।' 'प्रभु! यहां हर चुनाव के समय ऐसे ही धरती पर कागजी स्वर्ग और हर नर को नारायण बनाने की घोषणाएं होती हैं।' 'फिर दिक्कत कहां?' 'सब आपके सामने ही तो है प्रभु!' 'मतलब?' 'मतलब मुझे उल्लू बनाने का सात्विक क्रम भर है ये सब प्रभु!' 'तो तुम ऐसों को वोट क्यों देते हो भक्त?' 'दिन में मुंगेरी लाल के हसीन सपने देखते देने पड़ते हैं प्रभु', मैंने सिसकते हुए कहा तो उन्होंने बड़े दुलार से मुझे शाबाशी देते मेरी पीठ थपथपाई और मंद मंद मुस्कुराए।

> दूसरी पार्टी के वर्कर मुझे अपनी ओर से पूरा बहला फुसला मान अपना घोषणापत्र थमा कर जाते तो तीसरी पार्टी के आ जाते। जिन नेताओं को पहले मैं घेरने की कोशिश करता था, अब वे मुझे घेरे हुए। जिन नेताओं के आगे पीछे पहले मैं घूमा करता था, अब वे मेरे आगे पीछे घूमते हुए।

विचार

धार्मिक और अन्य भेदभावों के बावजूद बराबरी का संदेश दिया जाता है

वोट की कीमत जानकर मतदान जरूरी

डा. वरिंदर भाटिया

> देश का चुनाव आयोग भी हरसंभव प्रयास करता है कि हम सब वोट डालने के अधिकार का प्रयोग करें और देश में प्रजातंत्र की जड़ें और मजबूत करें। सर्वविदित है कि भारत में चुनावों का आयोजन भारतीय संविधान के तहत भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा किया जाता है। यह एक अच्छी तरह स्थापित परंपरा है कि एक बार चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद कोई भी अदालत चुनाव आयोग द्वारा परिणाम घोषित किए जाने तक किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। इसके बावजूद अनेक मतदाता अपने वोट डालने के अधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं। वोट डालने का मकसद देश में आजादी के महत्त्व को सार्थक बनाना है। वोट सिर्फ उम्मीदवारों की जीत नहीं तय करते, बल्कि लोकतंत्र का भविष्य भी तय करते हैं। एक वोट में काफी वजन होता है।

देवभूमि हिमाचल में 12 नवंबर 2022 को लोकतंत्र का महापर्व मनाया जाएगा। प्रदेश के लोग अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। देश का चुनाव आयोग भी हरसंभव प्रयास करता है कि हम सब वोट डालने के अधिकार का प्रयोग करें और देश में प्रजातंत्र की जड़ें और मजबूत करें। सर्वविदित है कि भारत में चुनावों का आयोजन भारतीय संविधान के तहत भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा किया जाता है। यह एक अच्छी तरह स्थापित परंपरा है कि एक बार चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद कोई भी अदालत चुनाव आयोग द्वारा परिणाम घोषित किए जाने तक किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं कर सकती है। इसके बावजूद अनेक मतदाता अपने वोट डालने के अधिकार का प्रयोग नहीं करते हैं। वोट डालने का मकसद देश में आजादी के महत्त्व को सार्थक बनाना है। वोट सिर्फ उम्मीदवारों की जीत नहीं तय करते, बल्कि लोकतंत्र का भविष्य भी तय करते हैं। एक वोट में काफी वजन होता है। यह ठीक है कि वोट के अधिकार को लेकर काफी बहस चलती रहती है। वोट को एक महत्त्वपूर्ण संपत्ति मानते हुए इसे हासिल करने के लिए कुछ उम्मीदवार मतदाताओं को धमकाने से भी नहीं बाज आते। लेकिन सभी को एक वोट का अधिकार देकर लैंगिक, धार्मिक और अन्य भेदभावों के बावजूद बराबरी का संदेश दिया जाता है। इस नैतिक दृष्टि से वोट देने का अधिकार सार्वभौमिक हो जाता है। वोट डालना क्यों जरूरी है, आइए जानें हम समझें कि अगर आप अपने हितों के लिए वोट नहीं करेंगे तो कौन करेगा? चुनाव और सरकार लोगों की, लोगों द्वारा और लोगों के लिए होते हैं। लोगों को सिर्फ दर्शक बने रहने और शिकायत करने के बजाय लोकतंत्र की सफलता के लिए इसमें भाग लेना चाहिए। युवाओं के लिए मतदान उनका संवैधानिक अधिकार है। उनके द्वारा चुनी गई सरकार उनके भविष्य के लिए किए गए निर्णयों को प्रभावित करेगी जो चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए एक अच्छा और पर्याप्त कारण है। दुनिया में अभी भी कुछ ऐसे देश हैं जहां लोग अपनी सरकार चुनने में सक्षम नहीं हैं क्योंकि उन्हें वोट देने का अधिकार नहीं है। मतदान एक अधिकार और विशेषाधिकार है जिसे पाने के लिए हमारे पूर्वजों ने आजादी की लड़ाई लड़ी है। हमें इसकी सराहना करनी चाहिए और स्वेच्छा से हर मौके पर इसे करना चाहिए। वोट डालने के मर्म को समझाने के लिए एक दंत कथा है। किसी बड़े राज्य में एक राजा शासन करता था। एक बार उसके राज्य में महामारी फैल गई। बहुत सारे लोग मरने लगे। राजा ने इसे रोकने के लिए कई उपाय किए। कितने ही पैसे खर्च कर डाले, पर यह बीमारी खत्म होने का नाम नहीं ले रही थी और लोग दिन-प्रतिदिन मरते रहे। एक दिन दुखी होकर राजा भगवान से प्रार्थना करने लगा। राजा को दुखी देख भगवान प्रकट हुए और उन्होंने राजा से कहा, 'तुम दुखी न हो राजन। इस समस्या का हल मेरे पास है।' भगवान ने अपनी बात जारी रखी और बोले, 'तुम्हारी राजधानी के बीचोंबीच एक पुराना सूखा हुआ कुआं है। अगर अमावस्या की रात को राज्य के हर एक परिवार उस कुएं में एक बाल्टी दूध डालेगा, तब यह समस्या इस गांव से समाप्त हो जाएंगी और कोई नहीं मरेगा।' इतना कह कर भगवान गायब हो गए। दूसरे ही दिन राजा ने सभा बुलवाई और सभी गांव वालों को कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के घर से एक बाल्टी दूध अमावस्या की रात को गांव के बीच वाले कुएं में डालना अनिवार्य है। कुछ दिनों उपरांत वह दिन आ गया। उसी रात्रि को जब कुएं में दूध डालना था, तब गांव की एक चालाक कंजूस बुढिया ने सोचा कि सारे लोग कुएं में तो दूध डालेंगे ही, मैं अकेली एक बाल्टी पानी डाल दूंगी तो किसी को क्या पता चलेगा। फिर उस कंजूस बुढिया ने उस रात्रि चुपचाप एक बाल्टी पानी डाल दी। अगले दिन देखा गया कि अभी भी लोग वैसे ही महामारी से मर रहे थे। कुछ भी नहीं बदला था क्योंकि महामारी अभी भी गांव से दूर नहीं गई थी। राजा ने उस कुएं के पास जाकर उसका कारण जानना चाहा। वहां उसने देखा कि कुआं पूरा पानी से भरा हुआ है। दूध की तो एक बूंद तक नहीं दिख रही है। तब राजा समझ गया कि इसी वजह से गांव में अभी तक महामारी है और लोग मर रहे हैं। दरसल यह इसलिए हुआ कि जो विचार उस बुढिया को आया था, वही विचार सारे गांव वालों को भी आया था और किसी ने भी उस कुएं में दूध नहीं डाला। जैसा इस कहानी में हुआ, वैसा ही कई बार हम सोचते हैं कभी कोई ऐसा काम आता है कि सबको मिल कर करना होता है तो अक्सर हम अपनी जिम्मेदारियों से हाथ झटक लेते हैं और ये सोचते हैं कि कोई न कोई दूसरा व्यक्ति कर ही देगा। वोट डालने की जिम्मेवारी भी इसी तरह की है, जिसे हमें सामूहिक तौर पर निभाना होगा। भारत जैसा युवा देश जिसकी 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम है, उस देश के युवाओं की जिम्मेदारी बनती है कि वे अशिक्षित लोगों को वोट का महत्व बताकर उनको वोट देने के लिए बाध्य करें। लेकिन यह विडंबना है कि हमारे देश में वोट देने के दिन लोगों को जरूरी काम याद आने लग जाते हैं। कई लोग तो वोट देने के दिन अवकाश का फायदा उठाकर परिवार के साथ पिकनिक मनाने चले जाते हैं। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो घर पर होने के बावजूद अपना वोट देने के लिए वोटिंग बूथ तक जाने में आलस करते हैं। इस तरह गैर-जागरूक, उदासीन व आलसी मतदाताओं के भरोसे हमारे देश के चुनावों में कैसे सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी। साथ ही एक तबका ऐसा भी है जो प्रत्याशी के गुण न देखकर धर्म, मजहब व जाति देखकर अपने वोट का प्रयोग करता है। यह कहते हुए बड़ी ग्लानि होती है कि वोटिंग के दिन लोग अपना वोट संकीर्ण स्वार्थ के चक्कर में बेच देते हैं। यही सब कारण हैं कि हमारे देश के चुनावों में से चुनकर आने वाले अधिकतर लोग दागी और अपराधी किस्म के होते हैं। याद रहे कि पांच वर्ष बाद हमारा लोकतंत्र हमें अपनी तकदीर लिखने का मौका देता है जिसका उपयोग जरूर होना चाहिए। इस दौरान मतदान से पहले तथाकथित लोगों द्वारा मिलने वाले प्रलोभन से परहेज करना चाहिए। हम सभी को अपने मतों का प्रयोग करके चुनाव को शत-प्रतिशत मतदान तक ले जाने का प्रयास करना चाहिए। जिस पार्टी का जो नेता आप चाहते हैं, उसे आप वोट डालिए। वे सभी नेता देश के नागरिक हैं और चुनाव आयोग से मान्यता प्राप्त हैं।

लुभावने चुनाव घोषणापत्र किसे जिताएंगे

> कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी की रैलियों में महिलाओं को लुभाने के कई प्रयास किए जा रहे हैं। कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया है जिसमें उन्होंने 300 यूनिट बिजली मुफ्त में देने की बात कही है। स्कूलों की बात और कर्मचारियों की बकाया पेंशन की बात का उल्लेख भी किया है। न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर 500 रुपए, महिलाओं को 1500 मासिक भत्ता, एक लाख युवाओं को रोजग़ार और पर्यटन व पशुपालन की नई योजनाएं तथा राज्य में सडक़ों का निर्माण जैसे वादे किए गए हैं। किसानों-बागवानों को और सुविधाएं एवं अनुदान की बातें। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने रविवार को पीटरहॉफ होटल शिमला में पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया जिसमें 11 संकल्प हैं।

सुंदरनगर में भारतीय जनता पार्टी की बड़ी चुनावी जनसभा में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आप कमल के फूल को वोट डालेंगे तो मोदी को वोट मिल जाएगा, आप प्रत्याशी के नाम की परवाह न करें। यह ऐसा वाक्य है जिससे आम आदमी जो राजनीतिक अंकगणित ठीक से नहीं समझता, वह भी आसानी से समझ जाता है कि मैंने इस चुनाव चिन्ह पर वोट डालना है। और वह फलां आदमी को ही मिलेगा। हिमाचल प्रदेश में बाकी राज्यों की तरह प्रधानमंत्री के चाहने वालों की कमी नहीं है। 2014 के चुनाव में इसी तरह से लहर बनी थी जिसने भारतीय जनता पार्टी को अभूतपूर्व विजय दिलाई थी। हिमाचल में इस बार 68 विधानसभा सीटों के लिए 412 उम्मीदवार मैदान में हैं जिनमें 388 पुरुष और 24 महिलाएं हैं। 5592828 मतदाता 12 नवंबर को इन उम्मीदवारों के भविष्य का निर्णय करेंगे। 193106 मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। 2854995 पुरुष मतदाता हैं और 2737845 महिला मतदाता हैं। लगभग 50 प्रतिशत मतदाता महिलाएं हैं। कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी की रैलियों में महिलाओं को लुभाने के कई प्रयास किए जा रहे हैं। कांग्रेस ने चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिया है जिसमें उन्होंने 300 यूनिट बिजली मुफ्त में देने की बात कही है। स्कूलों की बात और कर्मचारियों की बकाया पेंशन की बात का उल्लेख भी किया है। न्यूनतम मजदूरी बढ़ाकर 500 रुपए, महिलाओं को 1500 मासिक भत्ता, एक लाख युवाओं को रोजग़ार और पर्यटन व पशुपालन की नई योजनाएं तथा राज्य में सडक़ों का निर्माण जैसे वादे किए गए हैं। किसानों-बागवानों को और सुविधाएं एवं अनुदान की बातें। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने रविवार को पीटरहॉफ होटल शिमला में पार्टी का संकल्प पत्र जारी किया जिसमें 11 संकल्प हैं। समान नागरिकता संहिता, छोटे किसानों को 3000 रुपए की अतिरिक्त आय, आठ लाख नए रोजगारों की व्यवस्था, प्रदेश के सभी गांव सडक़ों द्वारा जोड़े जाएंगे, प्रदेश के सभी तीर्थ स्थलों को जोडऩे का काम सरकार आने वाले पांच सालों में करेगी, हिमतीर्थ पर्यटक सर्किट के द्वारा, बागवानों को जीएसटी का लाभ, पांच नए मेडिकल कालेज खोले जाएंगे और मोबाइल क्लीनिक की संख्या दुगुनी कर दी जाएगी। कांग्रेस ने 850 करोड़ रुपए के स्टार्टअप फंड की घोषणा की थी तो भारतीय जनता पार्टी ने इसे बढ़ा कर 900 करोड़ कर दिया है। जो सैनिक युद्ध भूमि में शहीद होंगे उनकी अनुग्रह राशि भी बढ़ा दी जाएगी, वक्फ बोर्ड की सम्पत्तियों का सर्वे और सरकारी कर्मचारियों की वेतन सम्बन्धी मांगों पर गौर होगा। यही नहीं, छात्राओं को साइकिल, स्कूटी देने और महिलाओं को नौकरियों में 33 प्रतिशत आरक्षण का वादा भी किया। दोनों प्रमुख दलों ने इस चुनाव में अपने संकल्प पत्र और चुनावी घोषणा पत्र जारी कर दिए हैं। कांग्रेस ने प्रदेश में लम्बे समय तक राज किया। अगर वह अपने सारे घोषणा पत्रों पर ठीक से काम करती तो शायद प्रदेश से कांग्रेस को कोई हटा नहीं सकता था। बहुत बार पार्टियां चुनाव के नतीजे निकलते ही और सत्ता बनने के बाद चुनावी वादों को ठंडे बस्ते में डाल देती हैं और फिर अधिकतर नेतागण अपने विकास की ओर ध्यान देने लगते हैं। पिछले पांच सालों में हिमाचल में भाजपा ने विकास की राह चुनी और अपने अधिकतर वादे पूरे किए। यह बात अलग है कि सरकारी कर्मचारियों और सेवानिवृत्त पेंशनधारी कर्मचारियों की मांगों का पूरी तरह से समाधान नहीं कर पाए। भारतीय जनता पार्टी का संकल्प पत्र ऐसा है जिसे अगर उनकी सरकार बनती है तो पूरा किया जा सकता है। भारतीय जनता पार्टी को अपनी पार्टी से अलग हुए असंतुष्टों, जो निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं, उनकी बदौलत कुछ सीटों का खामियाज़ा भुगतना होगा। कांग्रेस पार्टी भी पूरी कोशिश में है कि किसी तरह से हिमाचल में उनकी सरकार बने। शिमला तथा आसपास के कई इलाकों में दोनों पार्टियों के बड़े बैनर और होर्डिंग लगे हैं। प्रधानमंत्री से लेकर उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री व राजनीति के चाणक्य अमित शाह ने भी प्रदेश में जनसभाओं को संबोधित किया। कांग्रेस पार्टी की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी हिमाचल में जनसभाओं को संबोधित किया और लोगों से सीधा संपर्क स्थापित करने की कोशिश की। लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का हिमाचल की जनता से सीधा संवाद उन्हें बाकी सब नेताओं से अलग करता है। चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा जारी किए गए घोषणा पत्र, मेनिफेस्टो या संकल्प पत्र वादों की वह सूची होती है जो मतदाताओं को लुभाने का प्रयत्न करती है कि आने वाले पांच वर्षों में जो पिछले पांच वर्षों में नहीं हो पाया, वह हो जाएगा और आने वाले पांच वर्षों के लिए ऐसे वादे होते हैं जो सत्ता में आने के बाद सरकार पूरे करने की कोशिश करेगी। यह मैनिफेस्टो अगर कोई भी दल सत्ता में आने के बाद ईमानदारी से पूरा करने की कोशिश करे तो बिना किसी इंजन के भी काम हो जाएगा, लेकिन केवल दस प्रतिशत पर ही अमल होता है। कुछ योजनाएं केंद्र सरकार की भी होती हैं जिन्हें आदमी राज्य सरकार की उपलब्धि मान कर दिल को तसल्ली देता है। हिमाचल में चुनाव प्रचार अपने पूरे चरम पर है। हर राजनीतिक दल की कोशिश है कि वह ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं से संपर्क स्थापित कर सके। हर पार्टी का सोशल मीडिया सैल दिन-रात काम कर रहा है ताकि सभी लोग पार्टी से सीधे जुड़ जाएं। 12 नवंबर को होने वाले मतदान के लिए 5093 पोस्टल मतपत्र डाले जा चुके हैं। स्वतंत्र भारत के सबसे पहले और वयोवृद्ध मतदाता कल्पा (किन्नौर) से श्याम शरण नेगी 106 साल की उम्र में अपने पोस्टल मताधिकार का प्रयोग कर इस दुनिया से विदा ले चुके हैं। हिमाचल की राजनीति में यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। क्या रिवाज बदलेगा, यह हिमाचल का जागरूक मतदाता बिना किसी के झांसे में आए, तय करेगा।

नागरिक बोध

देश मे सामूहिक नियंत्रण के प्रयास जरूरी

देश मे छोटी बच्चियों के साथ अमानुषिक कृत्य कर उनको मार दिया जाता है। यह स्थिति सभी राज्यो की है। सरकार ने फांसी की सजा मुकर्रर की है। देश मे जिस तरह से दुधमुंही बच्चियों के साथ दुष्कर्म कर उनको मार दिया जाता है। बलात्कार की घटनाओं में दिन प्रतिदिन वृद्धि हो रही है। यदि देश मे वैचारिक प्रदूषण को रोकने के लिए सामूहिक नियंत्रण नही किये गए तो विश्व मे अनेक दुष्कर्मी पैदा होंगे। फांसी सामाधन का कोई स्थाई सामाधन नही है। मारो नही बदलो की नीति पर चलेंगे,तभी तो धरती स्वर्ग बनेगी।देश मे विगत वर्षों में सामूहिक बलात्कार और दुधमुंही बच्चियों को बाहर अपनी माता के साथ सो रही बच्चियों को उठाने की बेताबियाँ बढ़ी है।यह समाज के माथे पर कलंक है। श्रमिक परिवार के घर नही होते है। किसी कंस्ट्रक्शन कंपनी में या सड़क पर मजदूरी कर सड़क किनारे सोने वाले श्रमिक परिवार के बच्चियों को रात को उठा कर दुष्कर्म किया जाता है। यह घटना रूह कांपने वाली है। बच्चियों की उम्र महज चार पांच वर्ष या ढाई साल की होती है। वो प्रतिकार नही करती है।यह घिनौनी कृत्य युवाओ के मस्तिष्क की उपज है,जो अपने मोबाइल में अश्लील क्लिप देख कर उतेजित होते है। गत दिन गुजरात मे एक दस वर्षीय लड़के ने अपने चाचा के मोबाइल पर अश्लील फ़िल्मि देख ली। एक सात साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म कर दिया। अपराध की सजा पर कितना जोर दिया जा रहा है उतना उत्तपन्न ही नही हो,इस पर कोई गंभीर नही। चोर नही चोट की माँ की तलाश कर समूल उन्मूलन के प्रयासो की प्राथमिकता देनी है। बाह्य प्रदुषण के प्रति सम्पूर्ण विश्व चिंतित है। उनके लिए प्रयास भी किये जा रहे है। किंतु उसके लिए कई गुना आंतरिक वैचारिक प्रदूषण के प्रति कोई गंभीर नजर नही आ रहा है। जबकि बाह्य से कई गुना आंतरिक प्रदूषण है। जिसके मलिन होने पर ही बाह्य प्रदूषण उतपन्न होता है। जिससे आध्यात्मिक,मानसिक,शारीरिक और बाह्य प्रकृति सहित सभी बुरे रूप से प्रभावित होते है। वैचारिक प्रदूषण नियंत्रित किये बिना बाहरी प्रदूषण को रोकने के सारे प्रयास निरर्थक सिद्ध होंगे। वैचारिक प्रदूषण रोकने की क्षमता बहार से धन से नही खरीदी जा सकती है। विचारो में आये विकारों को फ़ल्टिर आध्यात्मिक ज्ञान के द्वारा ही किया जा सकता है। शिक्षा जगत में ही पाठ्यक्रम में तोता रटन मात्र शेष है। उसमें ही छात्र पुस्तकिय ज्ञान का क्रीड़ा मात्र बनकर रह जाता है।जिसमे नैतिकता ,विनय सेवा ,परोपकार के गुणों के बजाय डिग्री प्राप्त करना ही लक्ष्य है। पुस्तको के भोजन से मानसिकता कुंठित हो जाती है। जिसमे ऊपर उठकर सोचने का समय भी नही मिलता है। सरकारी और निजी प्रचार माध्यम दूरदर्शन भी जोकि इसमें रक्षा हेतु मात्र भूमिका निभा सकता है। वह रक्षक ही भक्षक बनकर सामने आ रहा है। परदे पर हिंसा उतेजना, मारधाड़ बलात्कार आदि का बाल मानस पर खतरनाक दुष्प्रभाव पड़ रहा है। ऐसी फिल्मों की होड़ सी मची है। इन्ही के कारण अपराधों में तेजी है।उपर से मोबाइल का प्रदूषण जो चिंता का विषय है। जूठे मनमोहक आकर्षण विज्ञापन देकर जनता को गुमराह किया जाता है। इस विषाक्त वातावरण के कारण सहनशीलता, विनय,सेवा के गुण लुप्त होते जा रहे है।

देश दुनीया से

सबका साथ, सबको आरक्षण की रेवड़ी!

आर्थिक रूप से पिछड़े सवर्णों के लिए 10 फीसदी आरक्षण की व्यवस्था जारी रखने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद आरक्षण की बहस एक बार फिर तेज हो गई है। हालांकि देश की ज्यादातर पार्टियों ने इसका समर्थन किया है और सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। जनवरी 2019 में जब आर्थिक रूप से पिछड़े यानी ईडब्लुएस श्रेणी के सवर्णों को 10 फीसदी आरक्षण देने के लिए संविधान में 103वें संशोधन का बिल संसद में आया था तब डीएमके, राजद और एमआईएम को छोड़ कर सबने बिल का समर्थन किया था। तभी हैरानी नहीं है कि ज्यादातर पार्टियों ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है। डीएमके, वीसीके जैसी पार्टियां अपवाद हैं, जिन्होंने इसका विरोध किया है और इसे सामाजिक न्याय की अवधारणा के खिलाफ बताया है। पर उनका विरोध व्यावहारिक रूप से कोई मतलब नहीं रखता है। देश के दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों को मिलने वाले आरक्षण की तरह गरीब सवर्णों का आरक्षण भी संवैधानिक व्यवस्था का हिस्सा बन गया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद कुछ चीजें स्पष्ट हो गई हैं और उन्हें स्वीकार कर लिया जाना चाहिए। अदालत ने हिचकते हुए ही सही लेकिन जाति आधारित आरक्षण की व्यवस्था को स्वीकार कर लिया है। इसलिए देश को भी इसे मान लेना चाहिए। इसमें मीन-मेख निकालने वालों को ध्यान रखना चाहिए कि जिस तरह से शासन की कई खराब व्यवस्थाओं में सबसे कम खराब व्यवस्था लोकतंत्र की है वैसे ही शैक्षणिक, सामाजिक और अब आर्थिक रूप से भी पिछड़े लोगों के साथ हुए ऐतिहासिक अन्याय को दूर करने और उनके लिए एफर्मेटिव एक्शन सुनिश्चित करने के लिए कई खराब व्यवस्थाओं में से सबसे कम खराब व्यवस्था आरक्षण की है। इसलिए जाति आधारित आरक्षण जारी रहेगा। दूसरी बात यह साफ हो गई है कि आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा समाप्त हो गई है। इंदिरा साहनी केस में नौ जजों की बेंच ने आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी तय की थी। तभी यह सवाल भी उठ रहा है कि पांच जजों की बेंच ने कैसे नौ जजों की बेंच का फैसला पलट दिया। लेकिन असल में फैसला पलटा नहीं गया है। नौ जजों की बेंच ने ही यह रास्ता छोड़ा था कि असाधारण स्थितियों में आरक्षण की सीमा बढ़ाई जा सकती है। उसी आधार पर पांच जजों की बेंच ने फैसला किया है। सो, अब चाहे मराठा आरक्षण हो या दूसरी किसी जाति को आरक्षण देने का मामला हो, 50 फीसदी की सीमा उसके रास्ते की बाधा नहीं बनेगी। तीसरी बात यह साफ हो गई है कि आर्थिक पिछड़ापन भी आरक्षण का आधार बना रहेगा। संविधान के मुताबिक आरक्षण की व्यवस्था सिर्फ सामाजिक व शैक्षणिक रूप से पिछड़ों के लिए ही की गई थी। इन प्रस्थापनाओं के बाद बड़ा सवाल है कि इससे क्या हासिल होगा? क्या आरक्षण की व्यवस्था का विस्तार कर देने से वह लक्ष्य हासिल हो जाएगा, जो आजादी के बाद पिछले 75 साल में नहीं हासिल हो सका है? इसका जवाब बहुत सरल है। आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था में अगर बदलाव नहीं होता है, उस पर वैज्ञानिक तरीके से विचार नहीं किया जाता है, सरकारी कंपनियों की बिक्री नहीं रूकती है और निजी सेक्टर में आरक्षण की व्यवस्था नहीं लागू होती है तो इससे कोई लक्ष्य हासिल नहीं होगा। इसे समझने के लिए कई तथ्य दिए जा सकते हैं लेकिन संसद में इसी साल दिया गया एक आंकड़ा आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था की हकीकत बताता है। इस साल पांच अप्रैल को संसद के बजट सत्र के दौरान केंद्रीय सामाजिक न्याय व अधिकारिता मंत्री प्रतिमा भौमिक ने संसद को बताया कि गरीब सवर्णों के लिए आरक्षण की व्यवस्था लागू होने के बाद पहले दो साल में यानी 2019 और 2020 में केंद्र सरकार में 132 लोग इस आरक्षण के तहत बहाल हुए। सोचें, सिर्फ 132 लोग! मंत्री ने बताया कि 2021 का आंकड़ा उपलब्ध नहीं है और राज्यों में कितने लोग इस योजना के तहत बहाल हुए हैं उसका भी आंकड़ा नहीं है। सबसे दिलचस्प बात जो उन्होंने बताई वह ये है कि दो सालों में इस योजना को लागू करने के लिए केंद्र सरकार ने अलग अलग मंत्रालयों को 4,315 करोड़ रुपए आवंटित किए।

> देश के दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों को मिलने वाले आरक्षण की तरह गरीब सवर्णों का आरक्षण भी संवैधानिक व्यवस्था का हिस्सा बन गया है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद कुछ चीजें स्पष्ट हो गई हैं और उन्हें स्वीकार कर लिया जाना चाहिए। अदालत ने हिचकते हुए ही सही लेकिन जाति आधारित आरक्षण की व्यवस्था को स्वीकार कर लिया है। इसलिए देश को भी इसे मान लेना चाहिए।

रूस को जयशंकर के संदेश का अमेरिका ने किया समर्थन कहा- मोदी के बयान यह युद्ध का युग नहीं से भिन्न नहीं

वॉशिंगटन।
अमेरिका ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर की हालिया मॉस्को यात्रा में रूस-यूक्रेन जंग को लेकर दिए गए संदेश का समर्थन किया है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि जयशंकर का रूस को संदेश पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा पूर्व में दिए गए बयान से भिन्न नहीं है। मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा था कि यह जंग का युग नहीं है। अमेरिकी प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि भारत ने एक बार फिर यूक्रेन जंग के खिलाफ राय दी है। वह इस जंग का कूटनीति और बातचीत से खात्मा चाहता है। उन्होंने कहा कि रूसी लोग भारत जैसे उन देशों के संदेश को सुनें, जिनके पास आर्थिक, राजनयिक, सामाजिक और राजनीतिक ताकत है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने यूएन में साफतौर पर कहा था कि यह समय युद्ध का नहीं है। जयशंकर का रूस को ताजा संदेश हमें उससे अलग नजर नहीं आता है। इसके साथ ही नेड प्राइस ने भारत को आगाह किया कि रूस ऊर्जा और सुरक्षा सहायता को लेकर भरोसेमंद नहीं है। भारत यदि समय के साथ रूस पर अपनी निर्भरता कम करेगा तो यह न केवल यूक्रेन या क्षेत्र के हित में होगा, बल्कि यह भारत के अपने द्विपक्षीय हित में भी होगा, यह हमने रूस के रवैये को देखते हुए महसूस किया है। नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछे गए सवाल के जवाब में अमेरिकी प्रवक्ता ने यह बात कही। नेड प्राइस ने कहा कि अमेरिका ने भारत के साथ हर क्षेत्र में साझेदारी को मजबूत किया है। इनमें आर्थिक, सुरक्षा, सैन्य सहयोग भी शामिल है। भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर बुधवार सुबह ही मॉस्को से लौटे हैं। इससे पहले जयशंकर ने मॉस्को में रूस से तेल आयात को लेकर पूछे गए सवाल पर कहा था कि भारत-रूस संबंध फायदेमंद रहे हैं, इसलिए मैं इसे जारी रखना चाहूंगा। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर दो दिवसीय मॉस्को यात्रा के बाद बुधवार सुबह करीब पांच बजे भारत लौट आए। मॉस्को में उन्होंने रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और रूसी उपप्रधान मंत्री एवं उद्योग और व्यापार मंत्री डेनिस मंटुरोव से मुलाकात और बातचीत की। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ विस्तृत चर्चा के बाद स्पष्ट संकेत दिया कि पश्चिमी ताकतों से बिना प्रभावित हुए भारत, रूस से कच्चे तेल का आयात जारी रखेगा। उन्होंने बताया कि भारत और रूस ने नई दिल्ली के पेट्रोलियम उत्पादों के आयात सहित दोनों देशों के बीच आर्थिक जुड़ाव का विस्तार करने का संकल्प लिया है। मंगलवार को दोनों देशों के विदेश मंत्री के बीच पांचवीं बैठक हुई।

न्यूज़ ब्रीफ

शी जिनपिंग का एलान- सेना को और मजबूत करेंगे, युद्ध की तैयारियों पर चीन का जोर

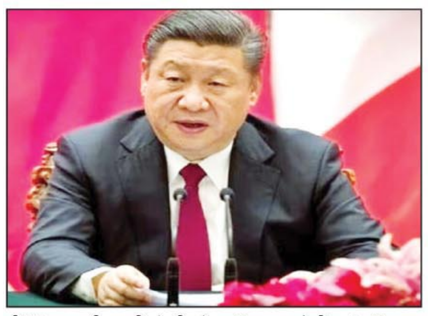

बीजिंग। चीन की तेजी से अस्थिरतर होती आंतरिक सुरक्षा व उसमें बढ़ती अनिश्चितता का हवाला देते हुए राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने युद्ध की तैयारी का एलान किया है। जिनपिंग ने कहा, देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बीजिंग अपने सैन्य प्रशिक्षण और किसी भी युद्ध की तैयारी को व्यापक रूप से मजबूत करेगा। सरकारी मीडिया सीसीटीवी के मुताबिक जिनपिंग ने मंगलवार को एक कमांड सेंटर के निरीक्षण के दौरान सैनिकों के बीच वफादारी और युद्ध की तत्परता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, चीन की सैन्य कमान संरचना का लक्ष्य वफादार, लड़ने में पारंगत, कमान में कुशल और जीतने में सक्षम होना चाहिए। जिनपिंग ने सैन्य नेतृत्व से सैनिक प्रशिक्षण और युद्ध की तैयारी को बढ़ाने व नए युग में अपने मिशनों और कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा करने का भी आह्वान किया। पिछले महीने दोबारा चीन के कमांडर इन चीफ के रूप में चुने जाने के बाद शी पहली बार केंद्रीय सैन्य आयोग के संयुक्त अभियान कमांड सेंटर पहुंचे। शी ने पिछले महीने पार्टी कांग्रेस में 2049 तक चीनी सशस्त्र बलों को 'विश्व स्तरीय' मानकों वाला बनाने की अपनी महत्वाकांक्षाओं की पुष्टि की। उन्होंने कहा, बीजिंग को नियमित आधार पर और विविध तरीकों से सैन्य बलों को तैनात करने में अधिक कुशल बनना होगा। पीएलए को अपने अभियानों को अंजाम देने के लिए दृढ़ और लचीला दोनों रहना होगा। तभी हम आंतरिक सुरक्षा को मजबूती दे पाएंगे, संकटों व संघर्षों को रोकने और स्थानीय युद्ध जीतने में सक्षम बन पाएंगे। कमांड सेंटर निरीक्षण के दौरान जिनपिंग ने दोहराया कि सदी में अनदेखे महान परिवर्तन त्वरित दर से हो रहे हैं। चीन को अवसरों और जोखिमों दोनों के लिए तैयार होना होगा।

ऋषि सुनक के मंत्री पर लगा सहयोगियों को धमकाने का आरोप, कैबिनेट से दिया इस्तीफा

लंदन। ब्रिटेन में ऋषि सुनक को प्रधानमंत्री बने हुए अभी एक महीना भी नहीं हुआ है कि कैबिनेट से

इस्तीफों का सिलसिला शुरू हो गया है। खबर है कि ब्रिटेन के मंत्री गैविन विलियम्सन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन पर अपने सहयोगियों को धमकाने का आरोप लगा है। मंगलवार को प्रधानमंत्री सुनक ने उनके इस्तीफे को मंजूर कर लिया है। सुनक ने कहा है कि मैं समझ सकता हूं कि विलियम्सन ने यह फैसला क्यों लिया है। सुनक की ओर से लिखे गए पत्र में कहा गया है कि मैं मंत्री पद से पीछे हटने के आपके फैसले का समर्थन करता हूं। मैं समझता हूं कि आपने यह फैसला क्यों लिया। आपके व्यक्तिगत समर्थन और वफादारी के लिए आपको धन्यवाद। इससे पहले भी गैविन विलियम्सन को पूर्ववर्ती प्रधानमंत्रियों द्वारा कैबिनेट से बर्खास्त किया जा चुका है। उन्हें रक्षा मंत्री और शिक्षा मंत्री रहते हुए पद से हटाया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रधानमंत्री टेरेसा मे के समय में विलियम्सन पर रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी को धमकाने का आरोप लगा था। तब विलियम्सन रक्षा सचिव थे। वहीं जब वह चीफ व्हिप थे तब उन पर भी कई आरोप लगे थे। बता दें, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के तौर पर ऋषि सुनक को सत्ता संभाले हुए अभी करीब दो सप्ताह ही बीते हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद उन्होंने पहले कैबिनेट विस्तार में विलियम्सन को अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया था।

कैरी ऑन और हैरी पॉटर स्टार लेस्ली फिलिप्स का 98 वर्ष की आयु में निधन

वाशिंगटन। फिल्मों की बेहद लोकप्रिय 'कैरी ऑन' सीरीज में अपनी भूमिकाओं के लिए प्रसिद्ध और 'हैरी पॉटर' में सॉर्टिंग हैट को अपनी आवाज देने वाले ब्रिटिश हास्य अभिनेता लेस्ली फिलिप्स का लंबी बीमारी के बाद 98 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वैराइटी के अनुसार, फिलिप्स ने हैरी पॉटर फिल्मों में सॉर्टिंग हैट को अपनी आवाज दी थी। उन्होंने अपने 80 से अधिक वर्षों के फिल्मी करियर के दौरान 200 से अधिक फिल्मों, टीवी और रेडियो सीरीज में अभिनय किया था। वैराइटी की रिपोर्ट के अनुसार, फिलिप्स के परिवार में उनकी पत्नी जारा हैं। वयोवृद्ध अभिनेता की मृत्यु की पुष्टि उनके एजेंट जोनाथन लॉयड ने की। उन्होंने कहा कि उनका 'नींद में शांति से' निधन हो गया। वह पहले दो स्ट्रोक से बच गए थे। 'कैरी ऑन' सीरीज की सफलता के बाद फिलिप्स ने 'डॉक्टर इन द हाउस', 'टॉम्ब रेडर' और 'मिडसमर मर्डर्स' में अभिनय किया था। उन्होंने 1943 के द्वितीय विश्व युद्ध में रॉयल आर्टिलरी में सेकेंड लेफ्टिनेंट के रूप में लड़ाई भी लड़ी थी, जिसने जर्मनी के शक्तिशाली वेहरमाच को हराया था।

यूक्रेन का पूर्वी क्षेत्र में बड़ा पलटवार रूस के 17 ठिकानों पर साधा निशाना

कीव।
यूक्रेन ने रूसी सेना के खिलाफ बड़ा धावा बोलते हुए देश के पूर्वी क्षेत्र में रूसी सैनिकों के 17 ठिकानों पर हमला कर दिया है। इस हमले में रूसी सैन्य उपकरणों को भारी नुकसान पहुंचाने की बात यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने बताई है। यूक्रेन के पलटवार से रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को तगड़ा झटका लगा है। दूसरी तरफ, यूक्रेन ने रूस पर दक्षिणी शहर खेरसान में खाली घरों को लूटने और सड़क पर लड़ाई के लिए सामान्य नागरिकों के लिबास में सैनिकों के कब्जा करने का आरोप लगाया है। दोनों पक्षों ने कहा है कि यह युद्ध की सबसे महत्वपूर्ण लड़ाइयों में से एक होगी।

कीव इंडिपेंडेंट की पोस्ट के मुताबिक, जनरल स्टाफ ने बताया कि यूक्रेन की सेना ने रूसी सैनिकों और सैन्य उपकरणों, पांच कमांड पोस्ट और लुहांस्क व दोनेस्क क्षेत्र में एक रूसी गोला बारूद डिपो के साथ 17 क्षेत्रों पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि रूसी सैनिक दोनेस्क ओब्लास्ट में क्रास्नोहोरिवका, बखमुत, इवानह्द, ओपितने, क्लिश्चिव्का, मैरींका, पावलिवका, वोदाने और मेयर्स्क में मौजूद थे। वहीं इंस्टीट्यूट ऑफ द स्टडी ऑफ वॉर (आईएसडब्ल्यू) ने कहा कि यूक्रेन में रूसी विफलताओं से सैनिकों और उनके परिवारों में आक्रोश है।

उधर, रूस ने खेरसान पर दोबारा कब्जा करने के लिए यूक्रेनी हमले की प्रत्याशा में नागरिकों को बाहर निकलने के आदेश दिए हैं। इन इलाकों पर रूसी सेना ने फरवरी में किए हमले के बाद कब्जा किया है। दोनों पक्षों ने माना कि करीब तीन लाख की युद्ध पूर्व की आबादी वाले खेरसान में गत 48 घंटों में बिजली और पानी की आपूर्ति नहीं हो रही है।

खेरसान से जबरन निर्वासन को यूक्रेन ने बताया युद्ध अपराध – कीव ने खेरसान क्षेत्र को खाली कराने को जबरन निर्वासन तथा युद्ध अपराध बताया है। जबकि मॉस्को का कहना है कि वह निवासियों को सुरक्षित जगहों पर भेज रहा है। यूक्रेन ने आरोप लगाया कि घरों को खाली कराते वक्त रूसी सेना वहां बुरी तरह से लूटपाट कर रही है और कई जगहों पर चोरी भी की शिकायतें भी आ रही हैं। यूक्रेनी सेना के मुताबिक, करीब 100 दिव्यांग बच्चों को खेरसान क्षेत्र के निप्रियानी में एक चिकित्सा सुविधा से मॉस्को क्षेत्र में ले जाया गया है।

रूस-अमेरिका में हो सकती है पहली परमाणु वार्ता - रूस और अमेरिका पहली बार सामरिक परमाणु हथियारों पर बातचीत कर सकते हैं। मामले पर जारी चर्चा से परिचित चार स्रोतों के हवाले से यह जानकारी दी है। इस जानकारी के मुताबिक, रूस ने 24 फरवरी को यूक्रेन में अपना सैन्य अभियान शुरू करने के बाद से रणनीतिक स्थिरता पर दोनों पक्षों के बीच बातचीत को रोक दिया है। यह वार्ता मध्य-पूर्व में संभव है।

उ. कोरिया ने रूस को गोला बारूद की आपूर्ति करने के आरोपों को लेकर अमेरिका पर साधा निशाना - सियोल। उत्तर कोरिया ने अमेरिका पर रूस को हथियार पहुंचाने की 'मनगढ़ंत कहानी' बनाने का मंगलवार को आरोप लगाते हुए कहा कि उसने रूस को कभी भी गोला बारूद नहीं दिए। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने उत्तर कोरिया पर गुप्त रूप से रूस को गोला-बारूद की आपूर्ति का आरोप लगाया था। उत्तर कोरिया ने कहा, हम अमेरिकी कदमों को देश की छवि खराब करने के शत्रुतापूर्ण प्रयास के रूप में देखते हैं।

बिजली लाइनें नष्ट – यूक्रेन में जिस तरह रूसी सेना लगातार हमले कर रही है उससे पूर्वी और दक्षिणी हिस्से में बिजली और पानी की आपूर्ति प्रभावित हुईहै। यूक्रेन ने इसके लिए रूस को युद्ध अपराध का दोषी ठहराया जबकि रूसी अफसरों ने इसके लिए यूक्रेनी तोड़फोड़ को जिम्मेदार माना है। अब तक 1.5 किमी बिजली लाइनें नष्ट हो गई हैं।

चीन में ड्राइविंग टेस्ट देना है कितना कठिन, जानकर उड़ जाएंगे होश

बीजिंग।
अगर आप गाड़ी चलाना चाहते हैं और आपकी उम्र 18 साल है तो आपको सबसे पहले ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना होता है। लेकिन लाइसेंस ऐसे ही हाथ में नहीं आ जाता, इसके लिए कड़ी परीक्षा से गुजरना पड़ता है। तब जाकर गाड़ी चलाने का लाइसेंस मिलता है। वहीं सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें दिखाया जा रहा है कि चीन में ड्राइविंग लाइसेंस के लिए टेस्ट देना कितना कठिन है।

वीडियो को देखकर हो सकता है आपका सिर चकराने लगे, तानसु येगेन नाम के एक सोशल मीडिया यूजर ने वीडियो को ट्विटर पर पोस्ट किया और लिखा कि चीन में ड्राइवर लाइसेंस परीक्षा स्टेशन। वीडियो अब वायरल हो चुकी है। लोग इस पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। इस वीडियो को अब तक एक करोड़ से ज्यादा लोग चुके हैं।

बेहद कठिन है ड्राइविंग टेस्ट देना

वीडियो में देख सकते हैं कि टेस्टिंग के लिए एक रास्ता बनाया है, उस रास्ते के दोनों तरफ सफेद रंग की पट्टी है जिसकी चौड़ाई भी ज्यादा नहीं है, जिसको कहीं सीधा तो कहीं पर टेढ़ा मेढ़ा बनाया गया है, साथ ही उसमें कई बाधाएं भी हैं, जिसको ड्राइवर को पार करना है। पार्किंग से लेकर आठ बनाने तक इस कठिन रास्ते में शामिल हैं।

वहीं जब ड्राइवर अपना टेस्ट दे रहा है होता है तो वहां आसपास कुछ अधिकारी खड़े होते हैं तो जो यह सुनिश्चित करते हैं कि ड्राइवर की कार सफेद रेखा को छू तो नहीं रही। गाड़ी को उन सफेद रेखा के अंदर ही चलते हुए देखा जा सकता है। अगर सफेद रेखा से कार छुई तो समझो ड्राइवर फेल हुआ।

इस वीडियो के सामने आने के बाद यूजर्स को चौंका दिया है और दूसरों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि चीन में लोगों को ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने में कितना समय लगता होगा। एक यूजर ने लिखा कि यदि आप अपने ड्राइवर के लाइसेंस की परीक्षा देने से डरते हैं, तो आप चीन के इस वीडियो को देखकर घबरा सकते हैं।

मध्यावधि चुनाव में ट्रंप का आरोप- कई मतदाताओं को मतदान करने नहीं दिया गया, वैलेट पेपर में हुई धांधली

वाशिंगटन।
पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को आरोप लगाया कि डेट्रियोट में वैलेट पेपर की भारी कमी थी जिसके चलते कई मतदाता को मतदान करने की अनुमति नहीं दी गई। ट्रंप ने खुद के सोशल मीडिया एप ट्रुथ सोशल पर लोगों से अपील करते हुए कहा कि आपलोग इस कुव्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाएं। मैं आपके साथ हूं। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान धांधली की गई।

ट्रंप ने बताया मतदाता धोखाधड़ी

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल एप पर लिखा और आरोप लगाया कि कि जैसे ही लोग वोट देने के लिए जा रहे हैं वैसे ही अधिकारी उनसे कह रहे हैं कि क्षमा करें, आप पहले ही मतदान कर चुके हैं। ट्रंप ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों का संदर्भ दिया और इसे मतदाता धोखाधड़ी करार दिया। 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के परिणामों के बाद से, ट्रम्प ने महीनों यह दावा करते हुए कि बिताए कि उनके खिलाफ चुनाव में धांधली हुई थी, यह इंगित करते हुए कि जॉर्जिया, एरिज़ोना, पेंसिल्वेनिया और अन्य जगहों पर संदिग्ध वोट डाले गए। इससे पहले चुनाव अधिकारी का हवाला देते हुए बताया कि लगभग 3400 मेल-इन मतपत्रों को गलत जानकारी, गुम तारीखों या गुम गोपनीयता लिफाफों के कारण अस्वीकार किए जाने का खतरा है। फिलाडेल्फिया सिटी कमिश्नर्स की चेयरवूमन लिसा डीली ने इस घटना को पेन्सिलवेनिया के हजारों मतदाताओं के लिए एक वास्तविक त्रासदी है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने मशहूर 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' कैंपेन के तहत समर्थन जुटा रहे हैं। सीएनएन के अनुसार, यह आंदोलन इस धारणा के इर्द-गिर्द बनाया गया है कि बड़े पैमाने पर श्वेत, मजदूर वर्ग के राष्ट्र के सांस्कृतिक मूल्य खतरे में हैं।

नवीनतम रुझानों के अनुसार, रिपब्लिकन 186 सीटों पर आगे चल रहे हैं, जबकि डेमोक्रेट्स प्रतिनिधि सभा में 162 सीटों पर आगे चल रहे हैं। इस बीच, सीनेट में, दोनों दलों के बीच 46 सीटों पर कड़ा मुकाबला है।

फोर्ब्स की 20 एशियाई महिला उद्यमियों की सूची जारी, इन तीन भारतीय महिलाओं का नाम शामिल

सिंगापुर।
फोर्ब्स के नवंबर अंक में प्रकाशित 20 एशियाई महिला उद्यमियों की सूची में तीन भारतीयों को शामिल किया गया है। इस सूची में उन महिलाओं को शामिल किया गया, जिन्होंने कोविड-19 महामारी के चलते पैदा हुई अनिश्चितता के बीच अपने कारोबार को बढ़ाने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की। सूची में स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की चेयरपर्सन सोमा मंडल, एमक्योर फार्मा की कार्यकारी निदेशक नमिता थापर और होनासा कंज्यूमर की सह-संस्थापक तथा मुख्य नवाचार अधिकारी गजल अलघ के नाम शामिल हैं।

फोर्ब्स ने कहा, सूची में शामिल कुछ महिलाएं शिपिंग, रियल स्टेट और निर्माण जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं। अन्य महिलाएं ऑस्ट्रेलिया, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, ताइवान व थाईलैंड से हैं। सोमा मंडल ने एक जनवरी 2021 को सेल के चेयरपर्सन का पद संभाला। एनआईटी, राउरकेला से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक, सोमा ने नालको में ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी के रूप में करियर शुरू किया और वहां डायरेक्टर (कमर्शियल) के पद तक पहुंचीं।

गजल अलघ का जन्म हरियाणा के गुरुग्राम में हुआ। उन्होंने पंजाब विवि से स्नातकोत्तर किया और 2016 में अपने पति वरुण अलघ के साथ मिलकर होनासा कंज्यूमर प्राइवेट लिमिटेड की सह-स्थापना की। नमिता थापर फार्मा कंपनी एमक्योर की सीईओ हैं। महाराष्ट्र में जन्मीं थापर आईसीएआई से चार्टर्ड अकाउंट की डिग्री लेने के बाद वह अमेरिका चली गईं। वहां बिजनस का अनुभव लेकर वह भारत लौटीं और उनकी कुल नेटवर्थ 600 करोड़ रुपये है। अमेरिका की कंसास यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस की प्रोफेसर पवित्रा प्रभाकर को नकारात्मक यूजर अनुभवों को कम करने वाला टूल डिजाइन करने के लिए 'अमेजन रिसर्च अवार्ड' मिला है।

नेपाल में साल का सबसे बड़ा भूकंप, सेना मैदान में उतरी, अब तक क्या हुआ

काठमांडू।
नेपाल में दरम्यानी रात भूकंप आया। तीव्रता 6.6 थी। समय हो रहा था 2 बजकर 12 मिनट। अचानक धरती डोलने की घटना ने लोगों को नींद से उठा दिया। डरे सहमे लोग घरों से बाहर निकल आए। कुछ देर बाहर रहे और बाद में फिर जाकर सो गए।

लेकिन अब तक भूकंप अपना काम कर चुका था। सुबह जब अंधेरा छंटा, तो पता चला कि भूकंप के कारण कई जगहों पर भूस्खलन की घटना हुई है। दर्जनों घर तबाह हो गए और करीब छह लोगों की मौत की पुष्टि की गई। बचाव व राहत कार्य के लिए सेना को लगाया गया, जो अब तक मलबे से दबे घायलों को निकालने में जुटी हुई है। आंकड़ों पर गौर करें तो यह नेपाल में इस साल आए सबसे ज्यादा तीव्रता का भूकंप था।

दरम्यानी रात नेपाल में आए भूकंप ने पूरे उत्तर भारत को हिला कर रख दिया। वैज्ञानिकों के मुताबिक, भूकंप का केंद्र जमीन से 10

किलोमीटर नीचे इसका केंद्र पिथौरागढ़ से 90 किलोमीटर दूर पूर्व-दक्षिण-पूर्व की तरफ नेपाल में था। इसकी तीव्रता 6.6 रही, जो नेपाल में इस साल आया सबसे ज्यादा तीव्रता का भूकंप था। नेपाल के सीस्मोलॉजी विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, दो दिनों में तीसरी बार भूकंप के झटके महसूस हुए। देर रात आए भूकंप से पहले पहले मंगलवार को दोती जिले में स्थानीय समयानुसार करीब 9 बजकर 56 मिनट पर 4.1 तीव्रता का भूकंप आया। वहीं, 9 बजकर 7 मिनट पर 5.7 तीव्रता का भूकंप आया था। ये झटके भी दोती जिले में ही महसूस किए गए।

छह की मौत, पांच घायल

दोती जिले की चीफ डिस्ट्रिक ऑफिसर कल्पना श्रेष्ठा ने बताया, छह लोगों की मौत के अलावा पांच लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं अलग-अलग जगहों पर एक दर्जन से ज्यादा घर भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। वहीं मृतकों में एक महिला व दो बच्चे शामिल हैं। हालांकि, उनकी पहचान किया जाना बाकी है।

सेना को बुलाना पड़ गया

नेपाल में आए इस भूकंप के बाद सेना को बुलाना पड़ गया। अधिकारियों का कहना है कि कुछ क्षेत्रों में ज्यादा नुकसान की सूचना है। अभी तक जिन घरों के क्षतिग्रस्त होने की जानकारी मिली है, वहां सेना व अन्य राहत टीमों के द्वारा बचाव अभियान चलाया जा रहा है। इसके अलावा अन्य जगहों पर भी हुए नुकसान की जानकारी ली जा रही है।

प्रधानमंत्री ने क्या कहा

भूकंप के बाद नेपाली पीएम ने ट्वीट कर कहा, भूकंप में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। मैंने संबंधित एजेंसियों को प्रभावित क्षेत्रों में घायलों और पीड़ितों के तत्काल और उचित उपचार की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

नेपाल में इस साल आए 28 भूकंप

नेपाल में इस साल 28 भूकंप आए हैं। इसमें सबसे ज्यादा तीव्रता का भूकंप कल रात आया। इससे पहले 31 जुलाई 2022 को खोतांग जिले में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया था। इसके अलावा 19 अक्तूबर को भी 5.9 तीव्रता के झटके महसूस किए गए थे।

भारत जोड़ो यात्रा

अलवर के मलाखेड़ा में होगी राहुल की सबसे बड़ी जनसभा, तैयारियां शुरू

अलवर (हिंस)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं कारागार मंत्री टीकाराम जूली ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी की आगामी माह की 19-20 दिसंबर को प्रस्तावित भारत जोड़ो यात्रा की ऐतिहासिक विशाल जनसभा अलवर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि 19 दिसंबर को भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान के दौसा जिले के बसवा के रास्ते होते हुए अलवर जिले में प्रवेश करेगी। आज कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारियों के साथ मालाखेड़ा में राज्य स्तरीय सभा के लिए जगह चिन्हित करने के लिए मौका मुआयना किया गया। उन्होंने बताया कि राज्य की सबसे बड़ी विशाल जनसभा मालाखेड़ा में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि यात्रा के राजस्थान संयोजक मंत्री गोविन्दराम मेघवाल एवं राहुल गांधी की यात्रा की जिम्मेदारी संभाल रहे उनके निजी सचिव सुशांत सिंह व पार्टी पदाधिकारियों के साथ राहुल गांधी की यात्रा के दौरान किए जाने वाले रात्रि प्रवास को लेकर मालाखेड़ा, राजगढ़, सुरेर व रामगढ़ क्षेत्र का दौरा किया। टीम ने तैयारियों का एक रोड मैप तैयार किया है। रोड मैप पर मंथन कर व्यवस्थाओं व कार्यक्रम को शीघ्र ही अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 4 दिसंबर को राजस्थान प्रदेश के कोटा, झालावाड़ के रास्ते यह यात्रा राजस्थान में प्रवेश करेगी। तत्पश्चात रामगढ़ नौगांवा होते हुए भारत जोड़ो यात्रा हरियाणा पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि कन्याकुमारी से शुरू हुई इस यात्रा से पूरे देश में उत्साह का माहौल है। ना केवल कांग्रेसी बल्कि सभी भारत वासियों में भारत जोडो इस यात्रा से एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

गौमांस से भरा कैंटर समेत दो गिरफ्तार

जींद (हिंस)। नरवाना खंड के गांव बद्दोवाला के टोल प्लाजा पर बीती रात गौसेना पुत्रों ने गो मांस व गो अवशेषों से भरे कैंटर के साथ दो तस्करों काबू किया है। शहर थाना नरवाना पुलिस ने पकड़े गए दोनों तस्करों के खिलाफ गोवंश संरक्षण तथा धार्मिक भावनाएं भड़काने के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गौ सेना पुत्र के भगत सिंह कालोनी निवासी प्रमोद ने पुलिस को दी शिकायत मे बताया की उन्हें सूचना मिली थी कि हिसार की तरफ से कैंटर में गौमांस को तस्करी कर यूपी ले जाया जा रहा है। जिसके आधार पर गौ पुत्र सेना ने गांव बद्दोवाला के निकट टोल प्लाजा पर नाकेबंदी कर दी। कुछ समय के बाद गौ सेना पुत्रों ने सामने से आ रहे कैटर को रोक कर तलाशी ली तो उसमें गौ मांस व गौ अवशेष पाए गए। गौ सेना पुत्रों ने कैटर सवार दो तस्करों को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस पूछताछ मे पकड़े गए तस्करों की पहचान गांव गंगो उत्तर प्रदेश निवासी मुमताज तथा दिलदार के रूप में हुई। शहर थाना नरवाना पुलिस ने पकड़े गए दोनों तस्करों के खिलाफ हरियाणा गौवंश संवर्धन एक्ट तथा धार्मिक भावनाएं भड़काने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राज्य का दर्जा जम्मू-कश्मीर के लोगों का अधिकार है : गुलाम नबी आजाद

जम्मू। चिनाब घाटी के अपने चौथे दिन के दौरे पर, डेमोक्रेटिक पार्टी के अध्यक्ष जी एन आजाद ने आज चंगा भलेसा और गली बटोली में विशाल सभाओं को संबोधित किया। दोनों जगहों पर हजारों लोगों ने आजाद का स्वागत किया। उन्होंने चंगा भेलेसा में जनसभा को संबोधित करते हुए, जो कि आजाद की मूल गति है, लोगों को आश्वासन दिया कि विशेष रूप से भेलेसा में और पूरे राज्य में विकास के सभी लंबित कार्यों को पहले की तुलना में अधिक तेजी से निष्पादित किया जाएगा। उन्होंने बेरोजगारी की समस्या का उल्लेख करते हुए युवाओं की बेरोजगारी और श्रमिक वर्ग के लिए अवसरों की पूर्ण कमी के बारे में भी अपनी बड़ी चिंता व्यक्त की। उन्होंने लोगों से वादा किया और कहा कि हमें इन विकट समस्याओं का प्रभावी समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करना होगा। गली बटोली में एक अन्य विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए, आजाद ने अनुसूचित जनजाति के लोगों के सामने आने वाली समस्याओं के बारे में अपनी गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने आगे कहा कि आम तौर पर लोगों को सरकार की तरह प्रभावी प्रशासनिक सरकार की जरूरत होती है। राज्य के लोगों द्वारा उनके मुख्यमंत्रित्व काल की संक्षिप्त अवधि के दौरान देखा गया। उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार द्वारा राज्य का दर्जा देना हमारे लोगों का अधिकार है और सरकारी नौकरियों और स्थानीय लोगों के लिए जमीन की पूरी गारंटी है। उन्होंने यह भी कहा कि मेरी डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। मेरा राज्य, उन्होंने यह भी कहा कि, हमारी समस्याएं समान हैं जैसे हमें इन समस्याओं से मिलकर लड़ना है। इन जनसभाओं में सभी समुदायों के लोगों ने भाग लिया।

जेपी के बयान पर सैलजा समर्थक हुए लाल

हिसार (हिंस)। आदमपुर उपचुनाव में हार के बाद कांग्रेस प्रत्याशी जयप्रकाश द्वारा कांग्रेस की पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कुमारी सैलजा पर उंगली उठाने का मामला अब उनके गले की फांस बन गया है। कुमारी सैलजा के समर्थकों ने इसके लिए जयप्रकाश को आड़े हाथों लेते हुए इस हार का ठीकरा खुद उनके सिर पर फोड़ा है। एचपीसीसी के सदस्य डॉ. अजय चौधरी, मुख्यमंत्रियों के सलाहकार रहे मास्टर हरिसिंह, कांग्रेस लीगल सैल के प्रदेश चेयरमैन एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने कहा कि कुमारी सैलजा कांग्रेस की समर्पित सिपाही है और उन पर उंगली उठाना सीधे तौर पर कांग्रेस का ही अपमान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी रहे जयप्रकाश जिस समय की बात कर रहे हैं, उस समय कुमारी सैलजा अपनी पिता की पुण्यतिथि पर हवन यज्ञ में बैठी थी और हवन के उपरांत उन्होंने पूरी तन्यमता के साथ जयप्रकाश के साथ बात की और मीडिया के सामने भी उन्हें ही पहले बोलने का मौका दिया था और पार्टीजनों को भी कहा कि इनका समय कीमती है इन्हें जल्दी जाने दें।

एचएस धामी बने एसजीपीसी के प्रधान

चंडीगढ़ (हिंस)। सिखों की मिनी पार्लियामेंट की पहचान रखने वाले शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष पद के लिए बुधवार को हुए मतदान में अकाली दल समर्थित प्रो. हरजिंदर सिंह धामी निर्वाचित हुए हैं। धामी ने अपनी विरोधी एवं अकाली दल से बागी होकर चुनाव लड़ रही बीबी जागीर कौर को 62 वोटों से पराजित किया। जागीर कौर के चुनाव मैदान में उतरने के बाद एसजीपीसी अध्यक्ष पद के लिए 23 साल बाद वोटिंग हुई है। जागीर कौर चार बार एसजीपीसी की प्रधान रह चुकी हैं। इस बार अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ने के मुद्दे पर उनका अकाली दल के साथ मतभेद इतना बढ़ा कि अकाली दल ने उन्हें पार्टी से निकाल दिया। एसजीपीसी के कुल 185 सदस्य हैं। जिसमें से 170 का चुनाव होता है, जबकि 15 को नामजद किया जाता है। 26 सदस्यों की मौत होने तथा दो सदस्यों के इस्तीफा देने के बाद आज अध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में कुल 157 सदस्यों ने भाग लिया। एसजीपीसी में कुछ सदस्य सांसद सिमरनजीत सिंह मान के नेतृत्व वाली अकाली दल अमृतसर से भी संबंधित थे। वोटिंग शुरू होने से ठीक पहले अकाली दल अमृतसर ने वोटिंग से किनारा कर लिया।दरबार साहिब स्थित तेजा सिंह समुंदरी हॉल में हुए मतदान के दौरान एचएस धामी को 104 वोट तथा बीबी जागीर कौर को 42 वोट मिले। एसजीपीसी चुनाव में पहले भी कई बार उम्मीदवार बागी होकर लड़ते रहे हैं, लेकिन यह पहला मौका जब जागीर कौर को पूर्व प्रत्याशियों के मुकाबले अधिक वोट मिले हैं।

मुस्लिम युवक पर छात्रा को बहका कर ले जाने का आरोप सर्व समाज का विरोध-प्रदर्शन

अलवर (हिंस)। शहर के पास तूलेड़ा गांव से एक छात्रा को बहला फुसला कर ले जाने का आरोप मुस्लिम समाज के युवक पर लगा है। जिसके विरोध में बुधवार की सुबह बजरंज दल, ब्रज भूमि कल्याण परिषद सहित हिन्दू समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। विरोध स्वरूप घोड़ा फेर चौराहे से कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली। ब्रज भूमि कल्याण परिषद के संयोजक डॉ. पंकज गुप्ता ने पुलिस प्रशासन को चेताया कि छात्रा को उसके परिजनों को सुपुर्द किया जाए ताकि सही व गलत के बारे में उसकी समझ बने या उसे नारी निकेतन भेज दिया जाए। ऐसा नहीं किया गया तो सर्व समाज के लोग गुरुवार को वापस शहर में एकत्रित होंगे। यह लव -जिहाद बिलकुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने राजस्थान सरकार पर समाज विशेष के लोगो को संरक्षण देने का आरोप लगाया। विरोध करने वालों में पूर्व मंत्री डॉ. जसवंत यादव, बजरंग दल के जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह राजावत, संयोजक संजय पंडित, नरेश धानावत सहित काफी संख्या में अनेक लोग मौजूद रहे। 3 नवंबर को 21 वर्षीय छात्रा कोचिंग की कहकर लापता हो गई। जिसे सीकर से सदर थाना पुलिस ने दस्तांयाब कर लिया। थानाधिकारी दिनेश मीणा ने बताया कि सदर थाना इलाके के रहने वाले एक व्यक्ति ने 4 नवंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी 21 वर्षीय बेटी 3 नवंबर को सुबह 8 बजे कोचिंग जाने की बात कहकर गई थी। वह वापस घर नहीं लौटी। मोबाइल कॉल डिटेल के आधार पर पुलिस सोमवार रात को सीकर जिले के गांव लोसल पहुंची और वहां से युवती को बरामद कर अलवर लाई।

जीडी शर्मा आयोग की रिपोर्ट पर नाराज जम्मू-कश्मीर के गुज्जर और बकरवाल संगठन

जम्मू। गुज्जर और बकरवाल संगठनों के एक समूह ने जम्मू में जम्मू और कश्मीर गुज्जरों और बकरवाल संगठन समन्वय समिति के संयुक्त बैनर के तहत एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की। जीडी शर्मा आयोग की रिपोर्ट पर विभिन्न संगठनों के प्रमुखों ने नाराजगी व्यक्त की और इसे पूरी तरह से आधारहीन पक्षपाती और अनुसूचित जनजाति, ओबीसी और लोगों के वंचित वर्गों के हितों के खिलाफ बताया। विरोध के संकेत के रूप में अपनी बाहों पर *काले बैज* बांधने वाले गुज्जर नेताओं ने भी भारत के रजिस्ट्रार जनरल और जनजातीय मंत्रालय के आचरण पर अपना पूर्ण असंतोष व्यक्त किया है और दोनों मंचों से अनुसूचित जनजाति का दर्जा प्रदान करने के लिए अपनी मंजूरी वापस लेने की अपील की है। गुज्जर नेताओं ने जीडी शर्मा आयोग के सदस्यों के पक्षपातपूर्ण रवैये की निंदा की और आयोग, आरजीआई और जनजातीय मंत्रालय पर सवाल उठाया कि तथाकथित *पहाड़ियों* को एक जातीय समूह कैसे कहा जा सकता है और उनकी जातीयता क्या है और यह शब्द कैसे रहा है आयोग द्वारा तैयार और उपयोग किया जाता है।

बढ़ती उम्र में वोट डालने का क्रेज लोकतंत्र के महापर्व की खूबसूरती

सोनीपत (हिंस)। बढ़ती उम्र में वोट डालने का क्रेज लोकतंत्र की खूबसूरती है। गुलाब सिंह 85 वर्ष के हैं जबकि रुकमण 80 साल की यह वृद्ध कहते हैं कि वोट इसलिए डालना जरुरी क्योकि इससे हम अपने राष्ट्र भविष्य चुनते हैं। वोट डालने के बाद किसी को दोष नहीं दे सकते कि यह सरकार कैसी बनी। वोट-वोट डाल कर आए और स्याही का निशान दिखाया कि हमने अपने लोकतंत्र के महापर्व मत की आहुति डाल दी है। युवाओं के साथ महिलाओं और बुजुर्गों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उम्र के आखिरी पड़ाव में जहां वृद्ध मतदाताओं का उत्साह देखने लायक था, वहीं पहली बार मताधिकार के प्रयोग का अवसर मिलने पर युवा मतदाता भी खुश दिखाई दिए। तेवड़ी के 80 वर्षीय सूबे सिंह ने जोश भरे स्वर में कहा कि प्रजातंत्र में वोट के अपने अधिकार का प्रयोग किया जो भारत के संविधान ने उनको दिया है। चुनाव कोई भी हो मत का महत्व कम नहीं होता। भैंसवाल कलां की 73 वर्षीय वृद्ध महिला चमेली देवी अस्वस्थ होते हुए भी मतदान के लिए पहुंची।

खाद की कमी व कालाबाजारी पर भड़के किसान

यमुनानगर (हिंस)। भारतीय किसान यूनियन जिला कार्यकारिणी के सदस्य डीएपी खाद की कमी व कालाबाजारी की शिकायत को लेकर बुधवार को उपमंडल कृषि अधिकारी के कार्यालय शिकायत करने पहुंचे। इस मौके पर भाकियू के जिला प्रधान सुभाष गुर्जर ने कहा कि किसानों को मिलने वाली डीएपी खाद समय पर नहीं मिल रही है। जो खाद डीलर पर आ रही है वो खाद किसानों को पूरी नहीं दी जा रही है। उस खाद को ग्लू बनाने वाली फैक्ट्रियों में कालाबाजी कर बेचा जा रहा है। कुछ दिन पहले ही एक ट्राली से कृभको कंपनी के 90 खाद के बैग किसानों ने फैक्टरी के बाहर पकड़े। जिसको लेकर ट्राली के ड्राइवर को भी पुलिस ने पकड़ लिया। उन्होंने कहा कि डीएपी खाद की कालाबाजारी करने वालों आरोपित डीलर का लाइसेंस रद्द किया जाए। कृषि विभाग की जिम्मेदारी है कि खाद की सप्लाई किसानों को पूरी सप्लाई दें ताकि बिजाई के समय किसान लोगों की खाद मिल सके। उन्होंने कहा कि अगर अधिकारी कालाबाजारी करने वाले डीलर को लेकर सख्त करवाई नहीं करते और ना ही उनका लाइसेंस करते हैं तो भारतीय किसान यूनियन इस मुद्दे को लेकर किसान हित में सड़कों पर उतरेंगे। वही भाग के उप मंडल अधिकारी ने कहा कि किसानों को खाद की किसी तरह की सप्लाई में कोई कमी आना नहीं दी जाएगी। और डीलरों को दी जा रही खाद के स्टॉक में कोई कमी पाई गई काला बाजारी करते हुए पाए गए तो उनके लाइसेंस रद्द कर दिया जाएंगे।

शिवसेना की एलजी से सीआईसी ऑपरेटरों और डेलीवेजरों को राहत देने की मांग

जम्मू। शिवसेना जम्मू-कश्मीर ईकाई प्रमुख मनीश साहनी ने सीआईसी ऑपरेटरों और डेलीवेजरों की मांगों पर तुरंत राहत देने की मांग की है। पार्टी प्रदेश कार्यालय जम्मू में आज पत्रकारों से विशेष बातचीत करते हुए प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी ने सरकारी कर्मचारियों के लिए डीए में 4 फीसद बढ़ोतरी की घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि डेलीवेजरों तथा आरडीडी में काम कर रहे सीआईसी ऑपरेटरो की मांगों के प्रति भी तत्काल ध्यान देते हुए उन्हें राहत दी जानी चाहिए। साहनी ने कहा कि बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पिछले 19 वर्षों से अनुबंध के आधार पर आरडीडी में काम कर रहे सीआईसी ऑपरेटरों को कोई राहत नहीं मिली है। यह कर्मचारी मात्र 333 रूपए प्रति दिन (10 हजार रुपए प्रति माह) के अल्प वेतन पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं और पिछले 12 वर्षों से इनके वेतन में कोई वृद्धि नही हुई है। लगभग सभी पदधारियों ने 45 वर्ष और उससे अधिक की आयु पार कर ली है। यह सीआईसी ऑपरेटरों एमसीए, एमटेक, एमएससी-आईटी, बीई और बीटेक जैसी योग्यता प्राप्त हैं। जो ई-ग्राम-स्वराज, एसबीएम, पीएमएवाई, पीपुल्स प्लान कैंपेन और अन्य ई-गवर्नेंस से संबंधित महत्वपूर्ण योजनाओं के विभागीय पोर्टलों के ऑनलाइन काम को संभाल रहे हैं। वर्ष 2003-04 में उचित विज्ञापन के बाद सीआईसी संचालकों की नियुक्ति खुली प्रतियोगिता के माध्यम से की गई थी। 172 सीआईसी ऑपरेटर वर्तमान में 2004 से अनुबंध के आधार पर अलप वेतन पर काम कर रहे है। साहनी ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल से इनकी मांगों के हक में निर्णय लेने की मांग की है।

कश्मीर से दर्जनों लोगों ने थामा शिवसेना का दामन

जम्मू। शिवसेना जम्मू-कश्मीर ईकाई द्वारा जारी सदस्यता अभियान को जनता से भरपूर समर्थन एवं सहयोग मिल रहा है।कश्मीर संभाग के जिला बांदीपोरा में आज आयोजित एक कार्यक्रम मे दर्जनों स्थानीय लोगों ने शिवसेना के जन कार्यों से प्रभावित होकर पार्टी का दामन थामा। पार्टी मध्यवर्ती कार्यालय जम्मू से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्रदेश प्रमुख मनीश साहनी के निर्देशानुसार कश्मीर संगठक अब्दुल्ला रशीद की अध्यक्षता में कश्मीर संभाग के बांदीपुर जिले में आयोजित एक कार्यक्रम में विभिन्न दलों से करीब दो दर्जन लोग शिवसेना में शामिल हुए। अब्दुल्ला रशीद ने शिव बंधन एवं पार्टी निशान के साथ इनका स्वागत किया और इन्हें समाज एवं जन मुद्दों पर जोरशोर से आवाज बुलंद करने के निर्देश दिए गए।

एक्शन में दिखे विधायक राजेश नागर, अधिकारियों को लगाई फटकार

फरीदाबाद (हिंस)। तिगांव से भाजपा विधायक राजेश नागर बुधवार फिर कड़े मूड़ में दिखे। सेक्टर 37 अशोका एन्कलेव पार्ट 2 से उन्हें लोगों की शिकायत मिली कि उनके यहां सीवर की समस्या विकराल रूप ले गई है और निगमकर्मी उनकी नहीं सुन रहे हैं। यह सुनने के बाद विधायक राजेश नागर मौके पर ही पहुंच गए और लोगों से उनकी तकलीफों की जानकारी ली। उन्हें बताया गया कि सीवर जाम होने के कारण ओवरफ्लो हो रहा है और सीवर का पानी सड़कों पर भर रहा है। जिसके कारण लोगों को बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

घाटी में बर्फबारी, तो जम्मू में बारिश ने बढ़ाई ठंड

जम्मू। जम्मू मैं हुई बारिश ने मौसम का मिजाज पूरी तरह से बदल दिया है और जम्मू-कश्मीर में ठंड ने अपनी दस्तक दे दी है। पिछले 24 घंटों के दौरान मैदानी इलाकों में बारिश और कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फ बारी हुई है। तो जम्मू में बारिश हुई है। मौसम विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि अगले 24 घंटों के दौरान मैदानी इलाकों में हल्की से बारिश और कश्मीर के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी होने की संभावना है। गुलमर्ग और सोनमर्ग के हिल स्टेशनों में सीजन की पहली बर्फ बारी हुई। पहाड़ों से मैदानी इलाकों में ठंडी हवा चलने से न्यूनतम

तापमान में और गिरावट आई है। लोगों ने गर्म कपड़े पहनना शुरू कर दिया है। वहीं न्यूनतम तापमान श्रीनगर में 6.4, पहलगाम में 3.2 और गुलमर्ग में माइनस 2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लद्दाख क्षेत्र के द्रास शहर में न्यूनतम तापमान शून्य से 0.9 नीचे, कारगिल में 0.2 और लेह में शून्य से 3 नीचे दर्ज किया गया। जम्मू में न्यूनतम तापमान 18.7, कटरा में 16.4, बटोटे में 9.4, बनिहाल में 8 और भद्रवाह में 8.6 रहा। जम्मू मैं आज हुई बारिश ने लोगो को ठंड का एहसास करवा दिया है। कई जगह लोग आग भी सकते नजर आए ताकि ठंड से बच जा सके।

No. MCH/HMS/2022/279/10,

NOTICE INVITING FOR e-TENDER

Sealed e-Tenders are invited from the intending Supplier/Manufacturer/Accredited Dealers **for Supply of Radiological Items under HMS, Gauhati Medical College Hospital, Guwahati-32.**

The e-tenders must be uploaded in two parts (i) Technical bid (ii) Financial bid separately. And also submit the hard copy of the technical bid in the drop box. No need to submit hard copy of the Financial bid in the drop box.

The Technical Bid to be submitted with affixing Court Fee Stamp Rs.8.25 (Rupees eight point two five paisa) only (for local bidders) or IPO of Rs. 10/- (Rupees Ten) only (in case of bidders from outside of the State of Assam) in favour of the "Member Secretary, Hospital Management Society, Gauhati Medical College Hospital, Guwahati-78 1032.

Important dates of the e-Tender

1. Schedule A

Sl. No.	Scheduled	Start Date	Start Time	End Date	End Time
1.	e-Tender Publishing	09/11/2022	-	-	-
2.	e-Tender Download	09/11/2022	4:00 PM	30/11/2022	11:00 AM
3.	Pre-Bid meeting	14/11/2022	3:00 PM	**Office of the Superintendent, Gauhati Medical College Hospital, Guwahati-32**	
4.	Bid Submission	18/11/2002	1:00 PM	30/11/2022	12:00 Noon
5.	Bid Opening	30/11/2022	1:00 PM		

2. Schedule B

Sl. No.	Bid Security (E.M.D.) through online Payment mode	Delivery/ Installation Schedule	Tender fees in Rs. through online payment mode	Eligibility
1.	Rs. 50,000/- (Fifty Thousand only)	**72 hrs.**	Rs. 2,000/- (Two Thousand only)	Intending Supplier/ Manufacturer/ Accredited Dealers

All other relevant information and the detailed Bid Documents are available on website **www.assamtenders.gov.in** and can be viewed from 09/11/2022. The Superintendent cum Member Secretary reserves the right to reject all or any tender without assigning any reason and is not bound to accept the lowest rate.

Superintendent cum Member Secretary
HMS, Gauhati Medical College Hospital
Guwahati-32

-- Janasanyog /C/ 13555 /22

नायका फैशन की ब्रांड एंबेसडर बनीं जाह्नवी कपूर : कंपनी ने कहा– जान्हवी एक ट्रू मॉडर्न स्टाइल आइकन, एक्ट्रेस बोलीं– बेहद उत्साहित हूं

नई दिल्ली।
नायका फैशन ने बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर को अपना ब्रांड एंबेसडर अनाउंस किया। जाह्नवी अब पहली बार एक कैंपेन फिल्म वन नायका टू ऐप्स: टू ऐप्स, डबल द फन में नजर आएंगी। अब तक जाह्नवी नायका ब्यूटी के ही ऐड्स में नजर आती थीं। हालांकि, एक्ट्रेस अब नायका फैशन को भी प्रमोट करते दिखाई देंगी। इसी के चलते कैंपेन का नाम वन नायका टू ऐप्स: टू ऐप्स, डबल द फन रखा गया है। नायका के इस कैंपेन के ऐड्स को यूट्यूब समेत सोशल मीडिया पर भी जारी किया गया है। नायका की को-फाउंडर और नायका फैशन की सीईओ अद्वैता नायर ने कहा कि जान्हवी एक ट्रू मॉडर्न स्टाइल आइकन हैं, जिन्होंने पहले ही नायका के साथ ब्यूटी गेम में अपनी पहचान बना ली है। नायर ने आगे कहा, मैं जाह्नवी के साथ अपने जुड़ाव को और भी मजबूत करने और नायका के लिए ब्रांड लव बनाने के लिए उत्साहित हूं। जाह्नवी ने कहा कि नायका के साथ उनका रिश्ता न केवल प्रोफेशनली, बल्कि पर्सनली रूप से भी बेहद खास है। उनके लाखों कंज्यूमर्स में से एक के रूप में उन्होंने ब्रांड द्वारा पेश किए गए विकल्पों से हमेशा खुद को सशक्त महसूस किया है। जाह्नवी ने कहा, मैं एक बहुत बड़ी फैशन एंथूजियास्ट हूं और नायका फैशन के साथ साझेदारी करने के लिए मैं बेहद उत्साहित हूं।

नायका फैशन, नायका का एक मल्टी-ब्रांड ई-कॉमर्स फैशन ऑफरिंग है। यह भारत में तेजी से बढ़ते फैशन प्लेटफॉर्म में से एक है। इसमें हर कंज्यूमर्स को लूभाने के लिए विमेन, मेन, किड्स और होम कैटेगरी में 1,600 से ज्यादा ब्रांड्स और 5.1 मिलियन स्टॉक-कीपिंग यूनिट्स हैं। कुछ दिन पहले ही नायका ने अपने दूसरी तिमाही के रिजल्ट्स अनाउंस किए थे। इस तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 330प्रतिशत बढ़कर 5.2 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 1 करोड़ रुपए था। नायका ने 30 सितंबर 2022 को 2 नए फैशन स्टोर्स खोले थे। इसके साथ ही अब कंपनी के 53 शहरों में टोटल 124 स्टोर्स हो गए हैं। रिजल्ट अनाउंस होने के बाद नायका के शेयर में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है।

न्यूज ब्रीफ

जकरबर्ग ने छंटनी की खबरों पर लगाई मुहर, जो निकाले जाएंगे उन्हें मिलेगा चार महीने का वेतन

नई दिल्ली । मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने कंपनी के सैकड़ों कर्मचारियों से सोमवार को बातचीत की। बातचीत में उन्होंने मेटा में होने जा रही छंटनी को कन्फर्म कर दिया है। इस दौरान उन्होंने कर्मचारियों को बताया कि बुधवार सुबह से कंपनी में छंटनी की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। एक डाउनकास्ट मीटिंग के दौरान उन्होंने कहा कि कंपनी की ओर से उठाए गए गलत कदमों के लिए वे जिम्मेदार है। कंपनी के विकास के लिए उनके अति आशावादी दृष्टिकोण के कारण उन्होंने जरूरत से अधिक कर्मचारी भर्ती किए। वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के अनुसार जकरबर्ग के साथ मीटिंग में शामिल एक कर्मी ने इस बात की पुष्टि की है। खबरों के अनुसार मेटा में हजारों कर्मचारियों की छंटनी शुरू हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार जिन कर्मचारियों की छंटनी की जानी है, उन्हें कम से कम चार महीने का वेतन मिलेगा। जकरबर्ग ने छंटनी का सामना करने वालों में भर्ती और व्यावसायिक टीम के सदस्यों के होने का उल्लेख किया है। रिपोर्ट के अनुसार छंटनी योजना की आंतरिक घोषणा बुधवार सुबह करीब 6 बजे होने की आशंका है। बैठक से परिचित लोगों के अनुसार मेटा के मानव संसाधन प्रमुख लोरी गोलर ने समूह को बताया कि जो कर्मचारी अपनी नौकरी खो देंगे, उन्हें कम से कम चार महीने का वेतन दिया जाएगा।

एचसीएल-रिलायंस साथ मिलकर बनाएंगी सेमीकंडक्टर, आईएसएमसी में दोनों खरीद सकती हैं 30-30 फीसदी हिस्सा

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और एचसीएल टेक्नोलॉजीज सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में उतर सकती हैं। दोनों कंपनियां आईएसएमसी एनालॉग में 30-30 फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए बात कर रही हैं। केंद्र सरकार ने सेमीकंडक्टर की मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए कई रियायतों की घोषणा की है। इससे सेमीकंडक्टर क्षेत्र में घरेलू कंपनियों की दिलचस्पी बढ़ रही है। आईएसएमसी एनालॉग में रिलायंस और एचसीएल 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर सकती हैं। इसके लिए दोनों कंपनियों की अलग-अलग बातचीत चल रही है। अगर यह सौदा होता है तो रिलायंस और एचसीएल आईएसएमसी एनालॉग में जगह पा सकती हैं। रिलायंस के इस सौदे का मकसद यह है कि वह सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन का ज्यादातर हिस्सा देश में तैयार करना चाहती है। रिलायंस अभी गूगल के साथ श्रीपेरंबदुर और तिरुपति में फीचर फोन और स्मार्टफोन बनाती है। सेमीकंडक्टर चिप्स का फोन में भी इस्तेमाल होता है। भारत में सेमीकंडक्टर बाजार 16-18 फीसदी चक्रवृद्धि दर से बढ़ रहा है। इसमें खासतौर पर डिजिटल इकॉनमी के रफ्तार पकड़ने से तेजी आई है। भारत से बड़े पैमाने पर सेमीकंडक्टर के निर्यात की भी संभावना है।

सुधा मूर्ति व संभाजी भिड़े की मुलाकात पर उठे सवाल, एक कार्यक्रम में पैर छूने का है मामला

नई दिल्ली । दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के संस्थापक नारायणमूर्ति की पत्नी और लेखक सुधा मूर्ति का महाराष्ट्र में एक दक्षिणपंथी संगठन के नेता के सामने झुकते हुए दिखाने वाला एक वीडियो वायरल हो गया है, जिस पर लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। वीडियों में सुधा मूर्ति दक्षिणपंथी विचारक संभाजी भिड़े के पैर छूते हुए दिखाई दे रही हैं। बता दें कि हाल ही में राज्य महिला आयोग ने एक महिला पत्रकार से बात करने से इनकार करने के लिए संभाजी भिड़े को नोटिस दिया था। खबरों के अनुसार महिला पत्रकार ने माथे पर बिंदी नहीं लगाई थी, इसलिए संभाजी भिड़े ने बातचीत से इनकार कर दिया था। भिड़े ने महिला पत्रकार से बात करने से पहले बिंदी लगाने और विधवा की तरह न बनने को कहा था। बता दें कि सुधा मूर्ति का पैर छूते हुए वायरल वीडियो पश्चिमी महाराष्ट्र के सांगली का है, जहां वे सोमवार को अपनी पुस्तकों के प्रचार कार्यक्रम में अपने पाठकों के साथ बातचीत करने के लिए पहुंची थीं। बता दें कि उनकी कई पुस्तकों का मराठी में अनुवाद किया गया है। भिड़े के शिव प्रतिष्ठान संगठन के एक पदाधिकारी ने कहा कि उनके नेता ने छत्रपति शिवाजी महाराज की पूर्व राजधानी रायगढ़ किले में एक स्वर्ण सिंहासन की स्थापना में मदद के लिए सुधा मूर्ति से मुलाकात की है। हालांकि इस मामले में, ब्रिटेन के प्रधान मंत्री ऋषि सुनक की सास सुधा मूर्ति के एक सहयोगी ने कहा है कि लेखक को पता नहीं था कि भिड़े कौन थे और एक वरिष्ठ नागरिक के सम्मान में उन्हें नमन किया था।

मॉर्गन स्टैनली के मुख्य अर्थशास्त्री बोले– 2027 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा भारत

नई दिल्ली।
विभिन्न वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है। अगले पांच साल में यानी 2027 तक अमेरिका और चीन के बाद भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। मॉर्गन स्टैनली के मुख्य अर्थशास्त्री (एशिया) चेतन अह्या ने एक लेख में कहा कि अवसरों और आकार के लिहाज से भारतीय अर्थव्यवस्था में अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा, भारत की जीडीपी का आकार अगले 10 साल में दोगुना से ज्यादा बढ़कर 8.5 लाख करोड़ डॉलर हो जाएगा। अभी इसका आकार 3.4 लाख करोड़ डॉलर है। खास बात है कि भारत की जीडीपी हर साल 400 अरब डॉलर से अधिक बढ़ेगी। इस मामले में सिर्फ अमेरिका और चीन ही आगे रहेंगे। 2032 तक भारतीय बाजार का पूंजीकरण 3.4 लाख करोड़ डॉलर से बढ़कर 11 लाख करोड़ डॉलर हो जाएगा और यह दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बाजार होगा। भारत विनिर्माण निर्यात बढ़ाने के लिए प्रयास कर रहा है। नए कारखाने संगठित क्षेत्र में अधिक रोजगार पैदा करेंगे। उत्पादकता बढ़ेगी। भारत के नीतिगत दृष्टिकोण में बदलाव इसे निर्यात लाभ उठाने, बचत बढ़ाने व इससे निवेश करने के पूर्वी एशियाई मॉडल के करीब ले जा रहा है। चेतन ने कहा कि अनुकूल घरेलू और वैश्विक परिस्थितियों के प्रभाव की वजह से भारतीय जीडीपी विकास के पथ पर तेज गति से आगे बढ़ेगी। भारत ने निवेश व रोजगार बढ़ाने के लिए घरेलू नीतियों में व्यापक बदलाव किए हैं। इससे विनिर्माण निर्यात बढ़ेगा। जीएसटी की शुरुआत से भारत को एक एकीकृत घरेलू बाजार बनाने में मदद मिली। निवेश को प्रोत्साहन देने के लिए कॉरपोरेट टैक्स में कटौती हुई। पीएलआई योजना शुरू की गई। इससे भारत की सीमाओं के भीतर और बाहर से निवेश पाने में मदद मिल रही है। भारत एक बहुध्रुवीय दुनिया के रूप में उभरा है। यह विदेशी निवेशकों के लिए पसंदीदा निवेश गंतव्य बन रहा है, जहां कंपनियां अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता ला रही हैं। भारत में कामकाजी उम्र के युवाओं की आबादी लगातार बढ़ रही है। डिजिटलीकरण तीव्र गति से बढ़ रहा है। आगामी दशक में भारत की वास्तविक वृद्धि दर औसतन 6.5प्रतिशत होगी। इस दौरान चीन की जीडीपी 3.6प्रतिशत की दर से आगे बढ़ेगी। भारत ऐसे चरण में प्रवेश कर रहा है, जहां आय चक्रवृद्धि दर से तेजी से बढ़ेगी। 1991 के बाद भारत को अपना जीडीपी 3 लाख करोड़ डॉलर तक लाने में 31 साल लग गए। अब अतिरिक्त 3 लाख करोड़ डॉलर जोड़ने में सिर्फ 7 साल लगेंगे। वैश्विक निवेशकों के लिए यह दर महत्वपूर्ण होगी। चेतन ने कहा, अगले दशक में भी अमेरिका और चीन वैश्विक निवेशकों के लिए उतने ही महत्वपूर्ण रहेंगे। हमें लगता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का उत्थान भी निवेशकों के जेहन में अधिक प्रमुखता से दिखाई देगा।

दिवाली पर खर्च के लिएलोगों ने बैंकों से निकाले 69000 करोड़, जमा घटकर 172.03 लाख करोड़ रहा

नई दिल्ली।
त्योहारी सीजन में लोगों की खरीदी का सीधा असर बैंकों के जमा पर दिखा है। 21 अक्तूबर के हफ्ते में बैंकों का जमा 69,000 करोड़ रुपये घटकर 172.03 लाख करोड़ रह गया, जो सात अक्तूबर को 172.72 लाख करोड़ रुपये था। आंकड़ों के अनुसार, लोगों ने 29,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की उधारी भी ली, जिससे बैंकों का कुल कर्ज 128.60 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 128.89 लाख करोड़ पर पहुंच गया।

त्योहारी सीजन बीतने के बाद बैंकों के पास नवंबर के पहले तीन दिनों में 71,090 करोड़ की तरलता बढ़ी है। बैंकों का कुल कर्ज सालाना आधार पर 17.9प्रतिशत बढ़ा है। जबकि जमा में केवल 9.5 फीसदी की बढ़त आई है। वैसे इस साल जनवरी से देखें तो जमा की तुलना में बैंकों का कर्ज ज्यादा बढ़ा है। जनवरी में बैंकों का कुल जमा 159.82 लाख करोड़ रुपये था जबकि कर्ज 112.76 लाख करोड़ था। अप्रैल में जमा बढ़कर 167.42 लाख करोड़ और कर्ज 119.88 लाख करोड़ हो गया।

जून तक जमा में गिरावट आई और यह 165.69 लाख करोड़ रुपये रहा। कर्ज में लगातार बढ़ोतरी जारी रही और यह 121.49 लाख करोड़ रुपये रहा। जुलाई के बाद जमा और कर्ज दोनों में जमकर तेजी आई। सितंबर में जमा जहां 170.56 लाख करोड़ हो गया वहीं कर्ज बढ़कर 125.51 लाख करोड़ रुपये हो गया। आरबीआई द्वारा रेपो रेट में वृद्धि के कारण कम होती तरलता के बीच एसबीआई ने एक रिपोर्ट में कहा कि बैंक संपत्ति और देनदारी में जोखिम का सही निर्धारण नहीं कर रहे हैं। ये ऐसे समय पर किया जा रहा है जब उधारी की मांग एक दशक के उच्च स्तर 18प्रतिशत पर पहुंच गई है। जमा की वृद्धि दर काफी पीछे है। तरलता कम होने का प्रमुख कारण आरबीआई की ओर से ब्याज दर बढ़ाना है। महंगाई को कम करने के लिए आरबीआई ने मई से अब तक ब्याज दरों में 1.90 फीसदी की वृद्धि की है।

सरकार ने दिवाली में नकदी का बड़ा हिस्सा खर्च किया

रिपोर्ट में कहा गया है कि ब्याज दर बढ़ने से पहले बैंकिंग प्रणाली में अप्रैल, 2022 में एवरेज नेट ड्यूरेबल लिक्विडिटी 8.3 लाख करोड़ रुपये था, जो अब घटकर 3 लाख करोड़ रुपये के करीब रह गया है। सरकार ने दिवाली के हफ्ते में कैश बैलेंस का एक बड़ा हिस्सा खर्च कर दिया है, जिससे कुछ सुधार हुआ है।

बजट में विनिर्माण-निर्यात पर रहेगा जोर, चीन की धीमी अर्थव्यवस्था का लाभ उठाएगा भारत

नई दिल्ली।
सरकार का आगामी बजट में अधिक समर्थन उपायों के जरिये विनिर्माण एवं निर्यात क्षेत्रों को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर रह सकता है। चीन की धीमी अर्थव्यवस्था का लाभ उठाने की कोशिश के तहत ऐसा किया जाएगा। वित्त मंत्रालय ने बजट की तैयारी शुरू कर दी है। मंत्रालय ने संकेत दिया है कि स्थानीय विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने वाली योजनाओं को फंड आवंटन में प्राथमिकता दी जाएगी। एक अधिकारी ने कहा, भू-राजनीतिक घटनाक्रम चीन में स्थित कंपनियों को विकल्प तलाशने के लिए प्रेरित कर सकता है। ऐसे में भारत बेहतर विकल्प बन सकता है। भारतीय वस्तुओं के कुछ प्रमुख बाजारों में मंदी के साथ निर्यात में कमी आने को लेकर नीति निर्माताओं में चिंता बढ़ रही है।

सितंबर में मासिक आर्थिक समीक्षा में आगाह किया गया था कि वैश्विक मंदी निर्यात वृद्धि को कम कर सकती है। इससे व्यापार संतुलन भी प्रभावित हो सकता है। पिछले साल के मुकाबले इस साल अप्रैल-सितंबर में देश का निर्यात 16.96प्रतिशत बढ़ा है। पिछले माह वित्त मंत्री ने बाहरी मोर्चे पर जोखिमों के बारे में आगाह किया था।

दूसरी तिमाही में तेल कंपनियों को 2,749 करोड़ रुपये का घाटा

सब्सिडी के बावजूद सरकारी तेल कंपनियों भारत पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल और हिंदुस्तान पेट्रोलियम को दूसरी तिमाही में 2,749 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। सरकार ने हाल में तीनों कंपनियों को 22,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी थी।

इस दौरान हिंदुस्तान पेट्रोलियम को सर्वाधिक 2,172 करोड़ का घाटा हुआ। इंडियन ऑयल को 272.35 करोड़ व भारत पेट्रोलियम को 304 करोड़ की चपत लगी है। वहीं, पहली छमाही में तीनों को 21,201 करोड़ का घाटा हुआ है।

ट्विटर अकाउंट के लिए देने पड़ सकते हैं पैसे: कंपनी सब्सक्रिप्शन पैकेज पर विचार कर रही, फ्री में लिमिटेड टाइम एक्सेस कर पाएंगे

नई दिल्ली।
पॉपुलर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर के इस्तेमाल के लिए सभी यूजर्स को फीस देनी पड़ सकती है। प्लेटफॉर्मर की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के नए बॉस एलन मस्क सब्सक्रिप्शन फीस चार्ज करने का प्लान कर रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में एक मीटिंग में मस्क ने कर्मचारियों के साथ इस विचार पर चर्चा की थी। मस्क का प्लान है कि यूजर्स को फ्री में लिमिटेड टाइम ही एक्सेस मिले। इसके बाद ट्वीट करने के लिए सब्सक्रिप्शन खरीदना होगा। हालांकि इसमें कितना समय लगेगा और क्या मस्क गंभीरता से इस पर काम कर रहे हैं ये अभी साफ नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंपनी की टीम फिलहाल नए वेरिफिकेशन सब्सक्रिप्शन फीचर पर काम कर रही है।

कंपनी को रोजाना 32 करोड़ का नुकसान हो रहा है। वो नए मॉडल से रेवेन्यू बढ़ाना चाहते हैं। मस्क ने ट्विटर को 44 बिलियन डॉलर में खरीदा है। वो जल्द इसकी भरपाई करना चाहते हैं। ट्विटर पर भारी कर्ज है।

वो इसे खत्म करने के लिए एडवर्टाइजर्स पर निर्भर नहीं रहना चाहते। कॉस्ट कटिंग के लिए करीब आधे एम्प्लॉइज को भी निकाल दिया है। छंटनी के बाद मस्क ने कहा था, 'जब कंपनी को रोजाना 40 लाख डॉलर (32.77 करोड़ रुपए) का नुकसान हो रहा है, तो हमारे पास कर्मचारियों को हटाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। मस्क ने हाल ही में कुछ देशों में 8 डॉलर में ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन लॉन्च किया है। अगर लोग इसे नहीं खरीदते हैं, तो वे अपना वेरिफाइड चेकमार्क खो देंगे। भारत को यह सब्सक्रिप्शन एक महीने के भीतर लॉन्च होगा। इसके लिए यहां करीब 200 रुपए देने पड़ सकते है। ट्विटर ब्लू सर्विस पहली बार पिछले साल जून में लॉन्च हुई थी। सब्सक्रिप्शन सर्विस को कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में लॉन्च किया गया था।

जमा जुटाने व कर्ज देने की होड़ में जोखिमों की अनदेखी कर रहे बैंक

नई दिल्ली।

बैंकों में नकदी की बढ़ती तंगी और कर्ज में दशक के उच्चतम स्तर 18 प्रतिशत की वृद्धि तथा जमा में कमी के बीच एक रिपोर्ट में चेताया गया है कि बैंक संपत्ति और देनदारी दोनों स्तरों पर जोखिम से बचाव के लिए पर्याप्त उपाय नहीं कर रहे।

रिपोर्ट के अनुसार, बैंकिंग प्रणाली में नकदी की कमी का प्रमुख कारण भारतीय रिजर्व बैंक का मुद्रास्फीति को काबू में लाने के लिये बैंकों से अतिरिक्त कोष को वापस लेना है। खुदरा मुद्रास्फीति पिछले 10 महीने से रिजर्व बैंक की संतोषजनक सीमा से ऊपर बनी हुई है। इसको देखते हुए आरबीआई महंगाई को काबू में लाने के लिये प्रमुख नीतिगत रेपो दर में पिछले छह महीने में 1.90 प्रतिशत की वृद्धि कर चुका है।

आरबीआई को खुदरा मुद्रास्फीति दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है।बैंकों में शुद्ध रूप से अप्रैल 2022 में औसतन 8.3 लाख करोड़ रुपये की नकदी डाली गयी। यह अब करीब एक-तिहाई कम होकर तीन लाख करोड़ रुपये पर आ गयी है। इसके अलावा सरकार ने दिवाली के सप्ताह में अपने नकद शेष का एक बड़ा हिस्सा खर्च किया है और इसके परिणामस्वरूप शुद्ध एलएएफ (नकदी समायोजन सुविधा) में सुधार हुआ है। इसके अलावा सरकार और निजी क्षेत्र के बोनस भुगतान से भी मदद मिली।

नकदी समायोजन सुविधा (एलएएफ) मौद्रिक नीति में उपयोग किया जाने वाला एक उपाय है। इसके जरिये रिजर्व बैंक अर्थव्यवस्था में नकदी प्रबंधन के लिये रेपो रेट और रिवर्स रेपो रेट का उपयोग करता है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) समूह के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष ने एक रिपोर्ट में कहा कि बैंकों में एक तरफ ब्याज दर बढ़ी है, दूसरी तरफ नकदी को सोच-विचार कर कम किया गया है। लेकिन एक चीज अभी भी नहीं बदली है। वह है कर्ज को लेकर जोखिम का पर्याप्त रूप से प्रबंधन।

उन्होंने कहा कि एक तरफ कर्ज की मांग एक दशक के उच्चस्तर पर है जबकि नकदी की स्थिति उल्लेखनीय रूप से कम हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, भले ही बैंक व्यवस्था में शुद्ध एलएएफ घाटा देखा जा रहा है, लेकिन बाजार सूत्रों का कहना है कि मुख्य कोष की लागत के ऊपर कर्ज को लेकर जो जोखिम है, उसका पूरा ध्यान नहीं रखा गया है।

उदाहरण के लिये एक वर्ष से कम अवधि का कार्यशील पूंजी कर्ज छह प्रतिशत से कम दर पर दिया जा रहा है और यह एक महीने व तीन महीने के ट्रजरी बिल की दर से जुड़ा है जबकि 10 और 15 वर्ष के कर्ज की लागत सात प्रतिशत से कम है।

उल्लेखनीय है कि 10 साल की अवधि वाली सरकारी प्रतिभूतियां करीब 7.46 के आसपास की दर पर कारोबार रही हैं। वहीं, 91 दिन की अवधि वाले ट्रेजरी बिल 6.44 की दर पर कारोबार कर रहे हैं। वहीं 364 दिन का ट्रेजरी बिल की लागत 6.97 प्रतिशत है।

बैंकों में मुख्य कोष जुटाने की औसत लागत करीब 6.2 प्रतिशत है जबकि रिवर्स रेपो दर 5.65 प्रतिशत है। ऐसे में आश्चर्य की बात नहीं है कि बैंक वर्तमान में जमा राशि जुटाने के लिये ब्याज दर बढ़ाने की होड़ में हैं। चुनिंदा परिपक्वता अवधि की जमाओं पर ब्याज दर 7.75 प्रतिशत तक कर दी गयी है। इसके अलावा, बैंक अब 390 दिनों के लिये जमा प्रमाणपत्र (सीडी) 7.97 प्रतिशत की दर पर जुटा रहे हैं। जबकि कुछ बैंक 92 दिनों के लिये सीडी 7.15 प्रतिशत पर जुटा रहे हैं।

वित्तपोषण अंतर को जमा प्रमाणपत्र के जरिये पूरा किया जा रहा है। कुल जमा प्रमापणत्र 21 अक्टूबर की स्थिति के अनुसार 2.41 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी अवधि में 57 हजार करोड़ रुपये था। घोष ने रिपोर्ट में कहा गया है कि बॉन्ड प्रतिफल भी अप्रैल, 2022 के बाद 2.55 प्रतिशत बढ़ा है और अक्टूबर, 2022 में 6.92 प्रतिशत रहा। रिपोर्ट के अनुसार, सकारात्मक बात यह है कि कोष जुटाने और कर्ज देने को लेकर जो होड़ है, वह 'एएए' दर्जे वाले कर्जदारों तक सीमित है।

सुष्मिता हमेशा उनकी ताकत रही : चारु असोपा

-पूर्व ननद के बारे में बारे में चारु ने किया ये खुलासा

मुंबई (ईएमएस)। टेलीविजन अभिनेत्री चारु असोपा ने कहा कि जब से वह और राजीव अलग हो गए, उनके दोस्तों और परिवार के साथ उनके संबंध खराब हो गए हैं। उन्होंने कहा कि वह अपनी मां पर भी भरोसा नहीं करती क्योंकि उन्होंने उनका बचाव नहीं किया। चारु ने साझा किया कि सुष्मिता हमेशा उनकी ताकत रही है। उन्होंने चारू को अपनी खुशी को प्राथमिकता देने के लिए कहा और इसे कभी भी कम नहीं करने के लिए कहा। चारु ने अपनी पूर्व ननद और अभिनेत्री सुष्मिता सेन की उनके विवाहित जीवन के लिए दी गई सलाह के बारे में खुलासा किया है। चारु ने कहा, "नहीं उन्होंने कभी ऐसा नहीं कहा। उन्होंने हमें सब कुछ ठीक करने के लिए कभी नहीं कहा। उन्होंने हमेशा मुझे अपनी खुशी को प्राथमिकता देने के लिए कहा है, पहले दिन से। माता-पिता ने कहा कि शादी काम करनी चाहिए और हमें मतभेदों को सुलझाने के लिए कोशिश करनी चाहिए। लेकिन दीदी ने कभी ऐसा नहीं कहा। उन्होंने हमेशा कहा कि अगर तुम खुश नहीं हो तो वह करो जो तुम्हें खुश करता है।" "मैंने उन्हें इस बारे में परेशान नहीं किया, या किसी को समझाने के लिए भी नहीं कहा। लेकिन हां, वह परिवार है, इसलिए वह जानती है कि कब चीजें खराब होती हैं।" उन्होंने आगे कहा, "मैं अपने ससुराल वालों को भी परेशान करना पसंद नहीं करती, वे बुजुर्ग हैं, और मेरी सास की तबीयत खराब है।

लेकिन जब भी दीदी ने फोन किया है, तो उन्होंने हमेशा मुझसे कहा है कि खुद पर ध्यान दो। उन्होंने कहा है कि अगर मैं राजीव के साथ खुश हूं, तो मुझे यही करना चाहिए, लेकिन अगर मैं उससे दूर ज्यादा खुश हूं, तो मुझे अलग हो जाना चाहिए।"

साउथ की फिल्मों का मजाक उड़ाते थे नॉर्थ के लोग

-केजीएफ स्टार यश ने बताई यह कडवी सच्चाई

मुंबई (ईएमएस)। कुछ साल पहले तक हर तरफ बॉलीवुड की फिल्में छाई थीं और साउथ की फिल्मों को हिंदी में डब करके टीवी पर टेलिकास्ट किया जा रहा था। उस समय लोगों को कन्नड़ से लेकर मलयालम, तमिल और तेलुगू भाषा की फिल्मों में दिखाया जाने वाला एक्शन समझ नहीं आता था। 'केजीएफ' स्टार यश की भाषा में कहें तो लोग तब साउथ की फिल्मों का मजाक उड़ाते थे। यश ने हाल ही में साउथ फिल्मों की सफलता और फ्लॉप होती बॉलीवुड की फिल्मों पर बात की। उन्होंने बताया कि नॉर्थ में पहले साउथ की फिल्मों को किस नजरिए से देखा जाता था। यश के मुताबिक, एसएस राजामौली ने फिल्म 'बाहुबली' से सबकुछ बदल दिया और तभी से साउथ की फिल्मों को नॉर्थ में भी सम्मान की दृष्टि से देखा जाना शुरू हुआ।यश ने कहा, '10 साल पहले नॉर्थ में हिंदी में डब की हुई साउथ की फिल्में बहुत पॉपुलर थीं। लेकिन शुरूआत में इन फिल्मों को लेकर यहां के लोगों की अलग-अलग राय थी। लोग तब साउथ की फिल्मों का मजाक उड़ाते थे। लोग कहते थे कि साउथ की फिल्म किसी चैनल पर आ रही है। ये क्या एक्शन है। उड़ रहे हैं सब। लेकिन धीरे-धीरे लोगों ने इसे पसंद करना शुरू किया। उन्होंने इस आर्ट फॉर्म को समझना शुरू किया।' यश ने आगे कहा, 'तब प्रॉब्लम यह थी कि हमारी फिल्में कम रेट में बिकती थीं और उनकी डबिंग बहुत ही खराब की जाती थी। उन्हें बहुत ही खराब तरीके से और फनी नामों के साथ प्रेजेंट किया जाता था। मेरे साथ भी ऐसा हुआ है। लोग मुझे 'रैंबो सर' और 'ग्रेट लायन' बुलाने लगे थे। मैं तब सोचता था कि ये लोग किस बारे में बात कर रहे हैं? लेकिन अब लोग साउथ की फिल्मों को समझने लगे हैं। 'बाहुबली' से हमें वो रास्ता मिला। 'केजीएफ' को एक अलग सोच के साथ बनाया गया था। इसे किसी को डराने के लिए नहीं बल्कि इंस्पायर करने के लिए बनाया गया। लोगों ने अब साउथ की फिल्मों पर ध्यान देना शुरू किया है।'यश ने साउथ फिल्मों को मिल रहे प्यार और सम्मान का क्रेडिट एसएस राजामौली को दिया। वह बोले, 'लोगों ने हमारी डब की हुई फिल्मों को समझना शुरू किया। इसका क्रेडिट एसएस राजामौली सर को जाता है। अगर आपको एक पत्थर तोड़ना है तो लगातार कोशिश करनी होगी।

करण के साथ खूब मस्ती की श्वेता बच्चन ने

- मैचिंग आउटफिट में जंच रही थी बेस्ट फ्रेंड की जोड़ी

मुबंई (ईएमएस)। बॉलीवुड के फिल्म निर्माता करण जौहर के साथ महानायक अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता बच्चन को मस्ती करते हुए देखा गया। दोनों ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक-दूसरे संग वाली कुछ तस्वीरें शेयर की और बताया कि दोनों किस तरह अपने एक शादी पार्टी में खूब मस्ती की। सामने आई दोनों की ये तस्वीरें मोनाको की है। बता दें कि बच्चन और जौहर हमेशा एक दूसरे के करीब रहे हैं। अमिताभ बच्चन ने करण जौहर के पिता स्वर्गीय यश जौहर के साथ एक महान रिश्ता साझा किया। इनकी बॉन्डिंग बॉलीवुड में काफी फेमस रही हैं। वहीं करण, अभिषेक और श्वेता एक साथ बड़े हुए कहने की जरूरत नहीं है कि बचपन की दोस्ती हमेशा खास होती है और करण को अक्सर श्वेता और अभिषेक के साथ घूमते देखा जाता है। अब नई तस्वीर में दोनों ने एक दूसरे श्वेता और करण ने एक दूसरे अपना बेस्टी बताया है।करण ने श्वेता के साथ अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने श्नेता को अपने लाइफ का बीएफएफ बताया। वहीं श्वेता ने यही फोटो शेयर करते रिपोस्ट किया कि वे इस फंक्शन में एक-दूसरे के प्लस वन थे।

सामने आई तस्वीरों में दोनों दोस्तों को ब्लिंग आउटफिट में ट्विनिंग करते देखा जा सकता हैं। करण ने अपने लुक को पहले भी अपने आईजी पेज पर शेयर किया था और इसे टक्सीडो टाइम्स! के रूप में कैप्शन दिया था। बता दें कि इन दिनों करण फूले नहीं समा रहे हैं। उनके इतने ज्यादा खुश होने की वजह आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के परैंट्स बनने की है। करण आलिया को अपनी बेटी मानते हैं ऐसे में वह नाना बनने पर काफी खुश हैं। हाल ही में उन्होंने नाना बनने पर अपनी खुशी साझा की और इंस्टाग्राम पर आलिया संग एक तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मेरा दिल प्यार से भरा है दुनिया में आपका स्वागत है बच्ची आपके लिए बहुत प्यार है. आई लव यू आलिया और आरके। बता दें कि बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की बेटी श्वेता बच्चन अक्सर अपनी दिलकश तस्वीरों की वजह से खबरों में छाई रहती हैं।

अक्षय खन्ना दृश्यम 2 के लिए एकदम फिट

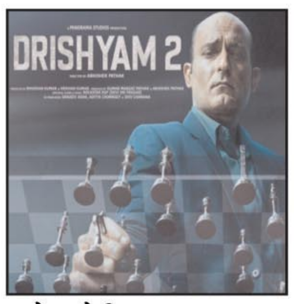

फिल्म दृश्यम 2 के निर्देशक अभिषेक पाठक ने कहा है कि कैसे अक्षय खन्ना फिल्म के लिए एकदम फिट थे। अक्षय खन्ना के चरित्र के बारे में बात करते हुए, अभिषेक पाठक ने व्यक्त किया, दृश्यम 2 में, हमारे पास तब्बू और अजय देवगन एक-दूसरे का सामना कर रहे हैं और मैं उस स्तर या उससे भी आगे के किसी व्यक्ति को चाहता था। पूरे चरित्र को इसे ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया था। दिमाग में, हमने कभी नहीं सोचा था कि हम इसे लिखेंगे और फिर कास्टिंग के बारे में सोचेंगे। पहले दिन से ही, जब हमने कॉप का किरदार लिखना शुरू किया था - हमारे दिमाग में अक्षय, उनकी छवि और उनका व्यक्तित्व था। इससे हमारे लिए यह बहुत आसान हो गया, क्योंकि हम जानते थे कि हम टेबल पर क्या लाएंगे। वह हमेशा से पहला विकल्प और इस किरदार के लिए मेरा पहला विचार थे और हम इससे बहुत खुश हैं। अक्षय खन्ना, अजय देवगन और तब्बू के अलावा, फिल्म में श्रिया सरन और इशिता दत्ता भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

'बेटियां वाकई में खास होती हैं': महेश बाबू

-रणबीर -आलिया भट्ट के पेरेंट्स बनने पर दी बधाई

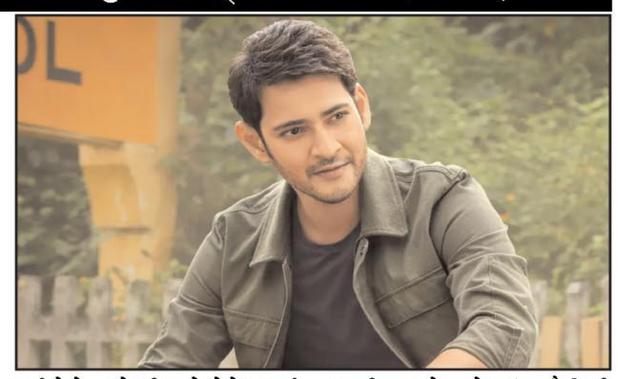

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने एक बेटी को जन्म दिया। रणबीर कपूर और आलिया के पेरेंट बनने की खबर जैसे ही पता चली तो सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया। बधाई देने वालों में साउथ एक्टर महेश बाबू भी शामिल हैं। उन्होंने कपल को ढेरों शुभकामनाएं दी और कहा कि बेटियां वाकई में खास होती हैं. तेलुगू सुपरस्टार महेश बाबू ने पोस्ट शेयर कर आलिया को मां बनने पर बधाई दी है। एक्टर ने आलिया की ऑफिशियल इंस्टाग्राम पोस्ट को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया है और एक प्यार कैप्शन भी लिखा है। उन्होंने आलिया-रणबीर को ढेरों शुभकामनाएं दी है और लिखा कि बेटियां वाकई में खास होती हैं। महेश बाबू के साथ-साथ अन्य कई सेलेब्स ने भी उन्हें ढेरों बधाई दी है।

इसमें अक्षय कुमार, दीया मिर्जा, नेहा धूपिया, कपिल शर्मा, राखी सावंत, अनुष्का शर्मा, कृति सेनन, करण जौहर और मौनी रॉय जैसे स्टार्स ने भी शुभकामनाएं दी है। बता दें कि आलिया भट्ट ने बनने की जानकारी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए दी थी। उन्होंने अपनी एक पोस्ट में लॉयन फैमिली की फोटोज को शेयर किया है। इस तस्वीर में देखा जा सकता है कि एक शेर और शेरनी अपने नन्हें शावक के साथ नजर आ रहे हैं। प्यार-भरी इस फैमिली की फोटो को शेयर कर उन्होंने लिखा, और हमारी जिंदगी की सबसे अच्छी खबर। हमारा बेबी यहां है और वो क्या मैजिकल गर्ल है।

पठान एक भारतीय जासूस की कहानी

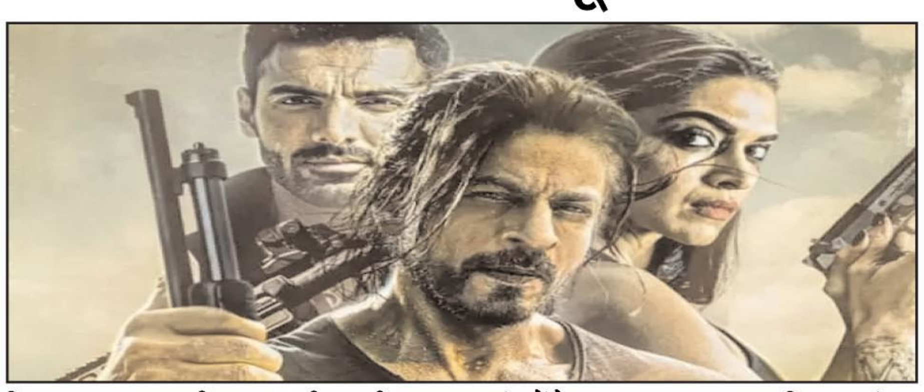

फिल्न पठान एक भारतीय जासूस की कहानी प्रस्तुत करती है, जो अपनी गुप्त और गिरगिट जैसी क्षमताओं को देखते हुए किसी भी प्रणाली या घेरे में घुस सकता है, जिसमें वह रहता है। अभिनेता के लिए 4 साल से अधिक के अंतराल के बाद शाहरुख की 3 फिल्मों में से यह पहली फिल्म है। शाहरुख खान ने अभी तक जिन समस्याओं का सामना किया और उनके लिए उन्होंने जिस मंत्र का अभ्यास किया है, शाहरुख खान उसे साझा किया है। शाहरुख ने दोपहर में अपने प्रशंसकों के साथ सवाल-जवाब सत्र किया, जहां एक प्रशंसक ने उनसे पूछा कि उन्हें अब तक जिन समस्याओं का सामना करना पड़ा है, उन्हें दूर करने के लिए उन्हें क्या प्रेरित करता है।

किसी को यह विश्वास करना होगा कि अच्छाई हमेशा बुरे पर हावी होगी। एक अन्य यूजर ने उनसे पठान के साथ इतने लंबे समय बाद स्क्रीन पर वापस आने के बारे में पूछा। शाहरुख ने जवाब दिया, यह घर वापस आने जैसा है।

चारु असोपा अपनी मां पर भी भरोसा नहीं करती

टीवी अभिनेत्री चारु असोपा ने कहा कि वह अपनी मां पर भी भरोसा नहीं करती क्योंकि उन्होंने उनका बचाव नहीं किया। चारु ने साझा किया कि सुष्मिता हमेशा उनकी ताकत रही हैं, उन्होंने चारू को अपनी खुशी को प्राथमिकता देने के लिए कहा और इसे कभी भी कम नहीं करने के लिए कहा। चारु ने कहा, सुष्मिता सेन ने कभी ऐसा नहीं कहा। उन्होंने हमें सब कुछ ठीक करने के लिए कभी नहीं कहा। उन्होंने हमेशा मुझे अपनी खुशी को प्राथमिकता देने के लिए कहा, पहले दिन से। माता-पिता ने कहा कि शादी करनी चाहिए और हमें मतभेदों को सुलझाने के लिए कोशिश करनी चाहिए। दीदी ने कभी ऐसा नहीं कहा। उन्होंने हमेशा कहा कि अगर तुम खुश नहीं हो तो वह करो जो तुम्हें खुश करता है। मैंने उन्हें इस बारे में परेशान नहीं किया, या किसी को समझाने के लिए भी नहीं कहा।

पीएम मोदी ने मिथुन-पलक मुच्छाल को दी शादी की बधाई, सिंगर ने यू जताया आभार

'आशिकी-2' फेम म्यूजिकल जोड़ी मिथुन (संगीतकार) और पलक मुच्छाल(सिंगर) हाल ही में छह नवंबर को शादी के बंधन में बंध गए हैं। सोशल मीडिया के जरिये इस कपल को हर कोई शादी की बधाई दे रहा है। वहीं इस कपल को देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी शादी की शुभकामनाएं दी है। मिथुन और पलक ने कुछ देर पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भेजे गए पत्र को सोशल मीडिया पर अपने फैंस संग शेयर किया है। इस पत्र को शेयर करते हुए नए जोड़े ने पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया और लिखा, 'आदरणीय मोदी जी, आपके आशीर्वाद रूपी पत्र ने हमारे हृदय को छुआ है, हम इस सम्मान और प्रेम के लिए आपके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं, हमारे विवाह के शुभ अवसर पर आपका आशीर्वाद मिलना हमारे लिए सौभाग्य की बात है। गौरतलब है कि म्यूजिकल जोड़ी मिथुन (संगीतकार) और पलक मुच्छाल(सिंगर) की मुलाकात साल 2013 में आई फिल्म आशिकी 2 के सेट पर हुई थी। इस फिल्म का संगीत मिथुन ने दिया था। इस फिल्म में पलक के गाए गीत मेरी आशिकी तुम ही हो.. और चाहूं मैं या न काफी हिट हुआ था।

आशिकी 2 के सेट पर हुई मिथुन और पलक की मुलाकात जल्द ही दोस्ती और फिर प्यार में बदल गई, जिसके बाद दोनों एक दूसरे को डेट करने लगे। वहीं लम्बे समय तक एक दूसरे को डेट करने के बाद मिथुन और पलक इसी महीने छह नवंबर को शादी के बंधन में बंध गए। दोनों की शादी काफी चर्चा में रही और इस शादी की तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं।

सूडोकु नवताल- 6247

★★★✯☆ मध्यम

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6246 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 6994

दि	हु	मे	अ	मि	ता	भ	ब	च्च	न	वि
ली	ख	शा	ह	रु	ख	खा	न	या	ड़	नो
प	पी	अ	हे	र	ग	बा	द	ह	प	द
कु	ग	ए	ज	जा	बा	बू	ल	ह	लि	ख
मा	र	रा	जा	य	ह	ला	कि	यो	रि	न्ना
र	इ	वि	मो	ग	दे	वा	शी	स	ति	श
न	रा	ल	रा	व	म	व	न	ल	क	क्ति
क	र	ज	र	य	र	ह	ग	मा	रो	रे
र	या	बा	कु	आ	मि	र	खा	न	श	ड्डी
र	ग	ल	न	मा	व	शि	का	री	न	ल
रा	जें	द्र	कु	मा	र	ले	स	सु	रा	ल

शब्दजाल में दस सफल अभिनेताओं के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

दिलीप कुमार, राजकुमार, राजेंद्र कुमार, विनोद खन्ना, अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान,आमिर खान, सलमान, अजय देवगन, रितिक रोशन

शब्दजाल - 6993 का हल

गां	धी	न	ग	र	मा	ज	वा	ज	पे	यी
द	ह	ल	प्रे	व	जी	य	द	ह	कां	रा
वि	स	मा	म	को	ह	पु	म	ल	ख	म
मि	बैं	ग	लो	र	वा	र	ध	श्री	श	दु
श	आ	र	ग	बा	ज	ना	तू	न	झ	प
है	ल	ला	र	दि	द	मुं	ती	ग	घ	ट
द	व	भो	पा	ल	प	ब	ज	र	व	ना
रा	एं	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	न्हा
बा	ड	ल	को	ल	का	ता	आ	ग	शी	आ
द	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	भु	व	ने	श्व	र	त	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-5947

1		7	6		5	
	34	2	31		28	
4	5			1		2
	30	3	29	5	39	
	3		4	6	7	
5	28	5	36		38	
3	5					1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 5946 का हल

5	6	1	4	2	7	3
7	32	5	31	3	30	1
4	1	3	6	7	5	2
3	22	2	40	6	39	7
2	3	4	7	5	1	6
1	34	6	37	4	28	5
6	5	7	3	1	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

आर्थिक सहयोग से चमकी तीन किसान पुत्र खिलाड़ियों की किस्मत, अब कबड्डी के मैदान में दिखाएंगे दमखम

अलीगढ़।

बीके अकादमी मेरठ में प्रवेश पाना व ट्रेनिंग लेना किसी भी कबड्डी खिलाड़ी का सपना होता है। यहां उत्तरप्रदेश की यूपी योद्धा टीम प्रैक्टिस करती है। आठ हजार रुपये महीना फीस और चार हजार रुपये महीना खाने का खर्च किसान परिवारों से ताल्लुक रखने वाली प्रतिभाएं वहन नहीं कर पाती हैं। ऐसे ही तीन कबड्डी खिलाड़ी अलीगढ़ के भी हैं, जो आर्थिक तंगी के चलते नौकरी की तलाश कर प्रशिक्षण लेना चाह रहे थे। इनको नौकरी की जगह छह महीने के प्रशिक्षण की मुफ्त व्यवस्था का बीड़ा माहेश्वरी क्रिएटिव क्लब के संरक्षक संजय माहेश्वरी ने उठाया। यह जानकारी उन्होंने मंगलवार को होटल आभा रीजेंसी में मीडिया को दी। मंडलीय ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमित सर्राफ ने बताया कि संजय ने अलीगढ़ प्रो-कबड्डी लीग में माहेश्वरी क्रिएटिव्स नाम से टीम खरीदी थी। तीनों खिलाडी अलग-अलग परिवारों में किसान पिता के बेटे हैं। संजय माहेश्वरी ने बताया कि ये खिलाड़ी प्रो-कबड्डी के दौरान संपर्क में आए। इन्होंने मेरठ की अकादमी में अपने प्रशिक्षण का खर्च उठाने के लिए नौकरी मांगी। इसलिए पंकज कुमार व अनस खान को बीके अकादमी मेरठ में भेजने के लिए 12 हजार रुपये महीना के हिसाब से छह महीने के 72-72 हजार रुपये दोनों के खाते में जमा करा दिए हैं। तीसरा खिलाड़ी अंशुल कुमार अलीगढ़ रहकर एमवीएम अकादमी में प्रैक्टिस करना चाहता है। यहां प्रशिक्षण व डाइट को मिलाकर आठ से 10 हजार रुपये छह महीने का खर्चा आएगा। इसकी व्यवस्था भी कर दी है। जरारा खैर निवासी 16 वर्षीय अनस खान ने ग्राम विकास बाल विद्यालय की छत पर कबड्डी सीखी। पिता जहीरुद्दीन खान किसान हैं। रुपयों की कमी से प्रैक्टिस बंद कर दी थी। अब मेरठ की अकादमी में छह महीने का प्रशिक्षण शुरू कर दिया है। उनका चयन स्टेट कबड्डी में हो गया है। चंदौसी की एम-7 कबड्डी लीग में भी वो चयनित हो गए हैं। नेशनल में पदक जीतने का सपना है। अतरौली के गांव हुकारी निवासी 16 वर्षीय पंकज कुमार तीन वर्ष से कबड्डी सीख रहे हैं। पिता वीरी सिंह खेती करते हैं। तीन भाई व दो बहनों की पढ़ाई का खर्चा भी मुश्किल से चलता है। गुरुग्राम में फ्लिपकार्ट कंपनी के डिलीवरी ब्वाय थे। सैलरी से कबड्डी का प्रशिक्षण लेते थे।

न्यूज ब्रीफ

विश्व चैंपियन मुक्केबाज निकहत जरीन का सपना हुआ पूरा, सलमान खान के साथ किया डांस

नई दिल्ली । विश्व चैंपियन मुक्केबाज निकहत जरीन अपने खेल से प्यार करने के साथ-साथ बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान को भी काफी पसंद करती हैं। उन्होंने कई बार यह कहा कि वह सलमान की बड़ी फैन हैं और वह उनसे मिलना चाहती हैं। निकहत का यह सपना अब पूरा हो गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह सलमान खान के साथ डांस कर रही हैं। निकहत ने सलमान की फिल्म लव के गाने साथिया तूने क्या किया पर उनके साथ डांस किया है। उन्होंने वीडियो को शेयर करते हुए लिखा कि उनका सपना पूरा हो गया है। वीडियो में सलमान काले रंग की पैंट के साथ सफेद शर्ट पहने हुए दिखाई दे रहे हैं। वह गाने को गुनगुना भी रहे थे। जरीन ने कहा कहा कि उनका इंतजार आखिरकार समाप्त हुआ। जरीन ने मई में फ्लाईवेट (52 किग्रा) वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। उन्होंने सलमान के बारे में कहा था, वह उनकी बड़ी फैन हैं। फैन क्या, एसी समझ लो। उन्होंने अभी तक शादी नहीं की है। शायद वह मेरा ही इंतजार कर रहे हैं। मैं उनकी फिल्म हम साथ-साथ हैं को देखने के बाद उन्हें पसंद करनी लगी थी। 90 के दशक के सलमान के चेहरे पर मासूमियत थी। मैं उनकी अगली फिल्म का इंतजार कर रही हूं। राष्ट्रमंडल खेलों की लाइट फ्लाईवेट चैंपियन निकहत जरीन 2024 के पेरिस ओलंपिक तक 50 किग्रा भार वर्ग में अपनी चुनौती पेश करेंगी। जरीन राष्ट्रमंडल खेलों के लिए 52 से 50 किग्रा भार वर्ग में आई थीं। अब वो इसी में आगे बढ़ेंगी। वह 52 किग्रा में वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती थीं।

सूर्या के रिश्तेदार देते थे तानेः मां का आशीर्वाद लेकर खेलते हैं मैच...बांह पर उनका टैटू

मुंबई। क्रिकेट का नया मिस्टर 360 डिग्री, किसी और ही प्लेनेट से आया है, इसके लिए कुछ भी इम्पॉसिबल नहीं। ये वो जुमले तब सुनाई देते हैं, जब सूर्यकुमार यादव क्रीज पर बल्लेबाजी कर रहे होते हैं। 200 का स्ट्राइक रेट सूर्या की आक्रामकता बताता है और चारों दिशाओं में खेले गए उनके शॉट्स लोगों को हैरान कर देते हैं। वर्ल्ड क्रिकेट में चमक रहे सूर्या के लिए माता-पिता, उनके भगवान हैं साल 2020 और टूर्नामेंट आईपीएल .. टूर्नामेंट दुबई में चल रहा था। सूर्यकुमार बेहतरीन फॉर्म में थे। ताबड़तोड़ बल्लेबाजी और चौतरफा लगाए गए शॉट्स की हर जगह तारीफ हो रही थी। बातें शुरू हो गई थीं कि अब तो सूर्या टीम इंडिया में चुन लिए जाएंगे। फिर कुछ ऐसा हुआ, जिसने सूर्या का गुस्सा भड़का दिया। अशोक बताते हैं, आज भले सूर्या टी-20 में वर्ल्ड नंबर-1 बैटर हैं, लेकिन 2 साल पहले वो निराश था। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए टीम चुनी जा रही थी। उम्मीद थी सूर्या जगह बना लेगा। टीम अनाउंस हुई और सूर्या का नाम उसमें नहीं था। इसके बाद सूर्या निराश हो गया और फिर गुस्से में आ गया। टीम अनाउंसमेंट के अगले दिन आईपीएल में सूर्या की मुंबई इंडियंस का मुकाबला विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स से था। 165 का टारगेट चेज कर रही मुंबई के विकेट लगातार गिर रहे थे और क्रीज पर सूर्या अकेले डटे थे। 184 के स्ट्राइक रेट से 43 बॉल पर 79 रन की पारी खेली। 10 चौके और 3 छक्के लगाए और मुंबई को जिता दिया। अशोक ने कहा, सूर्या के कदम बिल्कुल जमीन पर हैं। वो फैमिली वैल्यूज को बहुत मानते हैं। बचपन से ही सबसे ज्यादा लगाव मां से रहा। आज भी वो मैच के लिए मैदान पर जाने से पहले टीम बस में मौजूद रहते हैं और वहीं से मां को फोन करते हैं, उनसे आशीर्वाद लेते हैं।

सेमी से पहले बोले बटलर- भारत-पाकिस्तान फाइनल नहीं देखना चाहताः सूर्यकुमार को बताया बैटर ऑफ द टूर्नामेंट

एडिलेड। इंग्लिश टीम के कप्तान जोस बटलर ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-इंग्लैंड सेमीफाइनल से पहले कहा है कि वे भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल मुकाबला नहीं देखना चाहते हैं। 32 साल के बटलर ने इस समय टॉप फॉर्म पर चल रहे भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को बैटर ऑफ द टूर्नामेंट बताया। ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप का दूसरा सेमीफाइनल गुरुवार को भारत-इंग्लैंड के बीच एडिलेड में खेला जाना है। इस महामुकाबले से पहले बुधवार को इंग्लैंड के कप्तान ने मीडिया के सवालों के जवाब दिए। मैं बिल्कुल ऐसा नहीं चाहता हूं। जब से पाकिस्तान की टीम सेमीफाइनल में पहुंची है तब से भारत-पाकिस्तान के बीच फाइनल मुकाबले की चर्चाएं तेज हैं। सूर्य के खिलाफ रणनीति- उसे आउट करने के लिए एक अच्छी गेंद चाहिए।

13 साल बाद वर्ल्ड कप फाइनल में पाकिस्तान

न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया, बाबर रिजवान ने 105 रन की ओपनिंग साझेदारी की

सिडनी।

पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप 2022 के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल में 153 का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हरा दिया। पाकिस्तान की टीम ने 19.1 ओवर में 3 विकेट खोकर मैच जीत लिया।

पाकिस्तान 13 साल बाद टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचा है। पाकिस्तानी टीम 2007 में खेले गए पहले टी-20 वर्ल्ड कप में फाइनल पहुंची थी, पर जीती नहीं। आखिरी बार वह 2009 में खेले गए टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंची थी और खिताब भी जीता था।

खेले गए सेमीफाइनल में ओपनर बाबर आजम (53 रन) और मोहम्मद रिजवान (57 रन) ने ताबड़तोड़ बैटिंग की। दोनों ने 105 रन की ओपनिंग साझेदारी की। पूरे टूर्नामेंट में दोनों की ओपनिंग पर सवाल उठ रहे थे। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 4 ओवर में सिर्फ 24 रन देकर 2 विकेट लिए।

न्यूजीलैंड की सबसे बड़ी गलती, बाबर का कैच छोड़ा - न्यूजीलैंड को पहले ओवर में की गई गलती भारी पड़ी। जब बोल्ट की दूसरी गेंद पर न्यूजीलैंड के विकेट कीपर डेवोन कॉन्वे ने बाबर का कैच छोड़ दिया। तब बाबर आजम का खाता भी नहीं खुला था।

पाकिस्तान के शादाब की डायरेक्ट हिट से लड़खड़ाया न्यूजीलैंड - न्यूजीलैंड जब बल्लेबाजी कर रहा था, तब उसने पावर प्ले की आखिरी गेंद पर यानी छठे ओवर की आखिरी गेंद पर विकेट खो दिया। विकेट था विस्फोटक डेवोन कॉन्वे का। शादाब ने डायरेक्ट हिट पर उन्हें रनआउट कर दिया। पावर प्ले में 2 विकेट खोने के बाद न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी धीमी हो गई। अगर एक रन के लालच में कॉन्वे अपना विकेट नहीं देते तो फाइनल स्कोर में 20-30 रन और बढ़ सकते थे और मैच का नतीजा भी बदल सकता था।

विलियमसन-मिचेल ने संभाला, पर यह काफी नहीं रहा - सेमीफाइनल जैसे बड़े मुकाबले में कप्तान विलियमसन ने 46 रनों की पारी खेली। उन्होंने डेरिल मिचेल के साथ 50 गेंदों पर 68 रन की साझेदारी कर टीम को शुरुआती झटकों से उबारा। डेरिल मिचेल ने 53 रन की पारी खेली। उन्होंने जिमी नीशम के साथ 22 गेंदों पर 32 रनों की साझेदारी की। मिचेल की बल्लेबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड का स्कोर 153 पहुंचा, लेकिन यह काफी नहीं रहा।

शाहीन की शानदार गेंदबाजी - शाहीन शाह अफरीदी ने 2 विकेट लिए। उन्होंने ओपनर फिन एलन और कप्तान केन विलियमसन के विकेट अहम मौकों पर झटके। सबसे अहम बात 4 ओवर में उन्होंने केवल 24 रन दिए यानी 6 की इकोनॉमी रही।

बाबर का अजीब रिव्यू, पाकिस्तान ने मौके गंवाए पर जीत के बाद सब सही - 13वें ओवर की दूसरी गेंद पर मो. वसीम की गेंद विलियमसन के थाई पैड से टकराकर कीपर रिजवान के हाथों में गई। बाबर ने रिव्यू ले लिया। बल्ले से एज भी नहीं लगा था और गेंद भी स्टंप्स से काफी ऊपर जा रही थी। पाकिस्तान ने रिव्यू गंवा दिया। 16वें ओवर की पहली गेंद पर फिलिप्स को हारिस रउफ ने मौका दिया। लॉन्ग ऑन की दिशा में विलियमसन ने शॉट खेला। गेंद नवाज के हाथ में गई, उन्होंने थ्रो फेंका पर हारिस उसे पकड़ नहीं पाए। तब फिलिप्स क्रीज से काफी दूर थे। 16वें ओवर की आखिरी गेंद पर फिलिप्स फाइन लेग पर शॉट खेल रहे थे। गेंद बल्ले से लगकर कीपर रिजवान के ग्लव्स से टकराई, पर वे कैच नहीं पकड़ पाए। पाकिस्तान ने कई मौकों पर खराब फील्डिंग भी की। हालांकि जीत के बाद मौके गंवाने पर कम ही चर्चा हो रही है। हार मिलती तो यही गलतियां बार-बार गिनाई जाती।

सेमीफाइनल के पहले ओवर से शुरू हुआ रोमांच - सेमीफाइनल मैच के पहले ओवर यानी न्यूजीलैंड की बल्लेबाजी के दौरान फेंके गए पहले ओवर से ही रोमांच शुरू हो गया। शाहीन की पहली गेंद पर फिन एलन ने चौका मारकर न्यूजीलैंड की पारी की शुरुआत की। दूसरी ही गेंद पर उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट करार दिया गया, लेकिन रिव्यू लेने पर बच गए। अगली ही गेंद पर फिर अंपायर इरासम ने उन्हें एलबीडब्ल्यू करार दिया। न्यूजीलैंड ने रिव्यू लिया पर नाकाम रहा।

फुटबॉल मैच के दौरान बेहतर फैसले के लिए एआईएफएफ का बड़ा फैसला, 80,000 की सैलरी पर होगी 50 रेफरी की भर्ती

नई दिल्ली ।

भारत में फुटबॉल मैच के दौरान रेफरी के स्तर को ऊपर उठाने के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ अनुबंध के आधार पर 50 रेफरी नियुक्त करेगा। इन रेफरी को हर महीने 80,000 रुपये वेतन भी दिया जाएगा। ताकि वह रेफरी आसानी से अपना जीवन यापन कर सकें और उन्हें आय के लिए किसी अन्य स्त्रोत पर निर्भर न रहना पड़े। एआईएफएफ के अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा कि अगर भारतीय रेफरी अपने परिवार को चलाने के लिए पर्याप्त पैसा कमाते हैं और अपने पेशे पर पूर्णकालिक काम करते हैं तो भारत में रेफरी के स्तर में सुधार किया जा सकता है। इंडियन सुपर लीग टीमों के विदेशी कोच भारतीय रेफरी की उनके गलत फैसलों के लिए आलोचना करते रहे हैं। चौबे ने कहा, हर साल, भारत में रेफरी की गुणवत्ता, आईएसएल या आई-लीग या संतोष ट्रॉफी में रेफरी की गलतियों के बारे में शिकायत होती है, जिसने हारने वाली टीम की किस्मत को प्रभावित किया है। लेकिन इस मुद्दे पर और भी बहुत कुछ है। प्रति मैच रेफरी को मिलने वाली फीस बहुत कम है। राज्य लीग में, एक रेफरी को 2500 रुपये से 5000 रुपये और राष्ट्रीय लीग में 8000 रुपये से 10,000 रुपये तक मिलते हैं। यह सालाना 2.5 लाख रुपये से 3 लाख रुपये तक आता है, जो रेफरी के लिए केवल रेफरी करके अपने परिवार को बनाए रखने के लिए अपर्याप्त है। इसे सही करने के लिए, हमने तय किया है कि 50 रेफरी नियुक्त किए जाएंगे और उनमें से प्रत्येक को राज्य सरकार के स्तर पर लगभग 50,000 रुपये से 80,000 रुपये प्रति माह का वेतन दिया जाएगा, जो एक रेफरी के लिए अपने परिवार को चलाने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा कि तभी रेफरी पूरी तरह से अपने काम पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। चौबे ने आगे कहा हम 18 से 45 वर्ष की आयु के इन 50 रेफरी को संविदा के आधार पर नौकरियां दे रहे हैं। यह एक नीतिगत निर्णय है जो हमने किया है और अनुबंध के आधार पर रेफरी कैसे नियुक्त किए जाएं, इसका विस्तृत विवरण एआईएफएफ सचिवालय तैयार करेगा। इसके अलावा, हमारे पास मुख्य रेफरी अधिकारी (ट्रेवर केटल) हैं जो अच्छी तरह से योग्य और बेहद अनुभवी व्यक्ति हैं।

फीफा विश्व कप के एक मैच की टिकट की कीमत लाखों में

नई दिल्ली ।

फीफा विश्व कप की शुरुआत में अब दो हफ्ते का समय रह गया है। फुटबॉल के इस महकुंभ की शुरुआत 20 नवंबर होगी। वहीं, फाइनल मुकाबला 18 दिसंबर को खेला जाएगा। 29 दिन तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में 32 टीमें भाग लेंगी। फीफा विश्व कप का आयोजन पहली बार कतर में हो रहा है। अरब देशों में दिन के समय काफी ज्यादा गर्मी होती है। इस वजह से सभी मैचों का आयोजन रात के समय किया जाएगा।

कतर में फीफा विश्व कप की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं, लेकिन अपने कठोन नियम और समलैंगिक लोगों को लेकर कानून के चलते कतर लगातार विवादों में बना हुआ है। हालांकि, इन सब चीजों के बावजूद फैंस फीफा विश्व कप को लेकर काफी उत्साहित हैं। इसके चलते इस टूर्नामेंट में एक मैच के टिकट के दाम आसमान छू रहे हैं। फीफा विश्व कप में एक मैच के लिए टिकट की कीमत भारतीय मुद्रा में लगभग 14 लाख रुपये है।

कहां खरीद सकते हैं टिकट - फीफा विश्व कप के टिकट फीफा की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। सभी मैचों के टिकट ऑनलाइन खरीदे जा सकते हैं। कतर के लोगों और विदेशी नागरिकों के लिए टिकट की कीमत अलग-अलग रखी गई है। फीफा की वेबसाइट के अलावा दूसरे प्लेटफॉर्म से भी टिकट खरीदे जा सकते हैं, लेकिन इनकी कीमत अलग हो सकती है। फीफा हर स्टेज के लिए टिकट की कीमत अलग रखी है। हालांकि, अब तक ग्रुप स्टेज के अधिकतर टिकट बिक चुके हैं।

फीफा विश्व कप टिकट की कीमत

- ग्रुप स्टेज- 53 हजार से 4.79 लाख रुपये
- प्री-क्वार्टर फाइनल- 37 हजार रुपये से 18 लाख रुपये
- क्वार्टर फाइनल- 47 हजार रुपये से 3.40 लाख रुपये
- सेमीफाइनल- 77 हजार रुपये से 3.5 लाख रुपये
- फाइनल- 2.25 लाख रुपये से 13.39 लाख रुपये।

36 घंटे 5 मिनट में 600 किमी साइकिलिंग, मोहाली के जीरकपुर की मलिका ने जीता सुपर रेंडोन्योर टाइटल

चंडीगढ़।

साइकिलिंग करना फिटनेस के लिए सबसे अच्छी एक्सरसाइज है। चंडीगढ़ के बहुत से लोग साइकिलिंग करते हैं। शहर में तो कई साइकिल ग्रुप भी हैं जो हर सप्ताह रविवार को साइकिलिंग इवेंट करवाते हैं और साइकिलिंग करते हुए शहर से बाहर हिल स्टेशन जैसे शिमला, कसौली अन्य जगहों पर जाते हैं। ऐसी ही शहर की महिला साइकिलिस्ट हैं जिन्होंने साइकिलिंग पर अलग मुकाम हासिल किया है। वो हैं साइकिलिस्ट मलिका कालरा। चंडीगढ़ के साथ लगते मोहाली के जीरकपुर की रहने वाली मलिका कालरा ने बचपन में आम लोगों की तरह ही साइकिल चलाई थी, लेकिन कभी इसे अपने रूटीन में नहीं उतारा। बीते साल मलिका ने फिटनेस के लिए साइकिलिंग शुरू की थी, लेकिन उनकी साइकिलिंग को लेकर ऐसी रूचि पैदा हुई कि अब उन्होंने सुपर रेंडोन्योर टाइटल जीत लिया है। यह साइकिल प्रतियोगिता इंटरनेशनल स्तर पर आयोजित की गई थी, जिसमें मलिका कालरा ने अपनी छाप छोड़ते हुए इसे जीता है। इस साइकिलिंग प्रतियोगिता का आयोजन पेरिस स्थित अडाक्स क्लब पेरिसयन की तरफ से होता है। सोनीपत बाइसाइकिल क्लब की तरफ से 600 किलोमीटर की राइड को मलिका कालरा ने 36 घंटे पांच मिनट में पूरा कर यह टाइटल मिला है। मलिका कालरा सुपर रेंडोन्योर का टाइटल हासिल करने वाली ट्राईसिटी की पहली महिला साइकिलिस्ट बनी हैं। जिन्होंने निश्चित समय में 600 किलोमीटर की राइड पूरी की है। पेरिस स्थित अडाक्स क्लब पेरिसयन की तरफ से साइकिलिंग को प्रमोट करने के लिए दुनियाभर में इस तरह की साइकिलिंग प्रतियोगिता आयोजित कर यह टाइटल दिया जाता है।सोनीपत से शुरू हुई थी साइकिल प्रतियोगिता मलिका कालरा ने बताया कि यह 600 किलोमीटर की राइड सोनीपत बाइसाइकिल क्लब की तरफ से 29 अक्टूबर को शुरू हुई थी। यह राइड सोनीपत, रोहतक, गोहाना, पानीपत से होते हुए चंडीगढ़ के साथ लगते जीरकपुर तक आई।

टीम मैनेजमेंट की मुश्किल : सेमी में कार्तिक-पंत में से किसे खिलाएं

दिनेश के 4 मैच में 14 रन, ऋषभ भी 4 इनिंग्स में फ्लॉप रहे

एडिलेड।

टीम इंडिया 10 नवंबर को टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ उतरेगी, लेकिन, टॉप-4 के इस मुकाबले से पहले टीम मैनेजमेंट के सामने एक बड़ा सवाल उठ रहा है और इसे आप मुश्किल भी कह सकते हैं। उसे टीम कॉम्बिनेशन पर एक बार फिर मशक्कत करनी होगी। यह मुश्किल विकेटकीपर बैटर को लेकर है। सवाल यह है कि नॉकआउट मुकाबले के लिए किसे चुना जाए... दिनेश कार्तिक को या फिर रिषभ पंत को देखना यह होगा कि कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ का थिंक टैंक किसे मौका देता है। वजह यह है कि पिछले चार मैच में यह दोनों ही उम्मीदों पर खरे नहीं उतरे।

ग्रुप स्टेज के शुरुआती चार मैच में विकेट के पीछे दिनेश कार्तिक रहे, लेकिन बल्ले के साथ वो महज 14 रन ही बना पाए। ऋषभ पंत की पिछली चार इनिंग्स को देखा जाए तो उन्होंने भी कुछ खास नहीं किया।

पिछले मैच में पंत को मौका मिला था...कप्तान ने भी अहम बताया - इस समय कार्तिक और पंत पर चर्चा हो रही है, क्योंकि रोहित ने जिम्बाब्वे के खिलाफ आखिरी ग्रुप मैच में पंत को आजमाया। हालांकि, वे भी कुछ खास नहीं कर सके। ऐसे में टीम मैनेजमेंट को एक बार फिर सोचना होगा कि पंत को सेमीफाइनल की प्लेइंग इलेवन में जगह दी जाए या नहीं।

मैच से पहले कप्तान ने कहा- बीच में लेफ्टी बल्लेबाज की जरूरत थी - कार्तिक बड़े शॉट खेलने में माहिर हैं। फिनिशर की भूमिका बखूबी निभाते हैं। कई अहम मौकों पर टीम को जिताया है। विकेट के पीछे शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले चार मुकाबलों में चार कैच पकड़े हैं।

फिटनेस की समस्या है - फिनिशर की भूमिका में कार्तिक पाकिस्तान के खिलाफ दबाव में आ गए थे और ऐन मौके पर आउट हुए। बाद में अश्विन ने एक रन लेकर मैच जिताया। फिटनेस भी समस्या रही है। एक मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ चोटिल हो गए थे। देखना होगा कि एडिलेड में उन्हें मौका मिलता है या नहीं। ऋषभ पंत का ऑस्ट्रेलिया में रिकॉर्ड अच्छा रहा है। वे तेज और बाउंसी पिचों पर अच्छा प्रदर्शन करते हैं। इसका उन्हें फायदा मिल सकता है। पंत दबाव में नहीं आते हैं और टीम को किसी भी परिस्थिति से उबारने की क्षमता रखते हैं। विकेट के पीछे से गेम चलाते हैं, गेंदबाजों से बातचीत करते रहते हैं।

गलत शॉट खेलकर आउट होते हैं - आमतौर पर पंत को गैरजिम्मेदाराना शॉट खेलकर आउट होते देखा गया है। कई बार वे अहम मौकों पर विकेट फेंकते नजर आए और इसी वजह से उनकी आलोचना भी हुई। पिछले चार मुकाबलों में कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उनके नाम ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर महज 23 टी-20 रन दर्ज हैं।

रवि शास्त्री बोले- मैं पंत को चुनूंगा - टीम इंडिया के पूर्व कोच रवि शास्त्री भी कार्तिक पंत चर्चा में शामिल हो गए हैं। उन्होंने कहा- पंत मैच विनर खिलाड़ी हैं। वे फिनिशर की भूमिका बखूबी निभा सकते हैं। कार्तिक अच्छे टीम मैन हैं, लेकिन इंग्लैंड के बॉलिंग अटैक को देखते हुए हमें एक अटैकिंग लेफ्ट हैंडर बैटर चाहिए। वैसे भी पंत ने इंग्लैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है और हाल ही में वनडे भी जिताया था। मैं पंत को चुनूंगा, क्योंकि वो सेमीफाइनल में एक्स फैक्टर साबित हो सकते हैं। इसके पहले वीरेंद्र सहवाग ने भी पंत पर ही दांव लगाया था। उन्होंने कार्तिक पर एक तरह से तंज किया था। वीरू ने कहा था- कार्तिक को यह समझना होगा कि ये ऑस्ट्रेलिया के बाउंसी और फास्ट ट्रैक्स हैं। यह बेंगलुरू के फ्लैट विकेट नहीं हैं।

सर्दियों में बच्चों को जरूर खिलाएं फल इम्यूनिटी होगी स्ट्रॉन्ग

बच्चों को हेल्दी रखने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि उन्हें फलों का जूस पिलाने की जगह फल खिलाएं। खासकर बच्चों को सर्दियों में कुछ खास फल जरूर खिलाएं, जिससे कि उनके शरीर में किसी पोषक तत्वों की कमी न हो सके। सर्दियों में कुछ फल ऐसे हैं जिन्हें खाने से बच्चे न सिर्फ कई बीमारियों से बचे रहते हैं, बल्कि उनकी ग्रोथ भी अच्छी होती है। आप बच्चों को फ्रूट यॉर्गट बनाकर भी दे सकते हैं। आप ब्रेकफास्ट में बच्चों के टिफिन में भी इसे पैक कर सकते हैं। आइए, जानते हैं कौन-कौन से फल आपको बच्चों को खिलाने चाहिए।

आवंला : आवंला भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। बालों, स्किन और आंखों के लिए फायदेमंद आंवला डाइजेशन सिस्टम को भी बेहतर बनाए रखने में कारगर है। आप आधा आवंला भी बच्चों को खिला सकते हैं।

गाजर : गाजर में बहुत कम कैलोरीज होती है। यह कार्बोहाइड्रेट, फाइबर और प्रोटीन से भरपूरा होता है। बच्चों की आंखों की रोशनी सही रहती है इसलिए उन्हें किसी न किसी रूप में गाजर जरूर खिलाएं।

संतरा : संतरा विटामिन-सी भरपूर होता है। इसे खाने से इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है। विटामिन-सी के अलावा इसमें पोटेशियम और फोलेट की मात्रा भी बहुत ज्यादा होती है। बच्चों को संतरे बहुत पसंद भी होते हैं।

काले अंगूर : सर्दियों के मौसम में काले अंगूर मिलते हैं। यह सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। अंगूर भी संतरे की तरह विटामिन-सी से भरपूर होता है। बच्चों की दिल की सेहत के लिए भी यह बहुत फायदेमंद फल है।

अदरक और लहसुन का पेस्ट बनाने का बढ़िया तरीका

आप कोई भी सब्जी क्यों न बनाएं लेकिन अदरक और लहसुन जरूर डालते हैं क्योंकि इन चीजों को सब्जी में डालने इनका स्वाद बढ़ जाता है। आमतौर पर आप किसी भी सब्जी में ज्यादा नाप-तौल कर अदरक-लहसुन का पेस्ट नहीं डालते लेकिन अगर आप घर पर पीसकर पेस्ट तैयार कर रहे हैं, तो क्या आप जानते हैं कि दोनों चीजों की मात्रा भी आपकी सब्जी के स्वाद पर असर डालती है। आइए, जानते हैं पेस्ट को बनाने की ट्रिक के अलावा भी कुछ और कुकिंग टिप्स, जो आपका काम आसान बनाएंगे। आप ग्रेवी के लिए अदरक-लहसुन का पेस्ट तैयार कर रहे हैं, तो लहसुन की मात्रा 70 फीसदी और अदरक की मात्रा 30 फीसदी रखें। इससे सब्जी का स्वाद बढ़ जाएगा। ज्यादा अदरक डालने से सब्जी का स्वाद बिगड़ जाएगा। आप अचार और सब्जियों का स्वाद बनाए रखना चाहते हैं, तो आप इसमें लाल मिर्च पाउडर जरूर डालें। इससे अचार और सब्जियों का रंग और स्वाद बढ़ जाता है लेकिन इसकी मात्रा कम रखें।

जानिए अच्छी नींद के लक्षण

हेल्दी रहने के लिए सही मात्रा में नींद को होना बहुत जरूरी है। हालांकि इससे भी ज्यादा जरूरी क्वालिटी नींद का होना है। रात में अच्छी नींद लेने से आपको हेल्दी और फ्रेश रखने में काफी मदद मिलती है। चाहे आप दिन के दौरान चिड़चिड़े हों या वाइब्रेंट हों, यह काफी हद तक आपको मिलने वाली नींद की क्वालिटी पर निर्भर करता है। अपने दिल को मजबूत करने से लेकर अपनी इम्युनिटी बढ़ाने तक, नींद के कई फायदे हैं। लेकिन आपको कैसे पता चलेगा कि आपकी नींद की क्वालिटी अच्छी है या नहीं ? ऐसे में यहां जानिए अच्छी नींद के लक्षण।

5 मिनट के अंदर सोना

आमतौर पर लोग 5 से 15 मिनट में सो जाते हैं। लेकिन अगर आप एक घंटे से ज्यादा देर तक जग रहे हैं, तो यह अनिद्रा का साइन हो सकता है। वहीं 5 मिनट से कम समय में सोने का नींद की कमी से भी लेना-देना हो सकता है।

गहरी नींद

अच्छी नींद के लिए ज्यादातर लोग 8 घंटे की नींद लेना पसंद करते हैं। ऐसे में आपको यह सुनिश्चित करना है कि आपकी नींद गहरी हो। गहरी नींद या नॉन-रैपिड आई मूवमेंट स्लीप के दौरान, दिमाग की गतिविधि कम होती है, आपकी मांसपेशियां आराम करती हैं, और शरीर खुद को ठीक करता है और मरम्मत करता है।

बिना अलार्म के जगना

अगर आप रोजाना सोने-जागने का रूटीन बनाए रखते हैं, तो कई बार ऐसा भी हुआ होगा जब आप छुट्टी के दिन अपने सामान्य समय पर अचानक उठ जाते हों। ऐसा इसलिए है क्योंकि आपके शरीर की अपनी बायोलोजिकल घड़ी होती है। ऐसे में अगर आप अपने शरीर की नींद की जरूरतों को पूरा कर रहे हैं, तो आपके लिए अपने आप एक निश्चित समय पर जागना आसान होगा।

बिना नींद खुले सोना

नींद के एनआरईएम चरण में जाने के लिए बिना रुकावट वाली नींद जरूरी है। इसलिए सुनिश्चित करें कि आप शांत जगह में सोएं।

सपनों को भूल जाना

रिपोर्ट्स कहती हैं कि अगर आपको तनाव कि शिकायत है और ठीक से सो नहीं रहे हैं तो आपको अपने सपनों को याद रखने की ज्यादा संभावना है। हालांकि, सपनों को याद रखने की क्षमता आनुवंशिकी और अन्य वजहों पर भी निर्भर करती है।

प्रदूषण से हो रही है आंखों में जलन, तुरंत अपनाएं घरेलू उपचार

आसमान में धुंध छाई है। हवा की क्वॉलिटी लगातार गिरती जा रही है। ऐसे में सबसे ज्यादा दिक्कत सांस के मरीजों को हो रही है। वहीं आंखों में जलन की समस्या भी देखी जा रही है। दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में प्रदूषण की वजह से यह दिक्कत सबसे ज्यादा है। वहीं पूरे देश के कई शहरों का एक्यूआई यानी एयर क्वॉलिटी इंडेक्स बढ़ा हुआ है। यह जहरीली हवा हमारी हेल्थ के लिए काफी नुकसानदायक है। सबसे अच्छा तरीका है कि आप इस समय घर से बाहर कम से कम ही निकलें। हालांकि कामकाजी लोगों के लिए यह जरा मुश्किल है। आप यहां कुछ उपाय देख सकते हैं जो प्रदूषण के साइड इफेक्ट्स से आपको राहत देंगे।

स्क्रीन से बना लें दूरी

सबसे पहले आंखों की बात करें तो अगर आपको आंखों में कड़वाहट और जलन हो रही है, आंसू आ रहे हैं तो यह स्मॉग का असर हो सकता है। इससे आंखों में ड्राइनेस बढ़ जाती है जो चुभन और आंसू आने की वजह होती है। आपकी आंखें पल्यूशन की वजह से इरिटेटेड हैं तो ऐसे में सबसे पहले मोबाइल और लैपटॉप से दूरी बना लें। स्क्रीन पर 9-10 घंटे चिपके रहने से भी आंखों की ड्राइनेस बढ़ती है। आप डॉक्टर की सलाह पर कोई ल्यूब्रिकेंट टियर ड्रॉप ले सकते हैं।

पानी से करें टॉक्सिन्स बाहर

प्रदूषण या किसी भी तरह के इन्फेक्शन को शरीर से कम करने के लिए जरूरी है कि हाइड्रेट रहें। ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं इससे शरीर में पहुंचे टॉक्सिन्स बाहर निकलेंगे। आप हाइड्रेटेड हैं तो ड्राई आई की समस्या भी कम होगी।

ठंडे पानी से धोएं आंखें

अगर आंखों में जलन हो रही है तो ठंडे पानी से आंखों को धोएं। बाहर से आकर खासतौर पर आंखें धोना न भूलें। आंखों में कोई दिक्कत होती है तो हाथ बार-बार वहीं जाता है।

अपोलो अस्पताल - आशा की किरण

1983 में स्थापित अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप एशिया का अग्रणी एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता है, जो अस्पतालों, फार्मेसियों, प्राइमरी केयर और डायग्नोस्टिक क्लीनिकों सहित हेल्थकेयर इकोसिस्टम में मौजूद है। अपोलो अस्पताल नेदानिक उत्कृष्टता, आधुनिक तकनीक, शिक्षाविदों और अनुसंधान के लिए समर्पित है। अस्पताल चिकित्सा प्रौद्योगिकी में सर्वोत्तम और नवीनतम का उपयोग करके अत्याधुनिक चिकित्सा प्रक्रियाओं में माहिर है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षित डॉक्टरों के नेतृत्व में 60 से अधिक विभाग हैं, जिन्हें समर्पित रोगी देखभाल कर्मियों द्वारा कुशलता से संपादन किया जाता है। एशिया के सबसे बड़े और सबसे भरोसेमंद स्वास्थ्य सेवा समूह के रूप में, इसकी उपस्थिति में 73 अस्पतालों में 10,000 से अधिक बिस्तर, 4500+ फार्मेसी, 300 से अधिक प्राथमिक देखभाल और 1100 नैदानिक केंद्र, 11,000 डॉक्टरों के साथ 200 टेलीमेडिसिन केंद्र और 1,00,000 हेल्थकेयर पेशेवर शामिल हैं। उच्च गुणवत्ता, रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य देखभाल प्रदान करने के उद्देश्य से, अपोलो हॉस्पिटल्स ने प्रमुख विशिष्टताओं और सुपर स्पेशियलिटी के लिए समर्पित उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया हैं। आज, जैसा कि भविष्य संकेत दे रहा है, हम स्वास्थ्य सेवा की डिजिटल क्रांति में अगले अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं। हम व्यक्तिगत स्मार्ट हेल्थकेयर समाधानों से जुड़े रहने के लिए एआई और एमएल, डेटा एनालिटिक्स और रोबोटिक्स की शक्ति का उपयोग कर रहे हैं। एक विशिष्ट सम्मान में, भारत सरकार ने अपोलो के योगदान की मान्यता में एक स्मारक डाक टिकट जारी किया, जो एक स्वास्थ्य सेवा संगठन के लिए पहला था। अपोलो हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ. प्रताप सी रेड्डी को 2010 में प्रतिष्ठित पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। अपोलो हॉस्पिटल्स ग्रुप ने 39 से अधिक वर्षों से लगातार चिकित्सा नवाचार, विश्व स्तरीय नैदानिक सेवाओं ओर अत्याधुनिक तकनीक में नेतृत्व किया है। हमारे अस्पतालों को लगातार उन्नत चिकित्सा सेवाओं और अनुसंधान के लिए विश्व स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अस्पतालों में स्थान दिया गया है। भविष्य के लिए तैयार है अपोलो अस्पताल!

अपोलो हॉस्पिटल्स विशेषज्ञ सलाहकारों के साथ सुपर-स्पेशियलिटी देखभाल और 30 से अधिक विशिष्टताओं में नए युग के बुनियादी ढांचे की पेशकश करता है, जिनमें शामिल हैं :

एनेस्थिसियोलॉजी, कार्डियोलॉजी, कार्डियोथोरेसिक शल्य - चिकित्सा, कॉस्मेटिक सर्जरी, महत्वपूर्ण देखभाल, त्वचाविज्ञान, मधुमेह विज्ञान, आपातकालीन, एंडोक्रिनोलॉजी, एंडोक्राइन सर्जरी, ईएनटी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, सामान्य दवा, सामान्य शल्य चिकित्सा, जराचिकित्सा, रुधिरविज्ञान, स्पर्शसंचारी बीमारियों का उपचार, प्रयोगशाला सेवाएं, नवजात विज्ञान, नेफ्रोलॉजी, तंत्रिका विज्ञान, नाभिकीय औषधि, प्रसूति एवं स्त्री रोग, ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, हड्डी रोग सर्जरी, फिजियोथेरेपी, प्लास्टिक सर्जरी, रेडियोलॉजी और इमेजिंग विज्ञान, श्वसन औषधि, रुमेटोलॉजी, प्रजनन दवा, वक्ष शल्य चिकित्सा, संवहनी सर्जरी, यूरोलॉजी

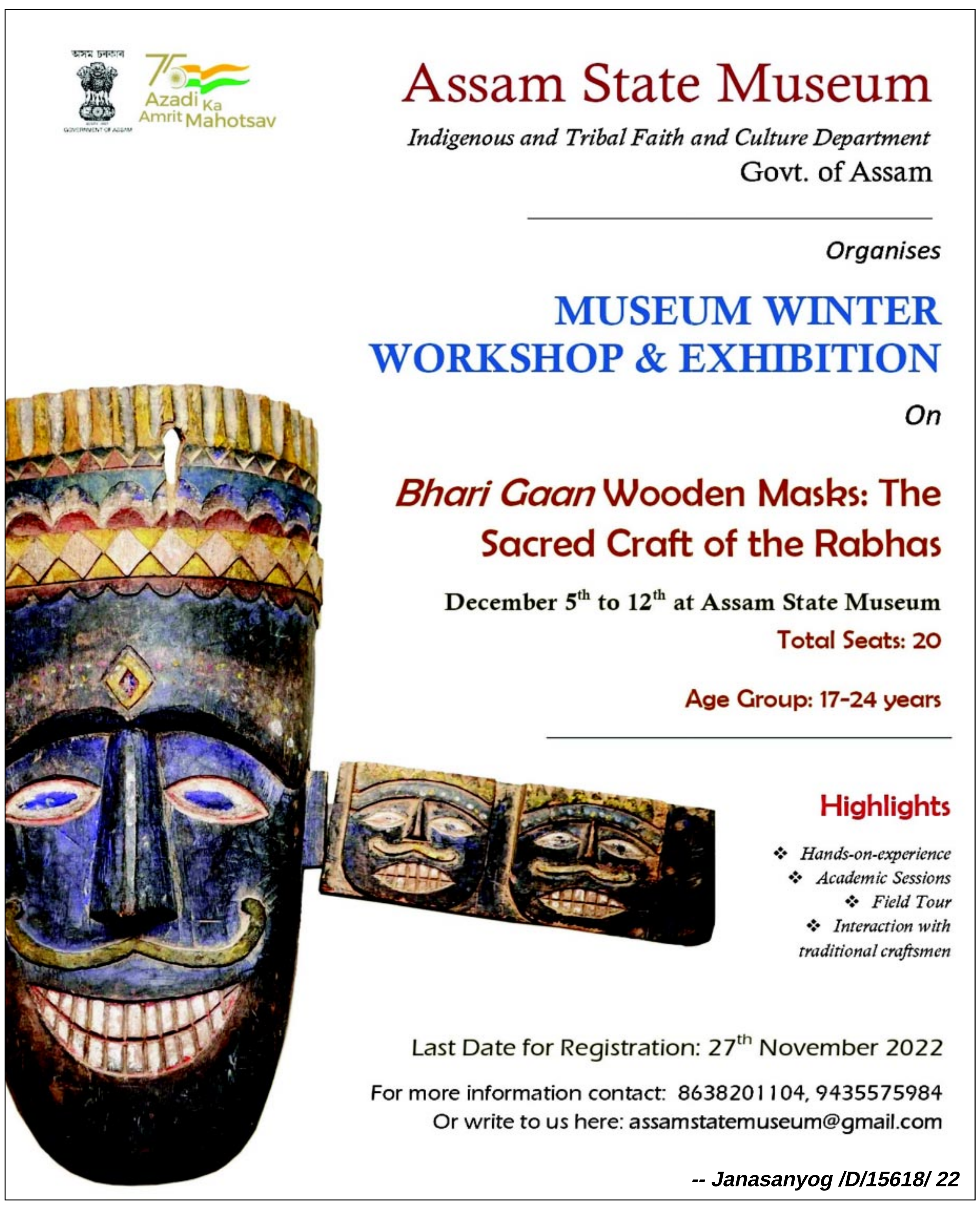

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**